नं० ६४

६४८

कहूनमहानदिवसग्रहनानी सूरदासप्र
भुनमेरेदासकौंसवसषियनमिललिषी॰
जपानी १३०४ गोपिकापत्री श्रीकृस्नप्रति
रागकेदारा फिरिब्रजबसोगोकुलनाथ ब
रजननकबहूंघातमाषनदह्योदेनहुपार॰ टैहैं
नकबहूउरहनौंनेंदघरनिशाबैंजाः १ टैहैं
नरांवरीदौरिकबहूंलकुटजसमतिपान
वोरीनदेहिबनाइकैश्रीगुननकहिहैंप्रान
कहिहैननसमसौंमानहटहटकैंनमागनदा
न कहिहैंनमृडमरलीवजावनकरनन॰
मसोंगान २ कहिहैंनचरननिदेनजावक
गुहनवैनीफूल कहिहैंननमसौंरवनम

सूर
सा
५८४

गावसनजमुनाकूल देखुदरसनननैदरसनैदरन
मिलनकोजियञ्चास सूरप्रभुकेदरसकार
नमरतलोचनप्यास ॥३॥ रागमलार हरि
परदेसवहुतदिनलाए कारीघटादेषवादर
कीनैननीरभरिआए वीरवटाऊपंथीहोत
मकौंनदेसतैंआए यहपातीलैदीजौहमरी
जहांसावरेछाए ॥ दादुरमोरपपीहावोलत
सोवतमदनजगाए सूरदासगोकुलतेंवि॰
छुरेआपुनभयेपराए ॥३॥ रागमलार नि
सिदिनवरषतनैनहमारे सदारहतपावस
रितहमपरजवतेंस्यामसिधारे दृगअंज
ननरहततनिसवासरकरकपोलभयेकारे

कंचुकीपटसूछमनंदीकवहूंउरविववह·
नपनारे २ आरसूलिलवहैभईव्याकुलन
दीजानरमटारे सूरदासप्रभुगोकुलवहूउन
काहेनलेतउवारे ॥३॥ रागसारंग अखियं
करतहैंपनआर सुंदरस्यामपाइनैकेमि·
समिलनजातदिनचार वोहिथकीवाउस
हिउडावतकवटैषोंग्रहारि मैंनोस्यामसरु
मकरटेरनकालिंदीकेकरार १ कमलव·
दनरूपरहैपंजनमानोहुउनवारि सूरदासप्र
भुनमरेरसकोंउडननपंषपसार ॥३॥
रागगौरी कहाउननैननिकोअपराध रस·
नारटतसुननतजमसुवनानिउहिंहीअगाम·

सूर अगाध भोजनकहैंभूषकोभाजैविनपा-
सा येंकहास्वाद इकटकरहतलुटतनहिंक
५८५ बहूंहरिदेषनकीसाध १ यहगाउंषीविनं
585
गमरतनकहोकौनविधिकीजे एकवरव
जआइकृपाकरिसुरसुदरसनदीजै ।३१८
रागसारंग अवकतसुरतहोतहैराजनि
दिनदसपीतकरीस्वारथलगिसोऊआप-
नेकाजनि सवैअज्ञानभईस्वतिसुरलीट-
गीकपटकेवाजनि अवमनथकितसिंधु
केषगलोंफिरफिरसुरतजहाजनि १ हि-
ननातोनवहीतेंछूटोसुफलकसुतसंभा।
जन गोपीनाथककहाइसुरप्रभुअवकतमें

रतनलाजन १३१५ रागसारंग नहिंविसर
तिविहरतिब्रजनाथ होंजरहीहहिहटमें
नहेस्रषहीमैंषेलतइकसाथ रहमनाइ।
तऊनहिंमान्योश्राभुनचरनछुपर्हेसिहाथ
नवरिसकरसोईउनसखकरिफिकिराष।
तिउपरनानाथ १ रह्योनपर्योपेमरसश्रा।
नरजानीरजनीगईप्रकाथ सुरस्यामहैं
रगीमहानिसगाइसुनाभाइप्रानकोगाथ
१३१९ रागमलार कहापरदेसीपतियारो
धीनवढाइचलेमधुवनकोंबिछुरटयोउ
घभारो ज्योंजलहीनमीनतरफतहैऐसें।
व्याकुलप्रानहमारो ज्योंमृगनादरीकित

सूर
सा
५८९

586

नदीनैंपारथीवानसंभारी १ सुमिरनहीन
ज्ञानवसकीनैमाथेवानउतारी सूरदासप्र
भुकेदरसनविनदीपकभवनअंध्यारी १३१
रागगौरी देषियतकालिंदीअतिकारी क
हियौजाइपथिकहरिसौंतमविरहविथाज
रजारी गिरिप्रजंकतैंपरतिधरनिधसिअ·
तितरंगतरफततनभारी नदवाहउपचार
हरजलपूरप्रसेदपनारी १ विगलतकच·
ज्ञुवकांसपुलिनमज्ञुपंकसुकजलसारी
भौरभ्रमतअतिफिरतभ्रमतगतिदसदिस·
दीनउधारी निसिदिनचकईपियजुरटत
हैभईमनोअनुसारी सूरदासप्रभुजोजमु

नागरिनसौं गारि भई हमारी ॥३१८ रागबिहा-
गरा माधव जू नैं कहि पठाई देहु गायन मैं
नैंना के बदलै जो चाहो सो लेहु भूली फिर-
ति हमी सो डोलति बचन गानतानि गेहु जा
दिन तैं अपराधी नैंन निवरजत कियो मने
हु १ पथिकनि हारे पा लागत हौं बिरह कि
यो तन खेहु सूरदास प्रभु आन पथिक को
न मैं निहारो एहु ॥३१९ रागसारंग नमग्र-
पाल गोकुल के बासी ह्वै सी बातें षोटी म-
नि सनि लोग करत हैं हासी मथि मथि सि
फ सकल सार षो खे मंभ किये विषग्रासी
हनि कै कंस राज दियो औरन आप चराहि ॥

सूर
सा
५८

587

लईदासी १ आरजपंथकुलउगोपिकाकु-
लमरिजादानासी आपकरतसूधासमसूर
प्रभुहमैंदेनदुषगांसी ॥३॥ रागसारंग न
वतेछीनसरीरसवाइ आधोकभोजनन।
करतहैसवरवालनिमनदाइ आनेदमिसै
मिटीसवलीलाकाहूमननउछाह नेदस
हरपिछवारैदाढैनैननिनीरप्रवाह १ एक
वेरनमआवइव्रजमैंहूथपतुषनिपाइ
सूरसपतिपैदौंजोगोकुलहलदिमथुरी
जाइ ॥३॥ रागमलार संदेसननमधुवनकू
पभरे अपनेतोपठवतनाहिंमोहनहमरे
फिरनफिरे जितकपाथिकपठवनमथुव

नकौंवइरनिसोधकरे कैकहूंस्याममषा

पदयेहैंकैकहूंवीचमरे कागदगरेमेहा।

ममहूटीमरहौंलागिजरे केसवमहालि॰

षनकोंआधोनैनकपापरे ।३२२ गगमर

लार देषोमाईचहूंदिसनेघनघोरे मानोम

मंमटनकेहस्तीवलकरिवधनतोरे स्या

मसभगतननडुंवनगोडमदवरषनघोरेघो

रे सकतनपवनमहावतहूंपेमरतनअ।

ग्रेंअसमोरे १ मानोनिकसिवगादंतउरनि

नेसवमतोवरफोरे वनवेलीनैननिजल

वरषनऊचकंउकीवंदेवोरे नवउदिसमैं

जाइअमरावतजउपनिसोंकरजोरे अव

सूर
सा
५८८
588

वैसूरस्यामकेहरिविनुगिरनगातज्यौंझोरे
१३१३ रागमलार वड्डौंपवादरवरषनआ
ए अपनीअवधिजाननेंदनंदनगरजिगर·
जिघनछाए कहियतहैसूरलोकवसत·
हैसेवकसदापराए चातकपीककीपीर
जानकैतेऊनहांतेंआए द्रुमभयेहरितह
हरषमिलीवेलीदादुरमृतकजिवाए छा
एनीउवेदतननचउचउपछिज्ञहूंपतिपाए
समझतनाहिहूकमसषिअपनीवड्डतदिनें
नाहरिलाए सूरदासप्रभुरसिकसिरोमन
मधुवनवसविसराए १३१४ रागमलार
सिषीँसिषरचढिटेरसुनायो विरहिनिसा

घन

वधाहैरहियौसजिपावसदलआयौ वदरा
अतिवानैनपवनचढिचाउकचपलदिषा
यौ मदनसुभटकरपंचवानलैअजसमन्म·
थउठिधायौ १ पिकचातकअरुफिंकफा·
रीडुझुंमिलिमारुगायौ चमकतिवीजमै
लकरमंडुनगारजनिसानवजायौ सुम्यौ·
विटेसनेहनंदनंदनकौंविरहनित्रासदिषा·
यौ सूरदासप्रभुअवधिजानिकैरहतप्रा
नविरमायौ १३२५ रागकेदारा कोऊमाई
वरजैरीयाचंदै अतिहीक्रोधकरतहै हम
परक्रमदिनिऊलआनंदै कहूंककहूंवरष
वनअनुनकहूंहलाहलागोरे चलनन।

सूर
सा
५८९
589

चपलरहतेरथथिरकैविरहनिकोननना
रै १ निंदतसैलउदधिपन्नगकोंआपनक
मटकहोरे देतअसीसजरादेवीकौंराहुके
नजिनजोरे जैसेजलहीनमीनतनतनरफ
नपेसीगतिव्रजबालहि सूरदासअवआ
निमिलावहुमोहनमदनगुपालहि १३२९
रागमलार वहुरवनवोलनलागेमोर क
रनसंभारनंदनंदनकीमनिवादरकीजोर
जाकेपियपरदेससिधारेसूकीपरतनिनढो
र मोहिवहुततउषहरिविछुरेतैंहोतविर
हकोजोर १ वातकपिकचकोरओरमो
राउनसवहुनाकियोगोर सूरदासप्रभुनै

कमिलौकिनजनमभलोतवमोर ॥३२७॥

रागमलार आजवनमोरनआयौगाई ज-

वतैंअववनपलौंसुनिसजनीनवतैंरहौन

जाई ब्रजतैंविछुरेमुरलीमनोहरमनोमौ

लगायौघाई औघटवैदकरहैगाफडभयौ

नमेंउरहछाई १ चातकपिकउघटेतैंरैंन-

दिनपियपियववनसुनाई सूरदासप्रभु

लौलेजैहौंजरेमिलैंहरिराई ॥३२८॥ राग-

विलावल नाथअनाथनकीसुधिलीजै

गोपीग्वालउघीदरसनविनुझधोकोप-

तियोंलिषदीजै पलोऊघीपरमविनुदेषैं

कायकामवसकीजै सूरदासप्रभुमौंह

सूर
सा
५९०

590

नंदकीएकवारब्रजआवनकीजै ।३२९
विलावल अंतरजामीकुंवरकन्हाई गु
रुगृहपठनहुतेजहांविद्यानहांब्रजकीसु
धिआई गुरुसोंकह्यौजोरकरदोऊदछ-
नाकहौसुदेहुमेंगाई गुरुपतनीकह्योपु
त्रहमारेमृतकभयौसुदेहुजिवाई १ आ
निदियेगुरुसुतजमपुरतेंतबगुरुदियौ
असीसमुनाई सूरदासप्रभुआइमधपु-
रीऊधोकोंब्रजदियौपठाई ।३३० इति
श्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेसूर
दासकृतौषट्चत्वारिंशोध्यायः ४६ ॥

अथभ्रमरगीतवर्नन श्रीकृस्नवचनऊ·
धोप्रति रागमलार जदुपतिसषाऊधो
जान लगेमनमनयहैसोचनमलीनहि·
यहवान प्रेमभजनपरिहोनटाढेनिठुर·
जैसेंकाठ मेंगायहनहिंवननतनीकोहोइ
जैसेंसार १ जौकहौंतौकरैकहयहनिठ
निठहैब्रह्ममोह देषिवेकौंपरमसुंदरवर
तनैंननिजोहि गंगाकलसब्रपानजैसेंते
सोईयहरूप स्रकैसेप्रेमपावनविना·
होइस्वरूप ।।२३।। रागनट जदुपतिजान
ऊधोरीत जिहिप्रकृतिनिजसषाकहीय
तकरतभावब्रनीत विरहदुषजहांनाहि

सूर
सा
५९
59

नैकहूंतनहूनउपजैप्रेम हूपोषनवारनजा॰
कैउहियसौंवहूनेम १ त्रिगुनतनकरल॰
षतहूमकौंभ्रममाननत्यौर बिनागुनकौं
गुहमिउपैपैयहूकारनमनदौर यहूसार
किहिंमेंउकहियेकौंबलैसैमार कलुक
हूतयहूपेकप्रगटनप्रतिभयौमहूंकार २
प्रेमभजननैकथाकेंजाउकौंसमझार सू
रप्रभुमनयहैमाईब्रजहिदेऊंपठार ३२२
रागनट यहूऋधोऊधासीरंग सदामिलउ
कमाथवैटनचलनबोलनसंग बातकहू
ननवनतयामेंनिठुरजोगीजंग प्रेमसुनि
विपरीतभाषतहोतहैरसभंग १ सदाब्रज

कौंध्यानमैंरामसंगतनंग स्वयहासक·
हौंकामैंमिल्यौसषाभउंग ।१३३ रागन·
ट संगमिलिकहौंकासौंबात यहलोक
हजोगकीबातेंजामैंरसजरजात कहत·
कहापितमातकौनकेपुरुषनारिकिहि
नात कहांजसोदामैयाहैकहांनंदसम·
नात १ कहांवृषभानसुतासंगकोसषव
हवासरवहुपात सषीसषासषनहीभ·
वनमैनहिवैकुंठसहात वैबातेंकहियै·
किहिगुगैयहगुनिहीरिपछुनात सुरदा
सप्रभुयहमहिमाकहिलषीवदनवलश्या
म ।१३४ धनासिरी कहांसषब्रजकौ ·

सूर
सा
५९२
592

सोसंसार कहांसुषटवेसीवटजमुनातट
मनमहाविचार कहांवनधामकहांराधा
संगकहांव्रजवाम कहांरसरासबीचश्रंन
रसुषकहांनारिननाम १ कहांलतान
तनकप्रतिबूफनकेजकेजवनधाम कहां
बिरहबहसुषबिनगोपिनुसंगसूरस्याम।
मनकाम १३३८ रागधनासिरी मधाहम
कौंमिलेकऊधोबचनटारतजात श्रुराम
निजमनकोप्रगटकरकहौंकासौंबात
भजनभावबिनानहीसुषकहांप्रेमप्रक
जोग कागहंसहिसंगजैसोकहांउघकरें
भोग जगानमैंपहसंगदेष्योवचनप्रतिक

हैव्रज सूरव्रजकीकथाकासोंकहोंयह·
कैहैंभ ॥३३॥ रागकान्हरा हंसकागको
संगभयौ कहांगोऊलकहांगोपगोपिका
विधियहसंगरच्यौ जैसेंकंचनकांचज्यौंचं
दनसंगऊगंध जैसेंघरीकपूरदोऊसम·
यहभईछैसेंसंध ॥१॥ जलबिनुमीनरहत।
ज्यौंनारीयहसोरीनबलावत जबव्रजकी
बातैंशहकाहियनतनबाहिनबाहिउबदावत
याकोंस्नानध्यापिव्रजपदवोंश्रोरनपाहिउ
पाउ सुनोसूरयाकोंव्रजपदयेंबलावने·
गोराउ ॥३४॥ धनासिरी याहिश्रोरकछु
नहीउपाउ मेरोप्रगटकह्योनहिवादिहैव्र

जकौं देहु पठाइ गुपत प्रीत जुवतिनु की क·
हिकैं याकों करौं महंत गोपिनु के पर मोध
न कारन जै है मन तनु रंत १ अति अभिमा
न कैं गो मन मैं जो गोपिनि की यह भांत सूरस्या
मयह मन निह वै के कारि वैदिर है मिलपांत
१३२९ धनासिरी जब हीयाहि कहि हौं जाइ
मोहि पठत गोपकनि पै हरषु हुई हैं नाहि जो
गको अभिमान करि है ब्रजहि जै है धाइ क
है गो मोहि स्याम समान न करौं यह ब्रत राइ १
आइ गए निहि समैं ऊधो सषा कहि लियौ बो
ल कंध धरि भुज भये ठाढे करन वचन रो
लि बारबार उमास उरारन कहत ब्रज की बा·

त सूरप्रभुकेबचनसुनिसुनिउपगासुत॰
मुसिकात ।२७। धनासिरी हरिगोकुल
कीबातचलाई सुनोउपगसुतमोहनबिस
रतब्रजबासीसुषदाई यहबिनहोतजाउमैं
प्रबहींइहांनहींमनलागत गोपीग्वाल॰
गाइबनचारनप्रतिउषपावैत्यागत १
कहांमाषनरोटीकहांजसुमतिजेंवहुग॰
हिगहिप्रेम सूरस्यामकेबचनहंसतसु १
नियापतिप्रपनोनेम ।२८। रागरामक
ली जदुपतिलष्योनिहिंमुसिकात कह
तमोमनरहीजोईसोईभईयहबात बचन
परगटकरनकारनप्रेमकथाचलाइ सु

सूर सा ५९४ 594

नोऊधोमोहिब्रजकोसुरतनहिंविसराइ ।
रैनसोवतदिवसजागतनाहिंनैंमनआन
नेंदजसुमतिनारिनरब्रजनहांमेरोप्रान
कहतहरिसुनिउपगसुतयहकहतिहोंरस
रीत सूरचितनेंटरतनांहींराधिकाकीप्रीत
१३४२ रामकली सषासुनिएकमेरीबात
वहतागृहगोपकनिसंगसुथिकरतपछता
त विधिलिषीनहींटरतकोंहूंयहकहत॰
अकुलात हंसिउपगसुतवचनबोलेकहा
हरिअकुलात सदाहितयहरहतनांहींस
कलमिथ्याजान सूरप्रभुयहसुनोमोसों
एकहींसोंजान १३४३ रामकली जबऊधो

यहबातकही नवजउपतिप्रतिहोमघणा
योवानीप्रगटसही श्रीमुषकह्योजोजाइन·
सब्रजकोंमिलौजाइब्रजलोग सोविनवि
रहिभरीव्रजबालाजाइसुनावहुजोग १
प्रेमसिराइज्ञानपरमोथोनमहैपूरनज्ञानी
सूरउपगसुतमनहरषानीयहमहिमोइन
जानी ।३४८ रागगौरी ऊधोयहनमनिह
चैजानौ मनवचक्रमभैंनमैंपठावतव्रज
कौंनरनमलानौ पूरनव्रह्मसकलअवि
नासीनाकेनमहीज्ञाना रेषनरूपजान·
ऊलनाहींजाकेनहिपितमाता १ यहम
नहैगोपिनकोंप्रावहुविरहनहीनमैंफास

सूर
सा
५९५
595

न सूरनरनन्हमनजाइकह्यौयहब्रह्मविना
नहिश्रमत १३४५ रागकल्यान ऊधौम
नअभिमानबढायौ जदुपतिजोगजानि
जियसांचौनैंनअकामबढायौ नारिनिपै·
मोकौंपठवतहैंकहतसिषावनजोग म
नहीमनआपकरतअसेसायहमिथ्याम·
वभोग १ आपुसमानलियौमिरूपरअ
भुअतापरमान सूरदासप्रभुगोकुलपठ
वतमैंकैयौंकह्यौकआन १३४६ रागकान्ह
रा नमपठवतगोकुलकौंजैहौं जोमान
तहैंब्रह्मकीवातैंतौऊनमोंमेकैहौं गदगद
वचनगाहतपरफलनवारवारसमफैहौं

हौं आजनहींजोकरैंकाजहौंकौनकाज१
निश्चैहौं जावनहैंब्रजजनसमजावनजन्म
सफलकरलैहौं सूरदिनाद्वैब्रजतननसुष·
देषाइचरनछुनिगैहौं ।३४७ धनासिरी ऊ·
धौब्रजकौंगवनकरौ मोविज्ञविरहभरीव्र
जबालानिनकोउषहरौ जोगज्ञानपरमो·
धसवनिकौंज्यौंसुषपावैनारि पूरनब्रह्म
सलषविवेककरिमोहिविसारौजारि १ स
षाप्रवीनहमारेहोतमनमनैंनहीमहंत सू
रस्यामरहिकारनपटवनहैआवैगोसंत १
३४८ रागबिहागरा ऊधौवेगिहीब्रजजाउ
सुरतसदेससुनाइमेटोनलफतनकोदाउ

सूर सा ५९८ 596

कामपावकतूलसमतनविरहस्वाससमीर
जरिभसमनहिहोनपावैंलोचननकेनीर १
आजलोंइहिंभांतिहैवैकछुकसलसरीर स
माधानकियैंविनातियकैंोंधरेमनधीर वा
रवारकहाकहौंसुनसषामाधप्रवीन सूर
सुमतिविचारदेषौजीवैंजलविनमीन ।३७४
रागकेदारा सुनिसषाहितश्रानमेरेनाहि
नैंसमनोहि कैसैंऊंकरिश्रीरनकीजोगोपि
कनिमेंमोहि रैनदिनममभक्तिउनकैंक
लूकरतनश्रान श्रीरसरवसमोहिश्रपौंत
रुनितनधनप्रान १ ध्यानमैंपरतनहींनेह
ध्यागोपकुमार सालोकतासामीपतासाह

पताभुजवार पकरहीसाजञ्जनतासोसिद्धि
नहिविनज्ञान सोइतुमतुमदेसीयौजिहि
लहैपदनिरवान १ जोनश्रंगीकृतकरैवे
होइहोरिनदाम सूरगाइचगाइहोंमैंवड्डरि
वसिव्रजवास १३५ विहागरा नवतव्रज
नाहुउपगासनश्राज ज्ञानउकाइषवरदे॰
श्रावहूपकपंथ्यहैकाज जवतैंमधुवनमें
हमश्रायेश्रौरगयौनहिकोइ जवतित्रैपै
नाहीकौंपटवैंजोनमलाइकहोइ १ इक
प्रवीनश्रौसषाहमारेज्ञानीनमसरकौंन
सोईकीजौजैमैंव्रजवालासाधनसीषैंपो॰
न श्रीमषस्यामकहतयहवानीऊधोस

सूर
सा
५९७
597

नतसहातआपुसमानसूरप्रभुजैहौंनाहिं॰
मानिहैंवात १३५१ रागगौरी ऊधोव्रजजिन
गहरलगावहु तुमव्रजनारिजानिमनम॰
ऊधवतकहियौंजोगसनावहु वानीकहत
समझिकैवैलैहैंकहीहमारीमानो विरहवा
हियहसननतुफैहैंअनलैपानो अवहीजा
इविकलसवगोपीजोगवचनकहिपोषो
सूरनंदवावाजसमतिकौंवेगिजाइसंतोषो
१३५२ रागगौरी गहरजिनलावहुगोकुल
जाइ तुमहिविनाहमहूहैंव्याकुलजदुप
तिकरिचतुराइ अपनोईरथ्यतुरतमंगायौ
दियौतुरतपलनाइ अपनेअंगआभूषन

करिकरिश्राग्रनह्रिपह्रिरा३ १ श्रपनोमङ्ग
रपीनांवरश्रपनोदेनमवैमुघटा३ मुरस्य
मनह्रूपउपगामुनभूगपटपकववा३ ह्रप३
विह्रागड़ा स्यामकरपानीलिषीवना३ नेट
ववामौंविनयजोरकरश्रौरजमोद्दामा३ गो
पीयवालमषामवइनमोंमिलियोकंटल॰
गा३ श्रौरवोषनारिनरजैहैंनिमोश्रीनजना
३ १ गोपकानिलिषजोगपद्दायोभावन॰
जामौजा३ मर्रश्रमनश्रौरैयहूकह्रिश्रे॰
महिलेनहछा३ १३५८ विह्रागड़ा उपग॰
मुनहाघदंइह्रारिपानी यहूकह्रियोजमम
निमैयामोंनह्रिविमवनह्रिनगानी कहन

सू॰ सा॰ ५५८ 598

कह्यौ वसुदेव देवकी नंदन कौं हम है जाये कं
स त्रास सिसु अन हीं जानकैं ब्रज मैं राषि दुरा
ए १ कहै वनाइ कोट कोऊ वानैं कही वलरा
म कन्हाई सूर काज कर कैं दिन कछु मैं व
हुरि मिलैंगे आई १३५५ राग मलार ऊधौ इ
तनौ कहियौ जाइ हम आवैंगे दोऊ भैया मै
जिन अकुलाइ याकौ विलगावहु तहू मन म
नैया जब कहि पठयौ धाइ वह गुन हम कौं
कहां विसरत है वडे किये पय प्याइ १ अरु
जब मिलौ नंद बाबा सौं तब कहियौ समझा
इ तौलौ दुषी होन नहीं पावैं धौरी ध्रूमर गाइ
जद्यपि इहां अनेक भांत सुष तद्यपि रह्यौ न

जाइ सूरदासदेषौंब्रजवासिननवहीहियो
सिराइ १२५८ प्रसावरी मेरीहातीमोजन
नीकोंमिलऊमलानकहोगे बाबानेंदहि
पालागनकहिउनउनबरनगहोगे जा॰
हिनतेंमधुवनहमआयेसोधनहीनमली
नो देदैसोंहकहोगेहितकारकहानिठुरा॰
विनकीनो १ यहकहियोबलरामस्याम
हूमआवहिगेदोऊभाई सूरकरमकीरेष
मिटैनहियहहूकहियोजउबाई १२५७ रा॰
गकेदारा विधिनायहलिष्योसंजोग क
हांतेमधुपुरीआयेतज्योमाषनभोग क१
हांवैब्रजकेसषासवकहांमथुरालोग है

सूर
सा
५९९
599

वकीवसुदेवसुतसुनजननीकरहैसोग ।
रोहनीमाताकृपाकरउछंगलेतीगोद
सूरश्रीमुषयहवचनकहिलिषपठायोजो·
ग १३५८ विहागडा कयोजानव्रजहिम
ने देवकीवसुदेवसुनिकैहृदयहेतगुने
आपमेंपानीलिषीकहियनंदजसुमतिने
द सुतहमारेपालपठयेअतिदियोआने·
द १ आइकरिमिलजानकवहूनिस्याम·
अरुवलराम यहैकहतपठाइदैहोनवा
हितनविश्राम वालसुषसवतुमहिल
टेमोहिमिलेकुमार सूरयहउपकारतु·
मतेंकहतवारंवार १३५९ रागगौरी पा·

नीलिषऊथोकरटीनी नेटजसोर्दैहितक
रटीजौहमनउपगासुतलीनी मषहिवव
नकहिहैतजनायौनमसोहितहमारे वा
लकलषिपट्येनपुरतेनमश्रतिपाल·
नहारे। ऊवजासुमौजानव्रजऊथोम
हलहिलियौवुलाई श्राश्नपानीलिषिरा
धाकौंगोपित्रसहितभलाई मोकौंनम।
श्रपगायलगावतकृपाभइश्रनपास ऊ
कतिकहामोपरव्रजनारीसुनऊनसूरज
दास १३८· रागमलार हमपरकाहेंऊक
नव्रजनारी मांकीभागनहीकाहूकेप्रभु
कीकृपानिधारी ऊविजालिष्योसंदेसम

सूर
सा
६००
600

वकौंछोरकरीमनुहारी ह्वैतौदासीकेसरा
इकीदेषोहृदैविचारी १ फलनमध्यज्यौं·
कटुकतोमरीलैजलषोरैडारी जवबहृप
रीवतरकैपालैबाजतरागाडुलारी ततदे
दोह्वोसवकोऊजानतपरमतभईप्रियक
री सूरदासकहनामयकेसवअपनेह्वा।
थसवारी ११८। रागगोरी ऊधोब्रजह्विज
इपालागौं यहपातीराधाकोदीजोयह·
मैंतमसोंमांगौं गारीदेहृशानउदिमोकोंस
ननरहतयहबानी राजाभएजाइजउनं
दनमिलीकूवरीरानी १ मोपरारिसपाव·
नकाहेकौंब्रजह्विस्यामकौंनराष्यौ लर

काईतैंबाधनिजस्रमतिकहाजमाषनवा॰

षै॥ रजलैसवैहृनराइनीनममहिनमना

वृषभान स्रसामवइरौंब्रजजेहैंग्रेसेमा।

येघ्रज्ञान ॥३८२॥ धनासिरी ऊधौयहराधा

सौंकहियौ जैसीकृपास्याममहिकीनीआ

पकरतसोरहियौ मोपैरिसपावनविनका

रनमैंजनिहारीदासी नमहीमनमैंगुन॥

थोदेषौविनतपायोकासी ॥१॥कहौस्याम

कीनमग्ररथंगनमैंनममरकोनाही सूर

जषभकोंपहनहूफिरैकौंनउहांलोंजा॰

ही ॥३८३॥ बिलावल नवऊधौहरिनिकट

बुलाये लिषिपातीदोऊहाथदईनवमध

तेवचनसुनाये ब्रजवासीजाचतनारिनर
जलथलद्रुमवनपात जोजिहिविधितासों
तैसीविधिश्रमपरमसुखपात १ जोसुष॰
स्यामसुमहितैंपायौसोत्रिभुवनकहूंनांही
सूरजप्रभुदैमोंहआपनीसमुझनहीकेना
ही १३९८ रागसारंग प्रहलैप्रनामनंदराइ
सों नापाछैमेरोपालागनकहियौजसुम॰
तिमाइसों एकबारतुमबरसानैलोंजाइस
वैसुधिलीजो कहिवृषभानमहरसोंमेरो
समाचारसवदीजो १ सीदामाअरुसुबलव
लनिकौंमेरीतरफौंभेंटो सुषहिसंदेसस॰
नाइसवनकौंदिनदिनकोदुषमेटो मित्र

एकवनवसतहमारैंनाहिमिलतसुषपैहो
करिकरिसमाधाननीकीविधिमोकौंमाथे
नैहो २ तुवपोजिनतसमसयनकेंजमैंहैंतहं
केतहमारे हृंदावनमनरहतनिरंतरकबहूं
नहोतनिनारे ऊधोसोंसमफाउप्रगटकर·
अपनेमनकीवीती सूरदाससवामीसैछल
मौंकहीसकलव्रजपीती १३८५ रागसोरठ
हलधरकहतप्रीतजसुमतिकी कहांतेहि
नीउननीपावैवहबोलनअतिहितकी एक
दिवसहरिलेषतमोसोंझगरैकीनोपेलि
मोकोंदौरकोटकरिलीनोउहिदीनोकरिटे
लि १ नंदववानवकानुगोटकरषीजन·

सूर
सा
६०२

602

लागेमोकों सूरस्यामनान्हौंतेरोभैयाकौंहन

आवतनाकौं ।२९९ रामकली जसुमतिक

रनमोसौंहेत सुनौऊधौकहतनवनैनैंनम

रिभरिलेत उडुनिकौऊमलानकहियोनमैं

भूलतनाहि स्यामहलधरसुतनमारेऔरके

नकहांहि १ आइनमकौंधाइमिलिहैंकछु

ककारजऔर सूरहमकौंनमविनासुख २

कौंनहीकछुटोर ।३०० रागरामकली क

हीहरिऊधौसौंव्रजप्रीत सोलैचल्यौजोगगो

पितुकौंनहांकरनविपरीत नरतथेंकम

रिषाहिचढायौविनयकह्यौकरनाहि

विरहजंजालमेरगोपितुकौंआवहकाज

निवाहि । लैरजबरनसीसबंदनकरिव·
जहिरहौंदिनहैक सुरजप्रभुश्रीमुषक
हिपटबनन्नमविनरहौंनंनैक ।३८८ वि·
लावल ऊधोचलेस्यामग्राफमलैव्रजना।
दिनकौंजोगकस्यौ हरिकेमनयहृश्रेमल
हैगोवइतौजियश्रभिमानगस्यौ श्रातरव·
वस्यौहरषमनकरकैहरिमहंतकरिपठै
दियौ संदनवहैस्यामसवभूषनजानिप
रैनंदसवनविधौ । जवतीकहासानसम
कैंगीगरववनमनकहनवल्यौ ।३८९ गा
गकेदास जवहिचलेऊधोमधुवनकोंगो·
पीमनहिजनाइगाई वारवारसुलिलागो·

सूर
सा
५-३
60

आवननकछुउषकछुजियहरषभई जहे
तहेंकागउडावनलागीहरआवनउडिजात
नहीं समाचारकहितवैसुनावनउडिवेर·
तसुनिअननकहीं १ सषीपरसपरयहक
हिवातैआजस्यामकोआवनहै कियोंहर
प्रभुकोऊव्रजपठयोआजुषवरकैपावनहै
१३०· व्रजआगमन रागधनासिरी उमगि
व्रजदेषनकोंसवधाए हरषिउमंगपरसप
रपूछतस्यामउलहेव्रजआए सोईधुजाए।
ताकंसोईजारथवाढिजसिधाए पीतव·
सनकरननिकुंडलछविवैसेईसाजवना·
ए १ आइनिकटपहिचानेऊधोनैनजलट

जलजाय सूरवढ़ीदरसनकीश्रासानवन

नविरहजनाय ॥३१॥ जसोदावचन धना

सिरी ऊधोहमश्राजभयेवडभागे जिनश्र·

षियांतमस्यामविलोकेतिनिश्राषिनिहम

लागे जैसेंसुमनसुगंधलेश्रावतपवनम·

धुपश्रनुरागे श्रतिश्रानंदवढ्योश्रंगश्रंगमे

पलोइतोसुषपागे ॥ ज्यौंदरपनमैंहैदग

निरषतहंहिजहंतहंजागे तैसेंसूरहमसि

लेसांवरैंविरहविथानभागे ॥३२॥ राग·

सोरठ कवहूंसुधिकरतगुपालहमारी

पूछतनंदववाऊधोसोंश्ररुजसुमतमह·

तारी वहुतेचूकपरीश्रनजानेकहाश्रवके

सूर
सा
६०४
604

पठवताने वासुदेवघरभीतरआयेहमसूरी
रकरजाने १ पहिलेगरगकह्योहोहमसों
सोसुषदुषगयोभूल सूरदासस्वामीकेवि
छुरतमरियततेहूहींसूल १७०२ ऊधोवचन
घनासिरी कह्योकानूसुनिजसुमतिमैया
आवहिंगेंदिनचारपांचमेंहरिहलधरदोऊ
मैया वसीवेत्रुविषानहमारीकहूंअवेरस
वेरी मतिलेजाउचुराइराधिकाकछुकाषि
लौनामेरो १ प्रातनकियोकलेऊकवहूंसो
ऊनचौंषीमाइ जादिनतेंहमतुमसोंविछु
रेकाहूनकह्योकन्हाइ कराकहौंकछुक
हतनआवेजसुमतिजोदुषपायो अवसुनि

यतवसुदेवदेवकीकहुतहमारोजायो २।
कहियेकहानंदबाबासोंबहुतनिठुरमनको
नो सुरस्यामपठंवाइमधुपुरीबहुरनफेरोही
नो ॥१३७४॥ नंदवचन रागसोरठ हूकपरीहरि
कोमिवकाइ यहअपराधकहांलौंबरनोंक
हिकहिनंदमहरपठनाई कोमलचरनक
मलकेटकमैंउनपैजाइचराई रैवकटयि।
केकारनजसुदाबांध्योऊषललाई । सुरप
तिक्रोधजानिजियअपनेवरुनफांसतेंम
हिमकराई अपनेतनधनलोभकंसडरआ
गेंकरिदीनेदोऊभाई निकटवसनकवहू
नमिलआवनइनेमानमेरीजउनाई सुरस

सूर सा ६०५ 605

जौलौंनातोमानतप्रेमसहितकरैंनेंदृढाई
१३०५ जसुमतिवचन धनासिरी ऊधोहम·
ऐसीनहीजानी सुतकेहेतमरमनहिजान्यौ
प्रगटेसारंगपानी निसवासरछतियांसौंला
ऊंवालकलीलागाऊं ऐसेंकहंभागपुरन·
हैहैवहूरौंगोदषिलाऊं १ कोअबवालसषा
सेगलीनेमांखनमैबजआवै कोअबचोरचो
रिदधिषहैंमैयाकौनबुलावै फाटतनहीं।
वज्रकीछातीहरिवियोगक्योंसहियै सूरदा
सप्रबनेंदनंदनविनकहौकौंनविधिरहियै
१३०६ ऊधोवचन रागधनासिरी ज्ञानवि·
नाकहूंवैंसषनाहीं घटघटव्यापकदारपुग

नज्यौंमहावसनउरमांही निरगुनब्रह्मउस-
गुनकौंदीरनसोधौंकहेंकिहिंमांही नबभ
ज्यौजिननिकटनहूहैज्यौंननतैंपरब्रांही १
तिहिंतैंकहौकौंनसुषपायौजेअवलोअवगा
ही सुखरामअैसैंकरलागनज्योगुहविनता
हैंवांही ।२३। जसोदावचनऊधोप्रति राग
केदारा अैसोजोगनहमपैहोई सुनिकैवच
ननमारेऊधौनैनास्रावनरोई ऊंतलऊटिल
मऊरऊंडलछविरहेजविनमैंपोई सुरज
प्रभुविनप्रानरहतनहींकोटककरौकिनको
ई ।२३८ रागगौरी ऊधौपालागनहौंकहि
यौस्यामहिइतनीवात इतनीहरवसनकौं

सूर
सा
९८
606

छाडेअपनेजननीतात जादिनतैंमधुपुरी
सिधारेस्याममनोहरगात नादिनतैंमेरेनैं
नपपीहाटरसनकोंअकुलात १ जहांलेष
नकीठौरनमारीनेंददेषिपछतात जोकव
हूंउटिजातषरिकलौंगाइचरावनपात उ
रतदेषिशोरनिकेलरकाशनिकसनहीं
जात सूरदासवइरौंकवदेषौंकोमलकर
दधिषात १३०९ रागमलार नवनमसैरेंका
हेआए मधुकौंनवसेनंदनंदनजोपेकान्ह
देवकीजाये हूधदहीकाहेंकोचोर्योकाहे
कौंवनवछचराए काहेंकोंगोवरधनधर॰
करवरुननफांमतैंनेरछाए १ अवअरिष्ट॰

कालीफनिकास्यौविषजलतेंसवमषाजि
वाये स्वरदामलोगनकेमोरेंकाहूंहरिश्रव
होतनपाप १३८ धनासिरी मेरेकानूकम
लदललोचन श्रवकीवेरवड़ेरघजश्रावड़
रहतियहैजियसोवन यहमेरेजियवड़त
लालसावैटीदेषतिरहिहों गाइचरावनषू
लिस्यामकोंवड़रानिकवहूंकहिहों १ कर
नश्रवउनवरजोंकवहूंश्रफमाषनकीचो।
री श्रपनेजियनैंनभरिदेषोंहरिहलधरकी
जोरी दिवसचारमिलिजाउसोंवरेकहियो
यहैसंदेसो पकहूंवेरश्रानसषरीजैसूर
मिटायश्रंदेसो १३९ धनासिरी ऊधोश्रव

सू। सा ५८ 60

जोकानूनथेहैं जियजानोग्रहहूहैविबोहम
प्रतहीउषपेहैं षुब्बोजाइकौनकौटोटातव
कराउनरटेहैं षायौषेल्योसंगहमारैनाकों·
कहावतैहैं गोकुलग्रहमथुराकेवासीक·
हालोकूटेकैहैं प्रवहमलिषिपठियोवाह
तहैंहाहूंपतिनहींपेहैं इहिगाइनवारिबोळ
ग्रोहिजोनहिलालवैहैं इतनैपरनहिमि
लतसूरप्रभुफिरिपाछेपाछितैहैं ॥३८२॥ रा
गकल्यान कृधोइतनीकहियोजाइ प्रति·
कृसगातभईतमहीविनुपरमदुषारीगाइ
जलसमूहवरषतिप्रतिप्रषियनलैलैहैं·
कततनाइ जहंतहंगाऊडहूननमकीनोसं

षतिसोईसोईहोइ १ परनविचारकहोग्रव
नमैरहमग्रतिव्याकुलदीन मानोमूर १
काटिडारहैंयाजलमैंतेंमीन १८७ राग
सोरठा इतेजननकाहेकोंकिये अपनेजा
नजानिनंदनंदनवडूतभयनितैराषिल
ये अवचकहूषभवरूनवंधननैंव्यालजी
नहावाम्रिपिये इंहूमानमेसौगातिकरय
ननपुलकितआनंददिये विछुरनको
हूमवातनजानीवचनमानिव्रजवाहूजि॰
ये सूरदासग्रहहूंउटिलालवसवेसहूनए
कठिनहियै १८८ सोरठा यहक्रूमयाजो
नवहीकरते नोकनरहतेजीवनअवलों

सूर
सा
६०८
608

करतगोकुलकेलोगउबरते तृनावर्तअसु·
रकीवकासुरकहौकौंनविधिमरते भूमि
प्रलंवअौरदावानलसवअघनाउवरते १
अपअरिष्टकेसीवृषभासुरवकनइंद्रकौं
टरते सूरदासप्रभुगोषकहांहांजोअैसीम
नधरते १३८५ ऊधोवचन सारंग धन्यने
दयनिजसुमतिरानी धन्यग्वालधनिध·
निगोपीजनगोदुषिलायेसारंगपानी ध·
न्यव्रजभूमधन्यहृंदावनजहांअविनासी
आप धनिधनिअाजसूरहमहूधनितम·
सवदेषतनपाप १३८८ गोपिकावचन रा·
गसारंग भलीवातसुनियतहैअाज को

ऊकमलनैंनपठ्यौहैतनवनाइअपनोसो
साज पूछतसषाकहौकैसैंहैंव्रजनाहीक
रतेकछूकाज कैसमारिवसदेवघरआयेउ
ग्रसैंनकौंटीनौंराज १ राजाभएकहौंहैयदु
सुषसुरभीसंगाविनगोपसमाज व्रजसुनि
सुरकरीकोऊकोटिकव्रजमैंनाहिवसतब्र
ज १३८ श्रीराधिकासगुनविचारि राग॰
सारंग आजकोऊनीकीवातसुनावै कैस
धुवनतैंनंदलाडलौकैकोऊहतपठावै भों
रापकचहूंदिसतैंउनकानलागिकैगावै ३
नमभाषाऊवैवाढिवाढिअंगअंगसुसवान
जनावै १ भामिनिएकसषीतनचितनयो

सूर
सा
६५

609

नैंननीरभरिआवै सूरदासकोऊव्रजऐसो
हैजोव्रजनाथमिलावै १३८८ गोपिकापर
सपरवचन रागमारू देषौनंदद्वाररथठाढौ
बहुरिसषीसुफलकसुतआयौपर्यौसंदेह
अतिगाढौ आनहमारेनवहीलैगयौअब·
किहिंकारनआयौ मैंजानीयहवातसुन
नअक्रूरकृपाकरनउठिधायौ १ इतनीकह·
तआइगयेऊधौतिहिंछिनदरसनदीनौ त
बपहिचानसषाहरिजूकौपरमसुचितम·
नकीनौ तवपरनामकियौअतिहितसौं·
औरसवनकरजोरे सुनियतहैतेसेईहैं
परमसुचितअतिभोरे २ तमरोदरसपाइ

हमअपनोजनमसुफलकरमान्यौ सूर॰
सुऊधोमिलतभयोसुषज्यौंऊषपायोपा॰
न्यौ ।३८४ रागमलार हैकोऊवैसीयेअउ
ह्यार मधुवननैवैआवनसषीरीदेषोनैंनप॰
सार वैसोईमुकुटमनोहरकुंडलपीतवस
नहविकार वैसेईवानकहूनसारथिसोंअ
जजनवांहपसार १ केतककवीचकियोहरि
अंतरमउवीतेदिनचार सूरस्यामविनयौं
नरफतहैंजानोमीनविनवारि ।३८५ राग
असावरी आजचनस्यामकीअउहार आ
वतउनपउमगमोंदेषिरूपकीवारि ।ं ह
धउषसीउरवनमालाचितवतचितहरै

सूर मतुहलधरअग्रजमोहनकेअवननसमु
सा पै १ गइवलनिकटनदेषेमोहनप्रानके
६१० येवलहारि सुरसकलगुनसमरस्यामके
610 विकलभईव्रजवारि ।३४। धनासिरी आज
व्रजकोऊआयोहै किधौंवहैअक्रूरक्रूरहै·
जियतजानउठिधायोहै नाकौरथदाठो
मैंदेष्योनमकोंसाधवनायोहै किधौंहरि
कृपाउषनदीननपरप्रभुसंदेसपठायोहै १
वलीसिसटसवदेषनकारनऊधोरथसाटि
धायोहै नवपहिचानजानिप्रभुकोभृत·
कमलजोरिसिरनायोहै हरिहैंकमल·
ऊमलदोअवतमऊमललोगासभायोहै

हैवहनगारुझमलमराजप्रभुकारिमहहिजो
ख्यायोहै १३५१ त्रिभंगीछंद समावरी हरि
घरतनजस्यौसुप्रनूपदिषावै जिहिमगारुक·
सगायौतिहिमगतैंश्रावै उहिमगतैंश्रावैस
घनिवुलावैदैषौश्रानविचारी सझटझेंडल
तनपीनवसनकोझगोविंदकौश्रुहारी १
वेईभूषननिरषनलागीनवलगनेंरंश्रायौ
झयोजिपजानीमनप्रझलानीझुसमेंटस
पठायौ चलौचलौसूछैंकछुवातैं कहिक
हिझयोहरिझमगातैं २ कहिझमगातैंसौ
वीवातैंश्रावनकस्यौकनांही कैंगरवानैंग
जसमानैश्रवचितहमनसहांही हाठीन

सू॰
सा॰
६॥
611

नकापैहैरैवांकेवारवारअकुलाही अवजि
यकपटकलजिनराषोपूछैसोहटिवाही ३
कहोऊधोतुमकैधौंब्रजआयेंनवहैसकलोह
मकुलपठाये कुलपठायेतवब्रजआयक·
हतमनोहरवानी सुनौसंदेसौनजोअंदेसो
नमहीवचनरसयानी ४ गोपसषाजियमें·
जिनराषोअवगनिहैंअविनासी मोहनमा
यापीरनदायासवघटअंतननिवासी ऊधो·
जिनकहोप्रभुकीप्रभुताई सुनिजियअन
षवधौरिसकहीनजाइ ५ रिसकहीन·
जाइअनषवधौअतिपुनिलौलोंवनआई
सामीऊंवजानीवकीसंगतकौनवेटमतर्प

ई तमहूंभलीकहतनहोश्रापहमकोंभलेस
याने जोकछुवस्तदेषियतनैंननिसोकिन
मनंहीमानें ५ ताहीसोंक्योंनंहीमनमाने
गोविंदकीवातेंसबकोऊजाने सबकोऊजा
नैंक्योमनमानैश्रवनकछुकहिश्रावे जोक
छुऊबजाकेमनभावेसोईसोईनावनवावे ६
वाकोंन्याउदुषसबहमकौंकरमेषकोजा
नै गोरसदेषिजसादाधोगाहकविधिनाकीग
तिश्रावै ऊधोकमलनैंनसोंकहियोजाई
एकवेरब्रजदेहुदिषाई ७ जिहिंकीप्रीतनि
रंतरमनमैंतामनकौंसमझावै संकरब्र
ह्मसेषब्रह्मसुरपतिकोंऊदरमननहिंपावै

सूर
सा
६१२

612

वैसियैरासविलासकुलाहलघरघरमाधन
हरियै १३९३ ऊधोवचन रागसारंग गोपी
मनोहरिकुसगात कंसनृपकौंमारखोरेस्रा
पनेपितमात वहुतविधिसगुहारिकरिदि
यौउग्रसैनहिराज नगरलोगसुषीवसतस
पसवसुनंकेकाज १ मोहियहपातीदईलि
षकह्यौकछुकसंदेस सुनिरगुनव्रलध·
रिउरनजोसकलसंदेस १३९४ गोपिकाव·
चनपरसपर रागविलावल पातीमधुवा
नतेंआई ऊधोहरिकेपरमसनेहीताकेहा·
थपठाई कोऊपढतकोऊधरनिनैनपरका
हूकंठलगाई कोऊपूछतिफिरफिरऊधौ

कौंआगुनलिषीकन्हाई १ वड़ीगौंदईफेरऊ
धोकोंनवगुनवांचसुनाई मनमैंध्यानहम
रेराषीसुरसरासुषदाई ।१२५ रागसारंग
पानीमधुवनहींनेआई संदेसस्यामकान्ह।
लिषपठईआरसुनोरीमाई आपनेआपनेगृह
नैंनिकसीलैलकुंटलगाई कहाकरैंसुनेगो
ऊलहमहरिविनकछुनसुहाई १ नैंननिनी
रटतिव्रजसुंदेरिप्रेमतृषानवुझाइ सुरदा
ससामीमथुरावससुयिहमरीविसराई ।२९
रागमलार कोऊव्रजवांचननाहींपानी क
नलिषिलिषिपठवनतनंदनंदनकठिनविर·
हकीकानी नैंनसजलकागदअतिकोम

सूर
सा
६१३

613

लकरअंगुरीअतिनानी पामैंजैरैविलोकैंभी
जैतुहूंभांतिदुषछानी १ कोवांचैपअंकसूर
प्रभुकठिनमदनसरघानी मवसुषलेगए
स्याममनोहरहमकोदुषदैष्यानी १३४७ धा
नासिरी लिषीब्रजनाथकीयहछाप ऊधो
वांचैफिरतसीसपरवांचतआवैताप नवत।
नअपीतनेदनेंदनकीघरघरभयोसंताप जा
नैकहाजोगआराधनअविगतअगमअमा
प १ हरिआगैंकुबजाअधिकारीसुनियत॰
नाकोदाप नाहीकौंनमिषावहुसूरजकन
कीनेव्रजथाप १३४८ रागसोरठ लिषलिष
पटवनलागेकागर मदनगुपालप्रगटदे॰

हैविदुकौंवधैंमननागरि ऊधौजोगाक
हालैकीजैजलविदुसकौसागर सुनिरे
मधुपकांवकेवटलैकोटेहैवैगागर १ म
धुपसंदेसोविनतैसुनियौमधुवनस्यामउ
जागर सूरदासप्रभुविनकोराषैननजोव
नकोअगार ४५४ रागनट ऊधौनमैंगुपा
लइहाई कवहूंकानूकरनसुधियइनिकों·
कियौप्रीतिविसराई हमअवलाअज्ञानअ
लपमनवरनप्रीतिलगाई सोईवातकहौ १
किनसांचीझाओतुमहूडराई १ कहूकव
हूरव्यावहिऊधौकरैंकेलिसुषदाई कराहू
क्रूपाजनसूरग्रापनेवारसकटरासहिपाई

सूर
सा
६१४

614

१८०० राग मलार ऊधो कहू मधुवन की रीत
राजा है जउ नाथ तुम्हारे कहा चलाई नीत नि
सकर करन दाह दिनकर ज्यौं हुतौ सदा ससि
सीत परबस पवन कह्यौ न हि मानत कि-
यौ सेज पट पीत १ कंस काज ऊब जा कैं मा-
थौ भई निरंतर प्रीत सूरदास ब्रज भलौ न मा-
नत जहां ग्यान है गीत १८०१ धनासिरी क-
हा भयौ हरि मथुरा गाए कहू ऊधो कै से स-
बिपावत नन है भौंन भए कहां श्रंग ग्राति पे-
मथुरा नन उहां निज नेमन ए हूं कहि यत
है राज काज बस ल्यौ कर बेत्र लए १ कहा-
गधरा धप स्यौ सफल कसत यह रगाढा

ददप कैसैंकान्हूरहितगोकुलविनलोगन·
कैसिषप राजाराजवसतहरप्रणनेमाथेछ
वरद्ये चिरजीवौअवसूरनैंदसुतजीजतम·
छवितये १८०२ रागसारंग हमारेवोलवव·
नपरतीत सुनिऊधोहमनाहीजानीतुमरे
गोवकीरीत हमरोधीनमतमजोलैगापग्रा
वनकहिगपकंसहितीत तुमरोवोलन।
कोऊपनीजैज्यौंअमपरकीभीत १ आवन
अवधिवदीहरिहमसौंसोऊगापवितीत सू
रदासप्रभुमिलौकृपाकरसुमिरिपुरातन·
प्रीत १८०३ धनासिरी कहियतऊवजाकू
लनिवाजी छुवनअटपटीचालगईमिटि·

सूर सा ६१५
615

मिटिनवसनकंचुकीसाजीमिलीआइआँगैं
दरवाजैदेवैदनदगवाजी पायौनरतनमहा
गसवनिकौंविमलशीतिउपराजी १ सफल
भयौपिक्षलोतपकोनोदेषिसरूपकामरति
लाजी जगकोप्रभुवसकियौसूरस्वानिमक
लसहागिनिसिरवाढिगाजी १५०६ रागसा
रंग सुनियतराजनीतपढिआए समझीवा
तकहतमधुककेंसमाचारसवपाए इक
अतिचतरहुतेआगेंईंओरग्रंथपढिआए वा
ढीवुद्धजानीजोउनकीजोगसंदेसपठाए १
ऊधोभलेलोगआगेकेपरहितडोलतधाये
अवअपनेमनफेरपाइहैंचलतजहुतेचुरा

प पकैौंग्रनीतकैंगेऊधौग्रौरग्रनीतक्लुडय

ये राजधरमनौपहैस्त्रजौग्रजानजाहिसे॰

नाप १८०५ रागानट ऊधौनैकमजमहरि

कौग्रवननिमनि केवनकावकघूरकरडे

मममघडुषगनग्रौगन नामउनहिकोम

ननगेहनजिजाइवमतवनकानन परम

हैनेटगिरेषियनहैंग्रावनमिलामोगन १

वालिकपिडकोराउसँघासौलोकलाजउ

रडारी स्त्रपनषाकीनाकनिपानीनियवम

होइमगारी वलिमोवांयपनालपटायोकी

नेजलवनाई म्हगीनजानैजेहरिकोकर

ननजीनहिजाई १८०८ रागामारंग ऊधौपन

सूर
सा
८५
61b

नमारौ व्यौहार धनिवैदाऊरधनि नमसेवक
धनि हमपरसनहार काटह्मप्रेवुवहूरलगा
वह्वचंदनकौंकिधौवार हमकौंजोगभोग॰
ऊवजाकौंपसीसमफनमार १ नमहरिप
देधानरीविधानिपरचटसार पकरौसाफ
चौरकौंछाडैंवुगालनकौंइनवार समकि
नपरैनमारीऊधोहमव्रजनारिगंवार सूर
दासप्रैंसैकौंनिवहैप्रेंधधुंधसरकार ८५०
रागनट ऊधोगोपालकहांकोवासीकासें
हैपहिचानि नमधौंजोगकौंनकेसिषयें
हांकहतनहोग्रानि प्रथमवैंत्रधुनिकरनट
रनमननागरागनीटानि ध्रुनिवहव्याधवें

सविसवासनहुननविषमसरनानि १ श्र
पनेस्वाटभौंरउडिवैटनिकमलभलोरस·
जानि धुनिवहूवेलिवटैकैसकोवाहिक
हाहिनहानि पयप्यावनहूननामेंस्वारीवा·
यिवलिसेहानि स्रपनषानासिकानिपा
नीसुरसदायहूवानि १५०८ रामामलार वि
लगिहूममानैऊधोकाको नलफनरहेव
स्रहेवहेवकीनांहिनमानपिनाको काके
मानपिनाकोकाकोहूधापियोहरिजाको
नेटजसोटालाउलडायेनांहिभयोहरिना २
को १ कहियोजाइवनाइवेननीयहूसंटस
स्रवलाको स्वरजस्यामसीनहैजासोंऊटि

सू॰ सा ९९

617

लमीतऊवनाको १८०४ रागसोरठ ऊधो
प्रीतनईनितमीठी श्रापुनजाउमधुपुरीछा
एहमतनजोगवसीठी काटेऊपरलोनल
गावतलिषिलिषपटवनबीठी सूरदास
प्रभुसमेटयतिनजरीभरिभईघ्रंमीठी
१८०५ रागसारंग पतीपकाबहाबपूहतम
सनोसषीरकजोतीसायो पवनसधाव
नभवनकुसवनसवनरमालगुपालपर्द
गै श्रासप्रवधज्योंप्रेमप्रवयभईनितैक
ताहितलगाये कनकबेलिकामिनिब्रज
बालाजोगस्रमिनिदैवेकौंधायो १ भवम
दहवनसमसमारनहितकारनकानूम॰

पुष्टीत्याये जाटवसैंएकोव्रजनारीका
हउलटीजसविपरायै सिथिलस्यामसंघा·
ममैवेटेप्रतिष्ठयिकारजनायै स्त्रविमारी
ग्रीतसंबरेभलीवनरवानगतहंमायै ॥८॥
रागमलार कोऊमाईहै ग्वनतेंगायै
सखीसिमिटिस्यानिहोनमाविनटैहिनकर·
कान्हवराये जोमोहनविठ्ठलेयारजमैरते
दिवमडुषणायै सोउनकमललैनेनकरु·
नामयहरहैसांफवनायै १ जोकौंजोमी·
जननकरतहैसानसकरनवनायै सोई
उनधरमउटावमह्लावसवीविसुसांफवि·
हायै प्रवशुपालस्रातरप्रवलनकोंला

सूर
सा॰
६१८

618

एकश्रगहनहायौ भजनसूरसनिहोनस्य
वनस्वषनेतञ्जनिगमनगायौ ॥५१२॥ ऊधो॰
जोकोऊपानननफेरवनावै नऊनेहनेंदनवि
नमधुकरश्रीरनउरमैंश्रावै जोयननकीव
वाकाटकरलेकैंडेडभिमाजै मधुरउनेग॰
ममस्वारनिकमैंकानूकानूहीवाजै १ निक
मैंश्रानपरैंजिहिमारीड्रुमलागैलिहिदांउ
श्रवस्वनिसूरफूलफलसाषालेनउदैहरि
नाउ ॥५१३॥ रागनट ऊधोजाउजाउनमजा
नै जैसैंहरिकैसेनमसेवकवचनचतरउंठ
नै निरगुनजोककहांतमपायोकापैसीष
सिषानै मोउपदेसटेडऊवजाकोंजाकेग

रवसुलावे । वासिवसिवंदनउरपरलावै
कौनैंइहिब्रजआने ह्वंदावनकैसीवहृप्रव
लाजाकेह्वांचविकाने ।५१। गगमोरट ऊ
धोकहीसफेरनकहिहौ जोतमहमैजि-
वायौवाहोंञ्रनवोलेहूं रहिहौ हमरेप्रान-
ऊधानहोनहैंबुमरैंभावैंहोसी याजीवन-
तैमरनभलोहैलैहोंकरवनकोसी । कैह
रिवैरकियौहेंसुनोलिषिलिषिजोगपठायौ
दीनीजातिभस्मकरउरीवहुरिमसानजगा
यौ कैहरिहमकौंञानमिलावहुकैलैजै-
होसाथे गोपीप्रानतजनसूनजउरहोसा-
तमरहेमाथे ।५२। गोपीकावचनऔरप्रति

सूर सा ६१९ रागसारंग इहिंसुंनरभौंराइकआयौ निज
सभाइप्रभुसारनिकटहैसुंदरसहूसनायौ
पूछनलागीनाहिंगोपिकाऊधवजानोहम·
619 रायौ कैधौंसूरस्यामसुंदरकोहमैंसंदेसो
लायौ १८१८ बिलावल कहोकहांतेआये
हो लषियतहैंप्रभुमानकियैनमजादवना
थपठायेहो वैसेईवसनवरननतनसुंदरवेई
भूषनसजिल्यायहो सरवसलैसंगआपसि
धारेअवकापरफिरिआएहो १ सुनोमधुप
एकैमनहोतोसुतौनहांलैआयेहो अवय·
हकौनसयानकियोजोनाकारनउटियाए
हो मधुवनकीमाननीमनोहरतंहीजाहु

जहांभागहो सूरजहांलौंस्यामसगानहैंजानि
भलेंकरिपायहो ॥४७ रागसारंग पदहैं॰
कारनकीरीत मनदैसरवसहरनपरायोक
रनकपटकीपीन जौंषटपदसंग्रजनकेटल
मैंवसतनिसारतिसानि दिनकरउदैसुन।
नउडिवैटनफिरनकरतिपद्दवानि १ भव
नभवंगपिटारीपाल्योजैसेंजननीतात ऊ
लकरहूनमिटैनहिकवहूंसहजादिउसिभ
जिजात कोकिलकागऊंवंगस्यामस्वनहू
मैंनदेषेभावैं सूरससैचअन्तहारस्यामकीफि
रिफिरिसरनकावैं ॥४८ ऊधोवचन गा॰
गनट जवलौंहियदैमाननस्रावै तवलग॰

सूर
सा
६२०

सवपानीकीतुपरीविनवेकनहिपावै विर्न
विचारसवैसुपनोसोमैंदेष्योजगजोई नाना
62° दारमध्यजोंपावकप्रगटमथैतेंहोई १ तुम
हीकहतसकलघटव्यापकग्रौरसवनितेंने
रे नयसिषलैंतनजरतनिसादिननिकसि
करतकिनसैरैं सांचीवातिसवैवोलतहो।
सुषमैंमैलैनलसी सूरसग्रौघटहमैवना
वतनपजरऊपरगुरसी १४१४ गोपिकाव०
वन रागसोरठ ऊधोमोमनग्रधिककठोर
निगमनगयोऊंभकावेलौंविछुरतनंद।
किसोर हमतेंभलीजलचरीवपुरीग्रपनी
प्रीतनिवाहैं जलतैंविछुरितरततनत्यागैं

धुनिजलहीकोंचाहैं १ हमजोप्रीतरीतन
हींजानीतौब्रजनाथनजी हमरेप्रेमनेम·
कीकथोमवासरीतलजी अवराजपकस·
नोहौमधुकरजलविनमीनजिये सूरदा·
सप्रभुआवनकहिगयेमनविस्वासकिये
१८२· रागसोरठ लरकाईकोप्रेमकहौअलि
कैसेंछूटत कहाकहौंब्रजनाथचरितअंतर
गतिलूटत वहचितवनवहचालमनोहर·
वहमसकानमंदधुनिगावन वहनटभेष
नंदनंदनकोवहविनोदवहवनतेंआवन १
चरनकमलकीसौंहकरतहौंयहसंदेसमो
हिविषलागत सूरदासप्रभुहिपलकनविस

सूर
सा
६२१

621

रतमोहनमूरतसोवतजागत ।६२१। धनासि
री ग्रपतमनेकीबातकहोंजोकहोनकाहू
ग्रागैं कैहमजानैकैहरितमहूं३ततैोपावैं
मागैं एकदिनावैसीवटक्रीडतकेंटकगडि
गयौपाइ कंटकहीसौंकंटककाढ्यौग्रपने
सहजसुभाइ १ एकदिनाविहरतनंदनंद
नमोहिजनाईभूष पाकेफलद्रुनिदियेम
नोहरवाढिकरपाकेरूष पेसीहमरीउन॰
कीकेतीजोलौंगोकुलवास सूरस्यामग्रव
निठुरभयेहोमधुवनकियौनिवास ।६२२
धनासिरी ग्रषियांहरिदर्सनकीभूषी कै॰
सेंरहैंरूपविनदेषेंसुनियेवातेंरूषी छिन॰

छिनपलपल३कटकजोवतनक्रहोनहैंफ
घी ग्रवणजोगसंदेसोसुनिसुनिग्रतिग्रक
लानीहूघी १ वारिकवदुमनघग्रानिदिषा॰
वौजोपयपियतपतूघी सुरजोगजिननाउ
चलावडुकविसरतामवसूघी १८२३ राग
केदारा नैननिनिपटकठनईदानी जादि
नतैंविछुरेनंदनंदनादिनतैंनाहिनेक्रमिरा
नी पलकनलावतरहतध्यानधरवारंवार
छुगावनपानी लालग्रपालमिलेक्रधौमैं॰
कर्महीनकछुवैनहिजानी १ सषाकिस
सुफलउदारस्यामकीग्रतिसंदरवरसारंग
पानी सूरदासप्रभमोहिरहेग्रतिहीसुरत॰

सूर
सा०
६२२

622

मनमाहिंसमानी १८२४ रागसारंग वैयातें
जमुनातीरकी कबहूंस्नानकरतहैंऊधौ
हरनहमारेचीरकी लैसबबसनमहाद्रुम
मऊपरचढ़नलटकबलबीरकी देहुदेहु
सखीपुकारतअधिकजड़ाईनीरकी १ दो
ऊहाथजोरकरमांगौदेहीनंदअहीरकी सू
रदासप्रभुअंतरजामीजानबिथापरपीरकी
१८२५ रागगौरी ऊधौकैसेंजीवैंकमलनैंन
बिन नवनीपलकलगतदुषपावतअवज
बरषभरिजातएकछिन ज्यौंऊजरषेरकी
पुनरीकोपूजैकोमाने ज्यौंहमबिनगुपाल
भईऊधौकादिनपीरकोजाने १ तुमतैंहोइ

करोसोईऊधोहमअबलाबलहीन सुरव
दुनदैषेंहमजीवैंज्यौंजलपायेंमीन १८२९
रागमाडू हरिबिनइहिबिधिकरिब्रजरहि
यत परपीराजाननऊधोनातैंतुमसोंकहि
यत चंदनचंदकिरनपावकसमपलपल·
हीननदहियत रजनीजातगनतहीतारेज
नननकरिनिरवहियत १ बासरढूंढ्यौबिर
हसिंधुकोकौंहूपारनलहियत फिरफिर
पारब्रबधिब्रबलोकतबूडतज्यौंतननगहि·
यत एकबारमिलवेकीआसाऔरकछुन·
हिंचहियत मनसाबाचासमसरअभुबातज
तुमसोंकहियत १८३० रागगूजरी कान्हेलो

सूर
सा
८२३

623

गयेहैंमनमैंपीरसुनोमधुपग्रपनेंइननैंननि
बिनदेषेंबलबीर ज्यौंग्रंगनसुहाइरैंनदि
नभूलेभोजनबीर ज्यौंछनिदेहचेंदचेंटनस
घग्रौरोमलयसमीर १ छिनछिनबढैसरन
ग्रावतजबचितवतजमुनातीर सूरदासग
तिरहैहियैंमैंसुंदरस्यामसरीर १८२८ रागगू
जरी त्रमजदयालदयानिधिकहियतजान
तहोपरपीर बिछुरेग्राननाथब्रजजैहैंकिन
हूंमाकिनजदुवीर मनग्रापजसग्रालीसर·
ग्रपनेंकरदिनमदनकीपीर सूरदासप्रभुमि
लनकहतहैंरवतनियाकेनीर १८२९ धना·
सिरी ऊधौपवातेकौंचाली कह्यौमीटीक·

लुघाटीहरिकीनेउरसेंतरमाली हरिबनस्या
मसीचीपवेलीहूलकमलकीपाली स्रवते
वेलीसींवनलागीकाडिगयेवनमाली १ न
ववहकूपाइतीहेंदावनमेंगलियेंनेंदलाल।
हि मरजग्रभुविलुरतनमपहमजीवनहेंक
लकालहि ॥८३॥ धनासिरी जोपैकुमरहमे।
जियभावत तोमनमधुपजसोदानंदनस्रव।
हीगोकुलस्रावत जिहिनैंननिमोहनिमष।
निरषतनिमटिनहूपविचारें तेईनेंनरहत।
म्रनेंगृहपीननहियोविदारें १ जिहितनस्रा
मनसैंनसंगमघहरिसमीपमवमानी सो
तनविरहनलुटतममरगनेनेकहूंविघा

सूर नजानी जिहिस्रवननिसुनवचनमनोहर
सा मुरलीकलमुषवाजत सोईस्रवननिस्रव
९२४ हनिधतमधुवनटेनसंदेसनलाजत २ स्र
624
तिषचेडभयोमदनमहाभटजाहिसवैजग
जानै सोईवचनदीनमुरल्यागैंकोपथत्रुष.
नहितानै विनविलासविनवाससकलसु
षदेषिदेषिसुवपावत सुरदासवहुरोंविधो
गगतिकुकविनिलजेहूगावत ।४३। राग
गौरी हरिविनकौंनसोंदुषकहियै मनसि
जमनहिमथतदिनहीदिनअकरुउरअंतरद
हियै काननभवनरैंनअरुवासरकवहूंना
सुषलहियै हैकैमूकजनककेपसलोंकोल

गियहूडषसहियै १ कबहूकैषैसीजियउ
पजतंजमनाजलमैवहियै सूरदासप्रभुक
मलनैनविनुकैसैंब्रजमैंरहियै १८३१ राग
जैतसिरी लैवलिऊधोआपनेदेस मदनगु
पालतीरमनउमहौकौनवसैइहांजदिपहु
देस वहूसूरतमोहिरटेवमनहैसूरलीश्रय
रमनोहरवेस कुंडललोलतिलकसृगमदक
चिगावतश्रावततनटवरभेस १ हमवातक
घनश्रलिकहमितननरकटकरहतिसदाज
मदेस सूरदासप्रभुकेसमिरनहैश्रवयहरि
सवमिलैंनरेस १८३३ रागसोरठ ऊधोहरि
यहकहाविचारी सदासमीपरहतहेंदावन

सूर
सा
८२५
625

करतविहारविहारी इकतोरंगरंगेकुविजा
केविरगईव्रजनारी कछुइकमेंउकियोउन
दासीतिहिविनोदअधिकारी १ दिनदसग्रो
ररहौतमव्रजमेंदेषौदसाविचारी शानरहत
हैंआसालागेकवआवैगिरिधारी तुमतौक
हतजोगहेनीकोकहौकौनविधिकीजे ह
मतनध्याननेदनेदनकोनिरषनिरषिमुष
जीजै २ सुंदरस्यामकंदवैंजनीमाथेमुकुट
विराजे कमलनैंनमकराकृतकुंडलदेषत
हीमनभाजै तातेंजोगनआवतमनमैंतुनी
केंकरराष सूरदासस्वामीकेआगेंनिगमभ
कारतसाष १५३५ रागधनाश्रिरी ऊधोत

मजोगमिषावनम्रायेश्रवकेमैंथीरजथरीं

जोरिजोरिवितजोरज्ञरानीनरीजोरनजान्यी

रे नवथींजोगकहांहीऊथोश्रवयहजोगह॰

छानीरे ऊथोहरिहमसोंयहकानीजैसेंमी॰

नश्रहपानी नरफितरफिउनमानदियेपर

पानीपीरनजानी २ निसवासरमेरीपलक

नलागतकोटजननकरिहारी जैसेंमवेरा।

मतजैकांत्रुरीसोगतिभईहमारी वेनीसम

गत्रहीकरश्रपनेचरननजावकदीनो कहा

कहींवास्यामसंदरसोंनिपटनिठुरमनकी॰

नो ३ एकसमैंश्रपनेकरहरिज्ञकरनफ़॰

लपहिराय श्रवकेमैंमाटीकेमद्यामधुकर

सूर सा ९२९ 62b

हाथपराये चोवाचंदनऔरअरगजाजासा।

षमैंहमराषी छवतनकौंहमभस्मचढावै

तममधुकरहौसाषी ४ हमजवमनहौम·

घुरानगरीहमजवमनयागाउ ऊधौहरिसौं

यौंजाकहियैप्रानतजैंकैढांउ पीनमप्यारे·

प्रानहमारेरहेअधरपरआइ सूरदासहरिजू

केआगेकौंनकहैउषजाइ ।८३५ धनासिरी

अंषियांहरिदरसनकीप्यासी देष्यौचाहत

कमलनैंनकौंनिसिदिनरहतउदासी आए

ऊधोफिरिगयेआंगनझारिगएगरफांसी के

सरतिलकमोतिउकीमालाबृंदावनकेवा·

सी १ काहूकेमनकीकोजाननलोगनकेम

नहींसी सूरदासप्रभुतुमरेदरसकोंलैहौंक
रवनकोंसी ॥४३९ रागबिहागड़ा मधुकर
फिरकवहूंमिलहैंहरि कमलनैनकेमिले
वेकारनअपनोसोजननरहीवहनैकरि
जेजेपथिकजातमधुवनतनतिनसोंविथा
कहतपाइनिपरि काहेनप्रगटकरौजदुप॰
तिसोंउसमहूउषकोअवयगाईटरि ॥१॥ धीरन
धरतप्रेमव्याकुलमननलेतउसासमनीरलोच
नभरि सूरदासतनथाकितभयोहैप्रतिवि
योगमसाइरनसकनतरि ॥४३० रागसारंग
मेरोमनवैसीयेसरनकौरे मृदुमसकान॰
वंकअवलोकनहिरदैतेंनटरै जबअपा॰

सूर
सा
६२७
627

लगोधनसंगआवतमुरलीअधरधरै मधुकी
रेनुकारअंबरसोजनुमतिअंकभरैं संध्यास
समैंगोषकीगोलनवहुसुधकौंविसरै सूर
दासप्रभुदरसनकारननैंननिनीरधरै ॥८३ ८
रागमारू कमलनैंनअपनेगुननिमनह।
मारोवांध्यौ लागतनौजाम्यौनहिविषमवा
नसांध्यौ कठिनपीरवाध्योसरमारिगयौ।
माई लागतनौजाम्यौनहिअवमरौनजाई १
तेंत्रमंत्रजितनककरौंनऊरउषनाजाई हैको
ऊउपचारकरैकठिनदरदमाई कैसैंऊनंद
लालपाऊंवेगिमिलैंधाई सूरदासप्रभुफे
टतोस्यौनहिजाई ॥८४ ऊधोवचन विला

वल गोपीमनोहरीसंदेस कह्योपूरनब्रह्म
ध्यावनसकलमिथ्याभेस मैकहौंसोस·
त्समानोसगुनडारौनाषि पंचद्वैगुनसकल
देहीजगतद्वैसोभाषि १ ज्ञानविननरमक्ष
नांहीयहविषमसंसार रूपरेषननामज
लथलवरनग्रवरनसार मातपितकोना·
हिनारीजगतमिथ्यालो२ स्वडषसषनहीं
जाकैभजैनाकौंजो३ १५८० गोपिकावच·
नऊधोप्रति रागसोरठ ऊधोकोऊनांहीअ·
धिकारी लैनजाहुयहजोगप्रापनौतमक·
कतहोतउधारी यहतौवेदउपनिषदमतहै
महाप्रकृषव्रतधारी हमप्रवलाप्रहीरव्रज

सूर
सा
६२८

628

वासीनाहींपरतसेंभारी १ कोउहांसूनतनक-
हतहोकामोंकोंनकथाविस्तारी सूरस्याम-
केसंगगयोचितज्यौंश्रहकोंचरीउगरी ॥४४॥ रा
गसारंग मधुकरपसनविगारयारे समतना
हितानगीनाकोमृतुमसकानग्रेरे वैपदन
लिननाहिनैविसरतसीतलउरसंचरे १ को-
मलनैनश्रनुरागभागभरिश्रमीरसगालिन-
गारे १ तांकीमोंहपकरिहगगाढेनोनेबगारि
घरे सूयेहोतनस्वानपूंछज्योंपचिपचिवैरम
रे जोगगंभीरकूपश्राधेज्योंदेषतहूरिउरे सू
रकहतहमश्रेमसेंईरादिहैंस्यामवियोगभरे ॥४
५२ धनाश्रिरी कहानकीजेरीश्रपनेकाजें ।

दिनदसयसेऊँकरिदेषौजोहरिमिलैंजोगहूं
साजै माथैजटापहिरगलकंथात्यावहूभ·
समंगमाजैं सीगीदंडमेषलासेलीलोचन·
मेंहरिहेरौवनआजैं १ सन्नषहैसरसहोस·
यानीनाहीआजउवारियतभाजैं विरहजो
गकेतेजपरमडषमारियतहेडसहडराजैं
ऊधोकहीहसांचीमानोहथावटतिसजनी
वेकाजैं ज्यौजमनाजलमांहिसूरअभिल
ऐवमनक्षाडीझलललाजैं १६४३ धनासिरी
कहालैकीजैवझतवराई अतिअगाधयक·
तिवचनअगोचरमनसातहांनजाइ रूप·
नरेषवरनवपुनाहीसषानसंगसहाई ना

सूर
सा
६२९
629

रगुनसौंनेहनिरंतरकैसैंनिबहैरीमाई । ज
लबिनतरंगबिछुरबिनमीनहि अबबेतेंबनता
ई अबयाब्रजमैंनईरीतइनऊधोआनिचला
ई मनहरिलियोमाधुरीमूरतिरोमरोमउर
आई स्यामसुभगतनसुंदरलोचनसूरति
रषबलिजाई ।८८४ रागमलार गोपालहि
पाऊंनौजाऊंउहिदेस सींगीकरषप्परले
धरिजोगिनिकौभेस कंथापहिरौंभसमल
गाऊंजटागुहाऊंकेस हरिमिलिबेकौअल
षजगाऊंजेसेंरंकमहेस । ननमनजारौं
देहऊराऊंबिरहाकेउपदेस सूरदासप्रभ
बिनुजगसूनोजैसैंमनिबिनसेस ।८८५

रागसारंग सीहीवातनिमैंकहालीजे जोह
रिमिलेंहमारेऊधोकारनकेंहेंसोकीजे लाइ
सुगंधवनाइअभूषनअरूकीनीअरधंग ते
मोहनकेसैंकरकहिहैमसवछावनअंग १
जिनकेसवअपनेकरकाननकरनफूल·
पहिराए तिनमोहनमाटीकेसदामधुक·
रहाथपठाए पकसमैवेनीहूंदावनरवि·
पचिसाजवनाई जौपैहौंहिंजरामाथेपर·
उलटौनामकन्हाई २ हमकहाकरैंहूरनं
दनंदननमनमधुपमधुपाती स्यानदोह
स्यामकेसषकोजाइनजानैरोवाती १५४८
रागसारंग सैंनपठैयेयहजोगअपनोऊधो

सूर
सा
९३०
630

पाउपरौकहांरसरीनकहांननसोधनसुनि
सुनिलाजमरौं वेडनझाडिविभूतलगावन
इहिडषग्रधिकजरौं सगनरूपजुरहितउर
ग्रंतरनिरगुनकहाकरौं १ निसिदिनरसं
नारटतस्यामगुनकाकविजोगगरौं नासा
गहितमध्याननिषावनवेसरकहांधरौं सु
द्रास्यामश्रृंगारश्रृंगाभूषनपतिव्रततैंनटरौं सू
रदासप्रभुयहव्रतमेरैंहरिमिलनहिविछु
रौं १४८७ रागनट ऊधोहमनवहीजोगलि
यौ जादिनतैंमधुकरमनमोहनमधुवनग
वनकियौ कुतिनाटंकमेलिमुद्रावलिग्रं
वधग्रधारीधारैं दरसनभिक्षामागनझोल

नलोचनपत्रपसारैं १ बांधेबेत्रकंटसीगीपिध
सिमरसिमरगुनगावत पहिरिभुरातनचीर
मेषलाफिरिफिरिफेरिसहरावत रहतनचि·
नउदासफिरितहैंवत्रवीथत्रुदिनरात च्चरी·
कश्चावतिऊटंबजातरासोऊश्रवनसहात २
भोगभुगतभूलैंनहिभावतविरहवियोगबैरा
ग गोरषसहूभुकारतस्रावतरसरसनाभ्रत्रुरा
ग देष्योकोभोगीइहिजगमैंजोगकहतजिहिं
श्राप जानीसिथिलमारेसाधकीतिनतमइहां
पराप ३ परमगुहरतिनाथहाथसिरदियो
मंत्रउपदेस चतरचटकीमथुरानाथसोंजाइ
करोआदेस जिहिंतमकोंनिजतनलषायो·

सूर
सा
६३१

631

सोहममैंनिजध्यान सूरविधावककवाटकरत
होफुटोतमपैगान १४४८ रागकेदारा ऊधो
करिहौहमजोग कहायतोबाटटान्योदेषि·
गोपीभोग सीससेलीकेसमुद्राकानमेरेवीर
विरहभसमचढासहजकेष्यावीर १ हृदैसीगी
टरमुरलीनैंनषप्परहाथ चाहतीहरिदरस·
भिक्षादेहुदीनानाथ जोगकीगतजुगतहम
पैसूरटेषौजोइ कहतहमकौंजोगकरनसुजे
गकैसोहोइ १४४९ रागसारंग मधुकरकह्यो
मंदेससिधारो विनउपदेससहजहीजोगीसु
धरिरह्योव्रजसारो जाकोध्यानधरतगोरीपति
जोगजगतकाविसारो सोहरिवसतमदाउर

अंतरनैकटरतनहिरालौ । यहउपदेसस्र

पनोऊधौराषौहांपिसवारो सूरस्यामजान·

तहैंजियकीजोनिजमतोहमारो १५५० रागके

दारा ऊधोजोगविसरजिनजाहु वांधोगांठहू

टिपरिहैकहूंफिरपाछैपछुताहु ऐसीवस्त·

अनूपमऊधोनाहींकोऊऔर व्रजवनिताके

नहीकामकीनमेरेहियहैठौर १ जोहितक

रपठयौमनमोहनसोहमनमकोटीनो सूर·

दासजैपौंविप्रनारिपरकरतेंवंदनकीनो १५५१

छंद रागभूपाली नमआयेऊधोजोगगाथलै

हांसीषोडषकोसहै टेंउमहाभस्मकंथामुद्रा

तबाघामसनदेहै ऊधोस्यामतेंकोऊनिठुरना

सू०
सा०
६३२

632

हैंसषाजिनकेरावरे कटैऊपरलौनलावैंके
नतिननतैंवावरे १ ऊधोस्यामकेउनकहाव·
षानोजलवंधेजिनघलकिये सेगघेलषिलें
रहमकोंसोचनोइतननेदिये ऊधौपकदिनवे
ऊेटवासीरासहेंदावनरच्यो सोईसह्रपविलो
कमाथवस्राइउहिव्रजतननसच्यो २ ऊधोसर·
दरजनीइंडसोभालाजतजिऊंजनवाई वोस
रीकोसह्रसानिसानिवयककीमिरगीभई ऊ
धोसांवरीसीमदनमूरतिहदैमोंहीरमिरही
श्रीरनोकछुवितनश्रावनकदिनव्रतहटक
सिरही ३ ऊधोहमसंदभागिनिकरमहीनी
दोसकाहिलगाइये प्रानपतिसोंनेहकीनो·

भाललिख्यौसुपाइये ऊधोहमनजान्योजन
मखैसौरैंनकोसुपनोभयो खंजरीजलवट
नजैसेतैसैंईयहतननगायो ४ ऊधोवेदखाौंभे
टकैसोछेटनोछानीकिये धानदियेहमजग
नजानतसुषसवैऊविजालिये ऊधोजोगज
पतपध्यानपूजायहतौहूदैनधावही सुधार
मजैंहिसबाटवाछ्योनिनैश्रौरनभावई ५ नेम
धरमव्रतज्ञाननतीरथयहहरिचरनजिनकेहियें
सूरप्रभुसोंविमुषजेहैंफलकहातिनकेजियें
१८५२ रागसारंग ऊवतौजोरकटककोपायो
बाजीनांतिरागपहिवाम्योजबनिरगुनलिष
लायो जोगीजहांहोइग्रगवानीनोंबरतहांव

सूर सा ६३३

633

जावै जैसीऊलजाकेचलिग्राईतैसीरीतिवला

वै १ ऊविजाजहांहोइपटरानीहमसेहोहिव

जीर सूरदासव्रजवासिरऊपरकौंनकरौउप

वीर १५५३ रागजैतसिरी कमलनैंनकान्हर

कौसूरतनैंननितैंनटरै ऊधौग्रायेजोगसिषा

वनकौंभ्रवसौंजेजालपरै जवमोहनगाइन·

लियैंग्रावतग्वालनिसंगधरै वलदाऊभ्रस

संगसषासवकहूकैसैविसरै १ वसीवटज

मनातटदाहेमरलीग्रधरधरै सषहिसमूह

विनोदजेकीनेकोउहिदरनिटरै ब्रजवासी·

जेभयेउदासीकोसंतापभरै सूरदासकेप्रभु

विनऊधौसोकोनापहरै १५५७ रागसारंग ऊ

धोतमयहमतलैश्राप उकहमजरीषिजाव·
नश्रायेमानोसिषेपदाये तमउनकेवेनाथ
तमारेशनपकरकमारी भिउकेभिउमजन
केसजननतालेकहृतगुकारी १ देमतिमूठ
जवतश्रवलनिकोंपरडुषतेनहिजानें निप
टगेवारहोउजोमूरषमोतेरीवालेमानें हम·
रुचिकरीसरकेप्रभुमोंहुजोमननमहारे उ
लटिजाहुश्रपनेप्रमहियोंवाटहीकरतलग
इ १८५५ रागसोरठ केतमसोंछुटेलरिऊथो·
केरहियेगहिमोन उकहमजरीजरेपरजार
नवोलिविशूवेकोंन पकहियेगामिलेरोक·
कारेकाकोमनपतियारे तमसोहोउमतम

म्हर मा ६३४ 634

सोंबोलैलैहैजोगहिआर १ जाकाहूकौंजोग·
वाहिंयैसोलैभसमलगावै निहिउरध्याननंदनं
दनकोतहैकौनिरगुनआवै कहौसंदेसम्हार
केप्रभुसोंयहनिरगुनग्रंथिपारी अपनौवोयौ
आपलुनौतमआपुनहीनिरवारौ १४५८ राग
धनासिरी आपचोषवडेओपारी षेपलाटकै
जोगज्ञानकौव्रजमैंआनउनारी फाटकदै·
हाटकमनिमांगतभूलैौनिपटगंवार सोटो·
घायौहैकैथौंकहूंलियैंफिरतनसिरभार १ इन
कैंकहूंकौनदुहकाव्रैआसोकौंनअनारी अ
पनोहूथिल्वाइकोपिवैषारिकूपकोवारी
फिरलैजाहुउहांकुविजापैतहांनफाकल्लुपा

वै महिमोंगीहूमटैंहिमूरजोस्यामहिश्रानि
दिषावै १८५७ रागसारंग हूमनोइहूंभांति
म्रषपायौ जोगोपालमिलैंतोनीकैंनातरज
राजमगायौ कहांहूमयागोकुलकेवासीव
रनहीनघटजांत कहांवैश्रीकमलाकेवल
भमिलिवैटनइकपांत १ निरामध्यानमृनि
मानश्रगोचरतेभयेवोषनिवासी इतनैंपर
भवकहोदेषियेंकोंनमकानिहैदासी जोग
कथाऊधोवालाकोंमनकहोवारंवार सूर
स्यानजिश्रानिभजैजोताकीजननीछार १८५ ८
रागगौरी ऐसीवातकहोजिनऊधो कमल
नैंनकीश्रानिकरतितहिश्रावतवचननस

सूर सा ६३५ धो वाननिंह्रीउठिजाइऔरन्यौन्यौंनाहींहम·

काची मनवचकर्मसोंपियपकतमननेंटने

टनरंगराची १ पालागौंसोईश्रवकौजैमिटै·

हृदयकोसूल मुरलीधरकौंग्रानमिलावड़

श्रोटैंपीतदकूल रहिंवाननननमभयेस्याम·

तनमिलवनहोगटखोल सुवचनसुनर·

लोथकौसोवड़रनग्रायोवोल १५५९ राग·

मारंग विलगजिनमानोऊधोप्यारे वहम·

थुराकाजरकीउवरीजेश्रावैंतेकारे तमका

रेसुफलकसुतकारेकारेमधुपसवारे स्या

मसुंदरकीकौनचलावैसवहीनैंनसिधारे १

मानोनीलमाटतैंकाढेजमुनाश्रानिपधारे

635

नातैंस्याममभयोजन्मनाजलसूरस्याममगुनमा
रे १६८ रागनट ऊधोतुममसवसाथीभोरे वि
लगनमानोकहीहमारीकोटऊललैजोरे
वैअक्रूरक्रूरकृतउनकेरीतेभरिभरिढोरे वै
वनस्याममस्याममधनिश्वेनरस्याममकाममैंवा
रे १ वैमोहननिरगुनगुनजिनकेदेषफट
कपिछोरे सूरदासकारेकोसंगतकोज्यावैं
अवगोरे १६९ रागसारंग ऊधोहमैकहास
मझावहु पसपंछीसरभीव्रजकेसवदेष
श्रवनसुनिश्रावहु तननचरनगोसतन
हिपीवतढूंढतवनवनडोलैं अलिकोकि
लरैआरिविहंगमभांतिभयानकवोलैं ज

सूर
सा
६३८

638

सुनाभईस्यामस्यामहिविछुरेंडुलीनछुईरोगी
नववरपत्रवसनननसंभारनविरहहुलभपजो
गी गोकुलकेसवलोगडुषितहैनीरविनाति
ममीन सूरदासप्रभुशाननलूटनअववयत्रा ।
समैंलीन ।८२ सारंग जोगकीगथसुनत
मेरेअंगआगवई सुलगिसुलगिहमजरनही
तमश्वानफूंकदई मोगकुविजाकुवरीसौं ।
कौनवुहिदई सिंहभषनजिवरनतिनकास
नीवातनई । ध्यानधरतनटारनसूरततिवि ।
यितापनई सूरप्रभुकीकुपाजापरसकल ।
सिद्धमई ।८३ सारंग रेअलिकहासिषाव
नआयौ पैतौनैंनहुपरमसमानेकतलौनसत

नपराधौ सोगजमातिहमकब्लनजानैंग्रौर
उमारौसान नवलकिसोरमनमोहनमूर॰
तितासौंमनउरफान १ भलीभईनमग्राघे॰
ऊधोटैघौटमाविचारी हारउपाउमिलाउसहर
प्रभुग्रारतहरौहमारी १९८६ रागसोरट ३१
सौहौंस्यामभवंगमकारे भलीभईऊधोतम
ग्रायेवेदटैजाइहमारे मेउनफरैनेउनहिला
गैचलेउनीगनहारे हेसिमसिकारैनेनभ।
रिटेष्योगयौमंत्रसिरडारे १ विरहविथानन॰
ग्रधिकटहनहैसोग्रवउमलिमारै ग्रानोवेगि
गारुउगोविंदकोंजोयाविषादिउनारे ग्रावत
लहवमटनविरहाकीजोहारिवेटडंकारे स

सूर सा ६३७ रदासगिरिधरजोआवैहमसिरगाररूडोरै १८ ८५
रागसारंग मधुकरयहकारनकीरीन मन
दैहरैंपरायौसरवसकरैंकपटकीप्रीत जैसैंम
धुकरपङ्खपवासलैरहतबङ्गतत्रवमाति दिन
करउदयग्रननतऊरवैठतफिरनकरनपहिचा
न १ भवनभुजंगपिटारीपाल्योजैसैंजननीता
त कुलकरतननजतनहिंकारीआनिकाटम
नजात कोकिलकागकुरंगस्यामघनहमैन
देषभावैं सूरदासप्रभुहारस्यामकीफिरफि
रसरनकरावैं १८९९ रागसारंग मधुकरआ
पनहोंहिविरानै बाहररहतहितकहावतअ
भीतरकाजसयाने ज्योंसुकपिंजरमांहिउचं

रतन्यौंन्यौकहृतनवषाने ह्लूटननहीउडिमि·
लैश्र छनझलशीननपलहृहराने १ जहृपिम
ननह्निनजनतमनोहृरनहृपिकपटीमाने म्हृर·
दामश्रभुकौंनकाजकौंमाषीमधुलपटाने १९ ६०
रागजैनसिरी मधपविराने लोगावटाऊ दि
नटमरहेश्रपने स्वारघफिरिमिलगयेनका·
ऊ प्रथमिहिहृमकोंटैपटईश्रायोजोगमिषा
ऊ हृमकौंजोगभोगऊविजाकौंइहिऊलय·
हैमृभाऊ १ कहाकरौंकैसैंहृरिटेषोंकीजेको
नउपाऊ म्हृरदामप्रभुकौंननग्ररष्योशानर १
हौंकिनजाऊ १८९८ सांग सवजलतम्पोने
नेहृकेनातैं चातकस्वातहूटनहिखाउतप्रग

सूर
सा
६३८
638

टपुकारतनातें सम्भुफनमीनउद्धककीवानी
तऊभानहृदिहारत सूनतऊरंगनादरसपूर·
नजटपिब्याधमरमारत १ निमिषचकोरप·
लकनहिलावतममिदेषतजगावीतें जोतप·
तेगटेषिवपुजारतभपनप्रेमछ्वटरीतें ग्रवग्र·
लिकतनिसरतवैवातैंकरीसंगहूजराज क
ह्रयोंसूरस्यामछ्वाडैंकतपकदैहकेकाज २ ६५
सारंग हमसवजाननहरिकीचातें हमजक
हतवैराजकरतननाहिंजानतहोंकछुकातें मा
ध्योकंससहारनसुषदीनोश्रुसुरजरेमिरपातें
उग्रसैनवैदारिसिंहासनलोगकहैंऊलनातें
१ तपतैंराजराजतैंभागौंलससमफलनहि·

वातें सूरश्याम इति भांति सयाने हम सौं मिल
वत मातें । १८७ । राग कान्हरा हम कौं नीकें
समझ परी कछु कहनी ब्रज हूं लौं आसा सो ।
झूठौ निवरी वैसे फल कसन ये सिष रूपो पटे
पक पर पाटी उनपै सी कीनी इन यै मीर न नरू
राब्राहा वन माटी । यह मैं पहिलें ही कहि रा
षी ब्रासि तन अपने हौं ही सूर काटि जौ माषो ।
टीजै व लैं आपनी गौंही । १८८ । सारंग मधुप क
हि जान तनां ही वात फूंकि फूंकि हियरा सुल
गावन उड़ि न इहां तें जात जिहिं षट वसन जसो
दा नंदन निरगुन कहा समात नम कत मट ।
कत फिरत ऊसस मलौं पान करत किन पात ।

सूर
सा
८३९

639

जद्यपि सकल वेली वन विहरत तब सतग्रा निज
लजात सूरदास प्रजमिलैं श्यान कैं मारी कौ ऊ
सरात ॥८२१॥ रागनट मधुकर वह कान्हि लागै
काहे दई हरि सिखिन बतपल कन लाग निवि
हिय नल केदाहै निसिदिन नैनन तपन दरस
नकौं कहियनहिं रहेमाहै उधतैं निकसकरत
किन सीतल जोपै कान्हरहौ है ॥ पालागौं
मैं रहत न देश्व वप श्याम जलयाहैं जिनउरौले
निगुनसिंधुमैं वहुरन पैहौं वाहैं जासौं उपजी
शीतरी [illegible] नितासौं वनैनिवाहैं सूरकहालैक
रैएपीहा भरेजसरसमरनाहैं ॥८२३॥ रागसोरठ ह
मैं भलो सपति सीता को जाके विरह जतन

पकीनेसिंधुकियोवीनाको लेकाजारिसक
लरिगुमारेटेष्यौभीमुछनाको हूनहायघइनलि
षिज्ञपरायौज्ञानगाहोगीनाको १ निनकोक
हापरेषोकीजैऊविजाकेमीनाको वटेमेज
मानोंमायविमरीजैंगपीनाचीनाको करीग्र
निक्षपाजोगलिषिपटयोटेषिडगाइनाकों म.
रज्ञटामश्रेमकहाजानैलोभीनवनीनाकों १८
२८ गगनट ऊथोजाकेमाछोभाग विलकन·
क्वाडिमकलगोपीजनवेमीवपलमहागा श्रा·
पजोगकीवेललगावनकाटिश्रेम[illegible]नागा ऊ
विजाकोंपरगानीकीनीहमैटेतवैगग १ लौं
ङीकीजगांडेंडीवाजीवछौमामघ्रगगग नि

सूर
सा
६८०

640

लजभयेदोऊषेलतहैंवारहिमासीफाग जोरी
भलीवनीहैउनकीराजहंससुतकाग सूरदा
सप्रभुऊवछाडिकैचतरचचोरतस्याग १८७५
रागनट ऊधोकोहारिहितूहमारे वैराजाहूर
हैमधुपुरीदासीकहतिदुलारे तोलौंश्यामसुजनी
जीवनकीसुनेनवचननिहारे कहिकेरूप॰
श्यानउरषंदनरजोगजुगतगहिदारे १ नृपश्रीम
मानजानस्याग्योव्रजतकिश्रहीरवेचारे मातैो
कंसकाजऊवजाकेसूरकह्याबनभारे १८७६
रागमलार जिनवालीतमवानपराई तोंको
ऊसुनननसमफतव्रजमैंकतगावतउहराई
पायौसमाचारसुषउपज्योमिलिऊलकीश्रार

तिविसराई भलेमेंगवसहोतभलीमतभली

दौरपहिचानकराई १ मीठीकथाकटुकला

गतहैउपज्योउरउपटेसषराई उलटीनउका

सूरकेप्रभुकीवहीजानमोंगतउनराइ १८७

मोंचा ऊधोस्रवकछुकहितनआवै सिरपर

सौतहमारेकुवजाचामकेदांमचलावै कित

किहरगोकुलनेमथुरालिषलिषजोगपठावै

ताहीकेरंगरवेसांवरेसकज्योंवेढपठावै १

कछुइकमेंउकीयेवंटनसैनातैसपामहिमा

वै नटनीज्योंकरलीयेलकुटीयाकपज्योंना

चनचावै नवजोकरस्रमसरकीदासीस्रवकु॰

लवधूकहावै सूरदासप्रभुयहैकठनताष्र

सू॰ सा॰ ६४। रुकाटेपरलोनलगावै १८७८ मलार स्याम॰
विनकौंजीवैव्रजवासी हृदस्थानरहैकौं
ऊधोविछुरेकुंजविलासी ऊवजापतिपायौ॰
मोहनसोमानोतपकीयोकासी सूरस्याम।
कोयहैपरेषोइकडुषहूजौहांसी १८७९ धना
सिरी हरिराऊरलोगनसोऊधोकहूकाहेकी
प्रीत सौकीजैनौहूहैजलधररविहीकीसी॰
रीत ज्यौजलमीनकमलचातकसोतैसोग
योविनीत नरफनजरनपुकारनहीकछुना
हीहैयहिनीत १ मनहटपस्यौकवंधज्ञय
स्यौंहारहूमाननजीत रुकतनप्रेमसमरदम
रप्रभुवापहीकीभीत १८८० मारंग मधुक

रजाहिकलैकरमेरै पीतवसनतनस्याम
लाजकरराघटपरटातेरै याब्रजकेउपदेस
नलाइकतंजरलैकाढेरै इतेमानपसषी·
महासटक्षाडतनाहीघेरै १ ऐसीवातनकहौ
नमनामैंहोइजकहिनेलाइक रहांजसोटा
ऊवरहमारेछिनछिनघतिसघटाइक ज्यौ
नेघुहपपरागाक्षाडकैकैरैग्रामवसवास तो
हमहरइहोकरटेषैनिमिषनक्षाडेपास १६
८। मलार काहेकौंगोपीनाथकहावत जो
मधुकरवैस्यामहमारेकाहेनगोकुलआव
त सपनेकीपहिचानमानजियहमैकलं
कलगावत जोवैक्रूरअक्रूरवगीगावैसोकैंगो।

सूर
सा
६४२

642

विरदतुलावत ज्यौंगजराजकाजकेऔरैदौरे
दसनदिषावत ऐसेहमकहिवेकौनवेकौंसु
नतनिवलावत १५८२ रागनट सषीरीसू-
नेताहमजानी याहीतेअतुनामकरतहैघट
घटसेअगवानी अवतोराजनीतसुनीयत
हैकुवजांसीपटरानी प्रथमैमाइखालसंग
रहितेभयेकाल्हकेदानी १ मनहरिलीयौ-
वजाइवांसुरीअवह्वैवेठेग्यानी मदामलमाव
तमनमोहनकाहेनसंकानी अरुधनिसाव-
जनारिसंगलैवनवसलीलाठानी सूरदा-
सपकलपनवनीयांकहेकौनअवमानी १६
८३ रागनट मधुवनकेलोगनकोपतियाइ

सघश्रौरैश्रुंतरगतिश्रौरैवलीयाकहिपटवता
ज्ञवनार ज्यौकोइलसतकागानिवावतभाव
भगतभोजनजघवार ऊहिकऊहिकघाये
वसेनरितश्रुंतमिलेश्रपवेऊलजार १ ज्यौम
धुकरश्रेंवज्ञरसवाष्योवङ्रनछूबेश्रार स्तर
दासजेगातस्पामसैहैतिनसोकीजैकरासगा
र १५८४ सारंगा सषीरीस्पामसवैइकसार मी
ठेवचनसहायेवोलतसुंतरजारनहार मोर
ऊरंगकागापिककोकिलकपटकीवटसार
मटनगुपालमधुपरीविरमेगावतमेंगलवा
र १ विरहिकटनलागयोउरश्रुंतरदेषोरिटेवि
चार श्रवकिहरोमटेऊसतनसजनीपायोलि

सूर
सा
६४३

643

छोलिलार कारीबदादेषबादरकीसोभाई॰
नयुपार सूरदासमलनासमभउमझीवातक
करनउकार १८८५ सारंग तिनैनपतीजैरी
जेकिरतनहिनहिमानै जेभोगारसवाषवा॰
हिकैतहांजसअहिनूननजानै कोउलकाग
पालकहाकीनौमिलेकुलहिजवमधेसिया
नै सोईवातभईनंदमहरकीमधुवनतेंमाथ
वजवधानै नवनौप्रेमविचारनकीनौहोन॰
कहाध्रवकेपछतानै सूरदासजोमनकेषो
टेजैसरपरेजाहिपहिचानै १८८९ विलावल
जिनकोऊवसपरोपराये सर्वसदीयोग्रापं॰
नोउनकौतऊनकहूस्यामकेभाये सहिज

समायरहितजोगीज्यौंमहाजटाविभूतलगा
यें राजकरैगृहिदाननमारैजोपैदेतवहुत
वरदाये नाजानैप्रवभलौंमानहैऊधोनावें
गायें सूरदासप्रभुदरसनकारनमानौंफि
रतचतुराघाये १८७ रागमारू जोपैयहैसी
नकीवात तौऊधोतुमनिकटरहतकतनि
पसंवरोगात वचनकहतभरलेतनैंनजल
सूरतकरतगुऊलात मोवटचढहीरारहित
निरंतरकततहिमधुपुरीजात सगुनप्रीतको
हमप्रतिपालनतेउपथैहोनसवगात तुमनि
गुनमोंप्रीतकरतकतसूरसमकपळतात
१८८ रागगूजरी कहाकोऊजानैरीपरपी

सूर
सा
६४४

र नंदनंदनकेविछुरेसषीरीजैतेजगतसरीर
कहिकहिकथासउपसमझावतकौवथ
गैमनधीर कैसैनैनमीनछविपावतविनद
रसनहरिनीर जोगसमाधकहाहमजानेब
जवासीजसुहीर सोईकरौजमिलैसुरजप
भुवहरनवंगननीर ६८४ रागधनासिरी
ऊधोजोगकहालेकीजत ओढीयतकियो॰
विछाईयतहैकियोघईयतकियोपीजत
वेयौंकसूषिलोनासंदरकैकलूभूषननी
कौ हरनेनंदनंदनजोवहीयतमोहनजी
वनजीकोतसजकहतहरिनिगुननिरंतर
निगमनेनहेरीत प्रगटरूपकीरासमनो॰

644

हरखाईकेसौपरलीन गाउचरनवनगायेंबोध
तेग्रवहीतैंफिरग्रावत सोईसहरमहाइहमा
देवेग्रहमालवजावत १६९० रागनट रूपो·
जोगनवहीहमजान्यो नादिननतेसफलक
सतकेसंगरथब्रजनाथपलान्यो नादिन·
तेहमखाउमोहधनसतपतिनेहभुलान्यो
नैनसुदसघरहीमौनहूतननपतेजसका·
न्यौ नजमायासंसारसवनसौंश्वजजवतिन
ब्रनटान्यो वेंदनंदनसुरलीसघधारेंवहे·
हृपउरधान्यो वहैजोगजोगीजनभूलेजो
नससघहिवधान्यो ब्रह्मरंधहैतजेशानति
हितिनहूंनहिपहिचान्यो कहितसनतस·

सू
सा
६४५

645

समझिकितपनमाहीयांतऊनहीमनमान्यौ सू
रबहैनिजरूपस्यामकोहैउरमाहिसमान्यौ
१८४१ रागमलार मधुकरस्यामहमारेचोर
मनहरिलीयौननकवितवनमैंनिरषैनेन।
कीकोर पकरेडहतेरिहेउरअंतरप्रेमप्रीतके
जोर गयेछुडाइतनरतनसबफंदनदैगयेहमन
अकोर चौंकपरीजागतनिसबीतीहूतनमि८
ल्यौउकभोर सूरदासप्रभुसर्वसलूट्यौनाग
रनवलकिसोर १८४२ सारंग अपनेस्वारथ
कोसबकोऊ चुपकररहोमधुपलंपटनम
बीदेषकहतसबकोऊ लीनेफिरतजोगजुव८
तिनकोबडेसियानेदोऊ औरोकछुसंदेस

कह्यौहैकहिनिवह्यौकिनमोऊ मिरगाघो॰
मानपरेषौमसजनीरिदैमोंफजिनजोफं नव
काहेकोरसहिषिलाईजोयहितानहूतोऊ
ब्रवहमरेजययहिषुटकनहैहोनीहोइसहो
ऊ सूरस्यामगोऊलकेनाइकचितविंताकि
नघोऊ ।५३ मलार जोपैकोऊविहरनके
इषजानै तौनजमगुनमाधुरीसूरतकतउ।
पटैसैजानै ऊमिटवकोरसदितविधुनिषं
तकहाकैरलैभानै चातकसदास्वानकोसे
वकउषतहोतविनपानै भौरऊरंगकाग
कोकिलकोकविजनकपटषानै सूरदास
ससर्वसजोरीजैकारैकिरतनमानै ।५४

सूर
सा
६७९
645

मलार मधुकरईहांनाहिमनमेरो गयोसुव
संगनंदनंदनकेबहुरनकीनौफेरो उननै
नैनिमृसकानमोललैकीनौअपनौचेरो जो
जांकेवसपरयौसतांकौविसरयौवासबसेरो
लीनैफिरतसूरब्रजबीथनकोऊनपूछतके
रो मंदोपरयौमिथारीअनतहियहिनिर्गुनम
तनैरी ॥४४५॥ सारंग ऊधोहरिकाहेकेअंत
रजामी जोनहिआइमिलतइहिठौसरअवध
वनावनलामी अपनीचौंपआनउडवैठतअ
लन्यौरसकेस्वामी तेकहाजानैपीरपराई॰
जेहैगरुडकेगामी आईउघरपीतकलईसी
जैसीषाटीआंमी सूरदासअनषतमरीयत॰

हैरूयोपीवतमामी १९॥२८ धनासिरी बरउ·
नरूवजाभलीकियो मनमनसमावारपऊ
योग्रथकजगतहीयो जिहिकोंगुनग्रहना·
महूपहरिहस्योसफिरनदीयो तिनग्रपनो·
मनहूरतनजान्योहमहमलोकजीयो चेरी
ननकचंदनचहाइकैश्रीपतिवसजकीयो स
रसकलनागरनाविनकोंदासीहाउलीयो १९
१२ मलार रूथोहमनहिजान्योसामहि से
वाकरनकरीउनश्रोरैंगईजातरूलनामहि
ननमनचोरयीनजोतोरतकोनभलाईना·
महि नेकहाजानेपीरपराईलवधकग्रपने
कामहि वानकसदावनंजोसेवकदुषितवि

सूर सा ६४७

647

नाजलपामहि सूरदासप्रभुअंतियहिकीनी
रच्यौकूवरीधामहि ॥४८॥ सारंग ऊधोहरि
यहिकहाकस्यौ राजकाजचितदीयौसांवरे
निजगोकुलविसस्यौ हमसीवहुतवरौविज
नाइककोटिकराजकुमारी कहापाइहैनंद
सुतजसुमनसीमहिनारी कनगिरधस्यौइंद्र
मदमेट्यौकतवैसषउपजाये अवकौनिठु
रभयेअवलनकौलिषजोगपठाये परमप्र
लिष
वीनसकलविधिसुंदरतानेकछसमुझाये
सूरहमारीकौनचलावैमातपितावीसराये
॥४९॥ रागनट ऊधोहमब्रजनाथविसारे ज
वतैंगवनकीयौमधुवनकौचितवतलोचन

हारे महाप्रलैनेंकाहेराषेइंद्रजासप्रभुदारे

लूटतनदीजासहिरदैतैतनवनमध्येप्रवमारे

प्रवथवदीहरितेसववीतीप्रवनाकहिजसि

धारे महादासप्रभुकवधौंमिलहैलैगयेप्रान

हमारे १५०० गगमारेंग ऊधोकहीयेकाहि

मनाइ हरिविछुरतहमसहेजितेदुषतिते

विरहिकेथाइ परमायवमाथिवनमैरहिते·

कतजमथाकेग्राये कवप्रभुगोपभेषव्रज

याहौकनपमषडपजाये कतगिरियसोइं

हमहमेसौकनवनरासवनाये प्रवकहा·

निठुरभयेविरहनकौंलिषलिषजोगपठा·

ये पर्मप्रवीनसकलजाननहारेतातेंयहिक

सू॰
सा
९४८
658

हिश्राये आपनीकौनबलावैसूरजमातपिता
विसराये १५१ रागमलार शीतउहदेमनको
ऊजानत नतोवातकहतअलश्रेमीविथान·
होपहिचानत जोगुपालब्रजमैंगृहगृहतेपू
यदहीलैषावत तेश्रवडेघहिदेतब्रजवासन
निठुरभयेश्ररजावत सूरक्रटलताजेसनी
यतहैलोगश्रानतगावत नघसिघलोवि
षरूपवसतहैमधुवननामकहावत १५२
रागमारू ऊधोजानीतानतमारी जानेक
हाराजगतिलील्हाश्रेतअहीरविचारी भली
भईहममवैश्रपानीऊवजासोमनमान्यो क
हीयैकहालाजकेमारेश्रावततनाहिषिमान्यो

जपोजाहिवाहिगाहिल्यावौसंदरसामपि

यारौ ब्याहोवीसयपरोदसदसजवजांश्रुतहै

कांन्हमारौ स्वनरीसषीकह्रूनहोकहीयै·

माथवश्रावनदीजै स्नरस्यामश्रवकैजोमि·

लहैहांसीकरकरजीजै ५५-२ रागमांरा

नमश्रुलिवांतेहीकहिजानत निर्गुनकथा

वनाइकहतहोविरहिकथानपहिचानत १

ऊलनकमलदेषश्रुलिधावतसमभऊलसं।

गलीये औरसमनसोसधुजावतहोफरत·

जानहीये चातकस्वादह्रदकोगाहकसदार

हितपकहूप कहाजानैदाउरजलकोव्रत

सागरश्रेसमकूप चातकहोसमभेसीनासें

सूर
सा
६४५
649

जाकेमनतमभावत सूरवचनजैसोउपदेस
ततैसोईतमपावत ५५ रागमारंग काहे·
कोरोकतमारगसूधो सुनमधुकरनिर्गुन।
कंटकमैंराजपंथजिनरूंधो कैतमसिषप·
ढयेहोऊवजांकतहिसामचनऊधो वेदपु
राणस्मृतिकिनटेंष्योंजुवतिनजोगाकिमूधो
तांकोंकहापरेषोकीजैजानैछाछनहूधो
सूरमूरअक्रूरलेगयोब्याजनिवेवतऊधो ५·
५ रागधनाश्री ऊधोलवनस्रौरनकोऊ·
प्रावै तौव्रजराजप्रेमकीवातेंकाकेहाथप·
ठावै प्रीतपुरातननिमरसोंवरैस्रवनसंदेसे
देने तेमूलकहितस्रौरकीऔरैस्रवनतनेतउ

रलीनै पऊसषाकयौनहिमाननकहेजो·
गकीटेक ऐसेसूरमधुपमधुवनमैकहा।
दोसहरिपक ५·८ रागमलार वतीयनसव
कोऊसमझावै ऐसोनहीकोऊहैसीनमलै·
हूजनाथमिलावै आयौहूतकपटकोवा·
सीनिर्गुनज्ञानवतावै सषाहमारेस्यामम
नोहरनैननिभरनदिषावै ज्ञानध्यानको·
भेदनजाननवतरनवतरकहावै सूरदा·
ससवरीकाहूकोअपनोहीहितभावै ५·९
रागमलार वाननकोपरतीतकरै कोश्रव
कमलनैनसूरतनजानिर्गुनध्यानधरै जो
मतवेदकहतजगावीतेहूपरेषविजानै सो

सुर
सा
९५०
650

मतसूटकहृतअवलनसोंनाहिसीदेसमा·
नै जिहिरसकाजदेवमुनिचिंततध्यानप·
लकनहिंआवत सोइरसस्रगाइग्वालनसे
गम्रलीलैकरगावत ५०८ रागधनासिरी
मधुकरहमअजानमतभोरी यहिमनजाइ
तहांउपदेसोनागरनवलकिसोरी कंचन·
कौसूतकौनैदेष्योकिनगाहिवांध्योडोरी
कहियोमधुपवातितेमाषनकौनैभरीक·
मोरी विनहीभीतचित्रकीनोकिननभहा
त्योफोरी कहोकौनपैकटतकनूकाजि·
नहटिभुसीपछोरी निर्गुनज्ञाननमारोक
योहमअवलामतथोरी वाहतसूरस्यामम

सबंदहिसुधीयोजानतकोरी ५०९ रागविहं
गडा लैचलिक्रयोजहांसंदरस्यामविहारी
तहांलैचलिहो रिदेकीपीनस्यामसुजानत॰
किनकहरहेगोकुलहो आपुनजाइमधुपु
रीछाएकुसांहेवहिहिलमिलहो सूरदास
स्वामीकेविछुरेचलहेनेननिनीरप्रवलहो
५१० रागविहागडा मैंनंदनंदनमोंकछुनक
ह्यौ मनिकुयोहरिश्रेसीकोनीजाइमधुपुरी
वसजरह्यौ चलनकह्योहोमोहनआवनमै
विसवासगह्यौ सूरवियोगनंदनंदनकोग्र
वनहिजानमह्यौ ५११ कयोवचन रागनट
गोपीमनोहरिसंदेस करसमाधश्रेतरगति

सूर सा ६५। वेतोयहिउनकौंउपदेस वेद्रविगतिपूर्नब्र
विनासीघटघटरहेसमाई तनवज्ञानविनस
कनहोईवेदपुरानननगाई सगुनरूपनिर्गु·
नकोध्यावोइकमनइकचितलाई इहिउपा
इकरविरहितैगोपीमिलौब्रह्मसोजाई सून
नसंदेसउसहिमाधवकेगोपीजनविलषानी
सूरविरहिकोकौनचलावैनैनश्रवतअतिपा
नी ५१२ गोपिकावचन रागसारंग नहीह
मनिर्गुनसोपहिचान सुनमनमारस्वरूपसिं
मैंरहीश्रुनपैमान जदपिग्यानउपदेसतुम
योपूर्नतत्वानवषान विनतुमरहीमदनमोह·
नकीचितवनमसमकान जसोमनेहूनं

दुनेंदुनमैंनतजिपरमितझलकान लूटतन·
हीमहिजमहराजप्रभुउघमहघलाभकिहान ५
१३ रागसारंग हमकोंहरिकीकथामनावहु
पत्रपतीसमकथाज्ञानकीअलमथराहीगा
वहु नागरनारभलेसमझैगीनेरेवचननिपा
वहु पालांगोंजैसेउनपठ्योउनहीजाइरिजा
वहु सुनप्रियमधास्यामसंदेरकेज्ञवतीजि·
घरिमहावहु हरिमुखश्रुतिश्रावरइहनैननि
वारिकथानटिघावहु जोकोझकोटकरैकै
सीविधिवलविथाविउमावहु सूरदासहि
तनीरमीनकेजलविननहीउपावहु ५१४
ऊधोववन रागनट जानिकवावरीमति·

सूर सा ८५२ होइ तबभजैवैसेंईहूंहोपारसपरसेलोह से·
रोवबनसतकरमानोक्षामसभसोमोह तवा।
लोसभपानीकोजुपरीजबलगाघ्रसतनहोह
रेरेमधुपवातनैसीग्रबकोकहिश्रावततोहि
सूरसबक्तीक्काडपरमसुषहमैवतावतषोह
५५५ गोपिकावचन रागसारंग हरिमुषदे
षेहीपरतीत जोतमकोटभांतपरमोधोजोग
ज्ञानकीरीत नाहीकछूमियानज्ञानमैयाहि
नीकैहमजानै कहोकहागाहीयेब्रजभवकैं
कैसेमनमैमानैं यहिमनपकपकवहिमू
रतभृंगीकीटसमानैं सूरसमटेऊधोपूछो·
इहविधिजोगसमाने ५५६ रागसारंग ऊधो

बातनिन्हारीकोसबैने न्हरिपदपंकजमगानम
धुकरकरमनबिन्नुबानकल्लुनबैने जोगज्ञ
गानविस्तारबडौहैश्रमीहोरनन्हीश्रपने ब्रज
बासनमिउश्रपनेहूँकरकुस्मणेतसंकोचव·
ने तन्हांजाइजन्हांवैदेजोगीईन्हाकामरमर·
न्होधुने न्हमश्रहीरकुसमदमातेमूर्षसोकौं
मेत्रवैने जोतमजाननतनपकारिपायोमोनर
होतमकरश्रपनै घरघरफिरतगुकारतन्सो
न्सोनाहीवस्नकौमोलन्हनै २ भूषनप्यासनी
ट्याईममनाश्रंधिककन्हांलोंगवैने सोन्हरि·
श्रानपानतेंवल्लभमोन्हनकीलीलाश्रगानै १५
१३ रागमावंगा ऊधोन्हरिगुनन्हमबकओरी

सूर
सा
६५३

653

गुनसोंज्योंजानैंमोंफेरैयहैवातसोफेरी पैंडि
पैडचलियैतौचलियैउवटरपटईपाई चकडो
रीकीशीतियहैफिरिगुनंहीसोंलपटाई १ हू
रमहूजगुनगांठहमारेदईस्यामसुंदरमोहि हू
रिकेहाथपरेतेंछूटनस्रीरजतनकछुनाहि
१५१८ रागसारंग ऊधोइननैननिनेमलियौ
नेंदनंदनसोंपतिव्रतलीनोदरसननाहिवि
यौ चेंदवकोरस्वातसोंवातकजैसैवंध्योहि
यौ प्रेमैंहीरनग्रांषिनउकटहरिसोंप्रेमकि
यौ १ जदपिजानिलैप्रापजोगाहमधुवन·
हविनजियौ हरिमषकमलक्रमीरसमहूर·
जवाहनतनाहिपियौ १५१९ सारंग हरिमष

निरषनिमेषविसारे ताहिनतैंप्रभपरिहरेव

रहनतैंनननिकेतारे नजीसीषसवसासत·

हरकीलाजजीवतैंजारे ह्वैघटघटखाउरेव·

नवीध्यनुश्रेंगश्रेंगरहतउचारे १ सहजसमा

धहूपहविकारनटकनैंटरननटारे तिन·

कौंवीचविघनकरिवेकोंमातपितापचहारे

कहनसुननसमफलमनमहियोंऊधोवचं

नतमारे हरटापहूटकनमाननलोचनह

टीहमारे १५२० सारंग श्रीरसकलश्रंगनि·

तैंऊधोश्रंषियांश्रनहिंउघारी श्रनहिपिरान

मिरातिनहीरविश्रुश्रनेकजतनकरिहारी

सगजीवनपलकोनहिलागतविरहविक

सूर
सा
६५४
654

लभईभारी भरिगईविरहवपारदरसविनुनि
सदिनरहतउघारी । मनिग्रलिस्रवणतान
मलाकैंकैसींसहिसकतनिहारी सूरस्यंज
नस्यांजदरसरसग्रारतहरोहमारी ॥२॥ सारं
ग विनुगुपालवैरनभईकुंजे तववेताल·
लगतिश्रतिसीतलश्रवभईविषमज्वालकी
पुंजे वहृतविथाजमनाषगवोलतविथा·
कमलफूलश्रलिगुंजै पवनपानघनसा·
रसजीवनदधिसुतकिरनभांनभईभुंजे ।
ऊधौयहकहियोमाधवसौंमदनमारविर·
हनकरीलुंजे सूरदासप्रभुकौलौंजोहत
दगपकटकनिरषतभएपुंजै ॥२॥ घना

सिरी कृष्णकोंनखेंपनैन सुमिरिसुमिरि
गुनग्रंथिकनतपतहैंसुमिरतमारेनैन पञ्ज
मनोहरवदनइंदुकेसादरकमदचकोर
परमसुखारितजलदस्यामकेज्योंकरिवा।
नकमोर १ मधुपमरालसुपदपंकजकी
गतिविलासजलमीन चक्रवाकज्योंदिनक
रकेसुखमृगमुरलीआधीन सकललोगभू
नेलागतहैंविनदेखेंवदहूप सुरस्यामछवि
कोंविसरतहैनखसिखअंगसरूप १५१३ रा
गकेदारा कृष्णोंधिषियोंग्रतिसुनुरागी इक
टकसगजोवतस्रफरोवतभूलहूपलकन।
लागी विनपावसपावसकरआखीदेषतहैं

सूर विद्मान अवधौंकहाकियौचाहतनहींछाडे·
सा बिनरसजान । तुमहौसषास्यामसुंदरके
८५५ जानतसकलसुभाइ जैसैंमिलैसूरकेस्वामी
655
सोइकरौउपाइ ॥८२४ बिहागडा मधुकरहमनो
लोचनबान रोकिराषेअंगअंगननकुंडिडिउ·
डिजात ज्यौंकपोतवियोगव्याकुलजातहैंत
जिधाम जातयौंहगाफिरनआवतबिनादर·
सनस्याम । मूंदिनैंनकपाटपलहैंकियेहूं·
घटओट स्यातस्वतज्यौंजातकितहूंनिकसम
नतगाफोट अवनसुनिजसरहतहरकोम·
नरहतहरिध्यान रहतरसनानामरटिरटि
कंटकरज्ञानबान कछुकदेहुविभागइनकों

सौंसवैण्लेन स्नरस्यामविनाविलोकैनेन॰
वैननदेन ॥२५ धनासिरी श्रंषियांस्रवला
गीपल्लिनान नवमोहनउठिचलेमधुपुरी॥
जवकौंटीनेजान पथंनचलेमंदेसनस्रावे
थीरजथरैंनस्रान जातिनकेविछुरेनेंदनेंदन
संगप्रेगलागेवान ॥ ऊधोस्रवहमजारसं॰
नावङस्रावैंमारेगपान स्नरदासचानकम॰
ईगोपीप्रेंतरगतिकीजान ॥२६ रागमलार
ऊधौंकौंविसरतनवहनेह हमरेहृदयस्रान॰
नेंदनेंदनरथविरचिकीनेगेह धकाटिवसगाऊ
गाऊहावनतहांसवरस्योमेह लईउदाउ॥
कामरीमोहननिजकरमान्योनेह ॥ स्रवह

सूर
सा
६५८

65b

मकौंलिषलिषपठवतहैजोगगुगततनमलेहु
सूरदासविरहनिकौंजीवैवड़ोसंतापपहु ।५२
रागबिलावल केकननतेंभुजनाडभई मधुबन
चलनस्यामहूकह्योआवनसुवधजानिकटदई
पतियोलिषतविरहसुतिव्याकुलममकागर
भयोनीरमई हरिसौंवचनकहोतमकह्योहरि
कौसुरतननितनिलजनई । सुजतिगोरमना॰
वतसेंकरनिमवामटमहिगननतगई सूरदास
प्रभुतमरेमिलनकौंमानोवंसीमीनहई ।५२८
रागमलार सवव्रजनाथनेंटकुमार यहैजा
नसुजानसववाकरीगोकुलसार नैनजल॰
दनिमेषदामिनिसुंसूवरषतधार दूरसवि

समिटुस्यौधीरजस्यामसपवनसुकार १ उरज
गिरिमैंभरनभारीसुमरकामसुपार गरज·
विकलवियोगवानीरहतसुवयसुधार म·
धुपहरिसौंजाइमथुरावातकहौविचार सव
निसतुमधामहेस्यौसुरलेहुसंभार १५२४
धनासिरी हमकौंतमविनसवैसेतावत
कहियौमधुपवनरमाधवसौंतमहोसवाक
हावत जाकौंतननहरिहस्यौदीनसुनिकुल
सरनागतहीनी सोईमारतकरवारमारक·
रहमकौंकानिनकीनी १ काहिसिंधुतैंसि
वसिरसौंप्योगुनहमारकीनाई सोससिप
गटपथानकामकोवढ्ढंरिसदैतउस्हार सु

सूर
सा
६५७

657

मरनाथअपनायलह्योंकरिपीठदोकसकर।
यौ सोअवइंद्रकोपजलधरलैव्रजमंडलपर
षायौ २ पल्लवसिरधारिसिषिनिकोंइहि
विधिदईवड़ाल तिनअववोलछोलितनउ
सौउपलषेलकोनाई मृगमदमलयमे।
लिजलकर्दमचोउरवासवसायौ सोइमाह
नरितवसंतकोंमंगलिवायेल्यायौ २ वल्ह
वोरमनिसल्लवितपुडवतिनहूंकोपजनायौ
पसौजवैरललाटरेषसषमेटडुकारवना
यौ कौंनकौंनसौंविनतीकीजैकहीजितक
कहिआई सूरस्यामअपनेयावजकीइहि।
विधिकानवटाई ।५३० सोरठ ऊधोनंद॰

कोगोपालमोसोंगयोविनज्योंनोर मीनजल
कोप्रीतकीनीनाहिनिवहीप्रोर प्रवकेजो॰
हमहूरसपावैदेहिलाषकरोर हीराहाथन
परनमूरजरहीसमदफकोर ।५३। रागके
दारा ऊधोमधुराहीलैजाऊ आरतहरोप्रव
नलोचनकीमेटोउरकोदाऊ त्रुथिवलवच
नजहाजवाऊगहिविरहसिंधुप्रवगाऊ ली
रलगावऊमधुवनकेतटवंदनजेज्योगाऊ
देषैंजाइरूपऊविजाकोसहिनसकतयह॰
दाऊ जीवनजनमसफलकरिलेषेसूरज
मनहिउछाऊ ।५३२ रागसोरठ ऊधोहमर्ल
इकासिषदीजे यहतोजोगम्रगनतेंतातोक

सूर
सा
६५८
658

हौकौंनविधिकीजै तुमहीकहोइहांइननन
मैंसीषनहारीकोहै जोगीजतीरहतमायासौं
तिनकौंयहमतसोहै १ कहतसुनतविपरी।
तलोकमैंसबकोऊयहकहिहै देषौधौंश्रप
नेमनसबगुनतनमहूंकौंडुषहैहै चेटनश्रग
रसुगंधजेलेपतकोविभूततनमाजै सूरदा
ससोभाकौंपावैश्रोषिश्रंथरीश्राजै १५३२
रागसारंग ऊधौजोगसिषावनश्राये सींगी
भस्मश्रधारीमुद्रादैव्रजनाथपठाये नवकि
नजोगकह्यौगोपिन्हसौंजबहरिरासरमाये
तबकौंज्ञानउपदेस्यौनाहीजबवैश्रधररसप्या
ये १ मुरलीसहूंसुनतसबगोपीसुनतपतिश्र

हविमराये म्हरदामतज्ञिसंगम्यामकोमन
हिरहतपल्लिनाप ॥५३॥ मारंग ऋयोहम॰
ज्ञाननहरकीचनराई वारवारयहकहिय॰
ध्याननमपावनकौंनवडाई जोनमकहतय
गायग्रगोचरहरिरमतज्योनजाई वाहरभी
नरम्यामवरननैम्हनियतहूरभलाई । कैन
मकहतउकनम्रपसोंकैनमकहतकहाई
म्हरदामहमविरहजरतहैविनपावकदौला
ई ॥५४॥ मोरठ ऋयोध्योरैकान्हभप जवतें
यहब्रजक्लाडिमयुगीकविनाथामगाप कै
वहपीतरीतगोकुलवसिउषमषमवनिरर्व
हत ग्रवयहगिरतविघोगदेहउमसनत।

सूर
८५९
659

कामदौंदाहत १ जहांस्यामघनतहांसगुनसों
वसौंनिरगुनकपटसुनावत सूरसमिरिन
जनाथआकतनपरेषोआवत १।३८ राग
सारंग ऊधोहोआगेतेंन्यारे तुमदेषतनननय
धिकजरतहैअरुमैंननिकेतारे अपनोजोग
सिमिटिकिनराषोइहांदेनकतआरे सोको
जोअपनेमुषकहिहैअपनैंफलकोंचारे १
हमरैगिरिधरकोसुनामबलयेसोकोनउचा
रे सूरदासहमसबपकैहैंवैसबषोटेषारे १।५
३९ रागसारंग ऊधोतेकहाचतुरकहावत
जैनहिजानतनपीरपराईहैसरवसजनावत
जैसेमीननीरकेबिछुरैंकोकारजनतजिवा

वावत प्यासेप्रानजातविनजलनिहिंमथा

समद्रवनावत १ हमविरहनीस्यामसंदर

कीतमनिरगुनद्रिग्रहावत जोगभोगरस·

रोगमोगमषजातेंज़गतम्नावत पहगम

धुपमनमवपरहरवदनकमलरसभाव

त सोवतजागतम्पनरैंनादनवहमूरतम

नध्यावत २ कपटसंदेसनेंदनेंदनकेकहि

कहिहृचिउपजावत क्रूरकुटिलकपटीवि

नघ्रेंतरम्नरदासकाविगावत ५४३८ रागसारं

ग कहियेनासेंजोहोइविवेकी पनोग्रलिउ

नहीकेमंगीग्रपनीवानकेटेकी ग्रेसीकोढा

लीवेटीहैतोसोंमंउकरावे फटीवाननष

सूर
सा
६६०
660

फटकेतैंकनतोहाथनग्रावै । ग्रैसीबातक
हौतमऊनसौंजानहिजानैहूफै सूरजदास
नंदनंदनबिनदेषैग्रौरनसूफै ।५३४ रागा
माहू ऊधौजौतमहमैंवनायौ सोहमनिप
टषटपटीकरिकरियामनकौंसमफायौ जो
गजानतनाजेतीलिषिकहितिनहूंमोंलिवला
यौ भटकिफिस्योवोहतकेषगलौंफिरिहू
रिहीपैग्रायौ । हमकौंसवग्रनहितलागत
हैंतमसवहितहिवनायौ सरसलताजल
हौंमकियैंतेकहाग्रगनमवपायौ ग्रवकैतो
सोंईउपदेसोजिहिजियजाइजिवायौ करि
कमिलैसरकेप्रभकोंकरोग्रपनोभायौ ।५ ७०

ऊधोवचन रागसारंग यहसंदेसकह्यौहैसा
धौ करिविचारजियसाधनसाधौ इड़ापिंग-
लासुषमनानारी सहजसुन्नमैंवसतमुरारी
१ ब्रह्मभावकरिसवमैदेषौ अलषनिरंजन
विननहिंपेषौ इकचितह्वैरपकमनलाई
नैनमूंदअंतरगतध्याई २ हृदयकमलमैं-
जोतप्रकासी सोईअच्युतअवगतअविनासी
इहिंउपाइविरहातमनरिहौ जोगपंथक्रम-
क्रमअनुसरिहौ ३ यहसंदेसकह्योगोपाल
सुनिविलषीसवहीव्रजवाल रेमधुकरलेप
टअन्याई पेसेवचननकहेकन्हाई ४ श्रीवृं
दावनभवनविराजे नटवरभेषसदाहरिसा

सूर
सा
६६१

जै रासविलासकरतवृंदावन विचगोपीवि·
वकान्हस्यामघन ५ अलिआईहैंजोजोरासि
रसिषावन थकितसषीलागीसिरनावन
सोरागीतजोहरिकोगावै परमभक्तहरिकी
सोपावै ६ सूरजोराकीकथानभाई सदाभ
क्तगोपीजनगाई १५८० गोपीवचन रागसो·
रट प्रेमभक्तरहितनिरसजोगकहागावै नि
ठुरवचनदीननसोकहैकहापावै जिहिनैंन
निकमलनैनेनस्यामसंदरहेसो तेईनसुंदरन
कहितकौंनज्ञाननतेरो १ जिनकेतमसषा
साथुवातकहौंतिनकी सोमनेहमप्रेमकथा
दासीहैउनकी निरगुनअविनासीमतकादे

कौंभाष्यौ सूरदासजीवनधनकान्हकहौ·

राष्यौ १५४२ रागमलार हमारेहरिहारि·

लकीलकरी मनवचकर्मनंदनंदनउर·

उरयहदृढ़करिपकरी सोवतजागतस्वप्र

दिवसनिसिकान्हकान्हजकरी सुनतजो

गलागतहैऐसोज्योंकरुईककरी १ सोई

व्याधिलैआयेऊधौदेषीसुनीनकरी यहलै

सूरनहांतुमआपौजिनकोमनचकरी १५

४३ सोरठ ऊधौमननभयेदसवीस एक

जुहुतोगयोहरिकेसंगकोआराधैईस इं·

द्रीसकलसिथलमाधवविनुज्योंदेहीविन

सीस आसालागिरहेतनस्वासाजीवहुको

सूर
सा
६६२

टवरीस १ कैधौंज्ञानहूकपाराधेहैदैषनकौं
करिसीस सूरहमारेनेंदनंदनविनुऔरन·
हींजगदीस १५४७ रागनट मधुकरस्याम
हमारेईस तिनकोध्यानधरतनिसिवासर
औरैनिवैनसीस जोगिनजाइजोगउपदेसो
तिनकेगनदसवीस एकैमनएकैवहमू
रतविनवनिवितदिननीस १ काहैंनिरगु
नज्ञानआपनौजितकितडारतषीस सूरदा
सप्रभुप्रभुनंदनंदनविनुऔरनहूसरेरीस
१५४५ रागसारंग षहूगोकुलगोपालउपा
सी जोगाहकनिरगुनकेऊधोतेसववमत
ईसपुरकासी जद्यपिहरिहमनजीअनाथ

करितह्पिरह्तचरननिरसरासी ध्रुपनीसी

नलनाह्निनछ्राउनजह्पिविधुभयोगह्गि

गसी १ किह्रुपगधजोगलिषपटवनद्रे

मभक्तनैभयेउदासी स्वरदासश्रेसीकोविर

ह्नमागेंमक्तनजैगुनरासी १५५८ गगमारे

ग जिह्मिनमाषनचोरगश्री ध्रुवकेसेंनि

कसनकह्रिऊयोनिरछ्रैह्रैजग्रश्री जह्पि

ह्रैवैजस्वदानंदनकेसेंजातछश्री ह्रूंध्रुवजा

दवस्वनन्पकह्रियतह्मैंनलगतवश्री १

कोऊवसुदेवदेवकीकह्रियतसोजानेजो

ह्रूंके स्वरह्मारेनंदनंदनविउदेषेश्रीरनस

कै १५६० सारंग मेरेजीयश्रेसीयेजवनी

छाडगुपालश्रौरजोमैवैनौलाजैजननी को
जैकहावकोरमनकाछाडिश्रमोलमनी
विषकोमेहकहालैकीजैश्रमृतपककनी
१ मनवचकरमयहैव्रतमेरैंचरनकमल
मरनी सूरदासप्रभुदरसनकारननजीजा
तिश्रपनी १५४८ रागसोरठ ऊधोनाहमवि
रहननातमदास कहतसुनततवदशानर·
हतहैंहरितजिभजौश्रकाम विरहीमीन·
मरतजलत्यागैंतजिजीवनकीश्रास स्वा·
तिभावनहितजतपपीहावरषतमरतपि·
यास १ परमपंककोमलमैंविहरतवि·
धिकियौनीरनिवास रातिवरविसंतोष·

हिमानतसासिमौसहजउदास पुगटशीत
दसरथपुतिपालीपुत्रगयेवनवास सूर
श्यामसौंहटछ्वतराषीमोतजगातउपहास
११८८१ रागसोरट ऊधौतमव्रजकीदसावि
चारौ नाथाछैयहसिधश्रापनीजोगकथा
विस्तारौ जिहिंकारनपठयेतममाधवसो
ईसोचजियमांही केतककीचविरहपरमा
रथजानतहोकियौनांही १ तुमतोचतुर
सदाप्रभुकेसंगसुनियतनिकटरहतहौ
जलहूउतप्रबलवफेनकोफिरगहतनक
हतहौ वहतुमसकानमनोहरचितवनके
सौंचितनैदारौं जोगजगतप्रभुमनुकपरम।

सूर
सा
६६४
664

परवामुरलीपरवारो १ जाकेउरमैंवसतम
नोहरतहांननिरगुनआवै सूरदाससोभज॰
नवहाऊंजादिहूसरोभावै ११५० रागधनाश्रि
री जोगठगौरीब्रजनविकैहै मूरीकेपातन
केवदलैकोमुकताहलदैहै दाषछाडिकैक
टुकनिवौरीकोअपनेमुषषैहै यहविवहार
तिहारोऊधोयसोभलैहीरैहै १ नहोलैंजाइ
जहांतेल्यायेउनहीपेटसमैहै गुनकरिमो
हीसूरसांवरेकोनिरगुननिरवैहै ११५१ राग
मारेग मधुकरसमुझावहुमोवेरनि ग्रहौ
मधुपनिसदिनमरिवतहैकान्हऊंवरअव॰
सेरन चितहुभरहीमनोहरमूरतचपलहु

गानकीदेरनि ननमनमवहीरिलियौहमा·
गैवामरलीकीटेरनि १ विसरतनाहिमभ·
गभुजसोभापीतांबरकीफेरनि कहतवनै
कोंथिकामरिछुविवनगाइनकीवेरनि न
मपवीनहेहमैंवनावतत्रांषमूंदिपटफेरनि
नेंद्किसोरव्खाडिकोलेहैजोगदुषनिकेटे·
नि २ जहेंनहिंप्रेमउदारसामवनमकतिप
गोकनिजेरनि सूरसिकविजकौंजीवनहैं
निरगुनकटनकरेरनि १५५२ रागआसावरी
ऊधोजोगजोगपहमनाहीं प्रवलामारस्रान
कहाजानेकैसेध्यानधराहीं तेईमूंदतनैनं·
कहतहोहरिमूरतजामाहीं पमवकथाक

सूर
सा
९९५
665

पटकोऊधोहमपैसुनीनजांही १ श्रवनवी
रिसिरजटावढावनपटुषकोंनसहांही चेट
ननजितननभस्मवनावनविरहश्रनलश्रतिदा
ही जोगीफिरतनजांहिलगिभूलेसोतोहैश्रपम
ही सूरस्यामन्यारीनपलछनज्योंघननेपर
छांही १५५२ रागमलार नैननिनेटनेटनथ
न नहांयहउपटीसटीजैजहांनिरगुनज्ञान
पानिपलवरेषगुनगनग्रवयभईवेथान इते
परइहिकटुकवचननकौंरहेननग्रान १ भृ
कुटीकोटिकवंकहविश्रवलोकनीसंधान
कोटवारजवक्रनैननकटाक्षकोटिकवान को
टिचंद्रप्रकाससमष्ट्रवतंसकोटिकभान को

दिमनमथवारिछविपरनिरषदीजनतदान १

स्यामतनपटपीतकोछविकहोंकहावषानि

मनोनिरतननीलघनमैतडितदेनीमान २०

मरसिकगुपालमिलमधुग्रधरकरतेपान

हाद्वैमेस्यामविज्ञकोहोइरतकग्रान १५५६

रागमारंग हरिहमसौंकवहूंनउदास रास १

षिलाइपिलाइग्रधररमकौंविसरतव्रजवा·

स नमसौंप्रेमकथाकोकहिवौमानोकासौ

वाम वहरोनानस्वादकहाजानैगुगोवान १

विलास १ सनरीमषीवद्धविव्रजपदैवेइटि

नवेइद्धलाम स्यदामयरऊथोहमकोंभयो

नेरहोंछमाम १५५५ धनासिरी ऊथोनमहो

सूर सा ६६६ अतिवडभागी अपरसरहतसनेहतगाथैंनाही
मनअनुरागी पुरइनपानरहतजलभीतर·
तारसदेहनदागी ज्यौंजलमाहितेलकेगाग
रवूंदनताकौंलागी १ प्रीतिनदीमैंपांवनवो·
र्यौदृष्टिनरूपपरागी सूरदासअवलाअतिभो
रीगुरचिंवटीज्यौंपागी १५५८ धनासिरी ऊधो
मनमानेकीवात दाषछुहारेछाडिअमृतफ·
लविसषपराविसषात ज्यौंचकोरकौंदैकपू
रकोऊनजैअंगारहिषात मधुपकरतघरकूर
काटमैंफंदतकमलकेपात ज्यौंपतंगहित·
जानआपनोदीपकसौंलपटात सूरदासजा
सौंजाकोहितताकौंसोईसहात १५५९ रागगौ

666

री समउनपरतनिहारीऊथो ज्योंविरोषउप
जैजकलागतवोलतवचननिहथो शापन
कोउपचारकरौग्रलितवश्रौरनासिषदेइ व
डोगेगउपजोहैतमकोंभवनसंवारैलेइ १ हो
भेषजनानाभांततनकेग्रहमाधवसेवेट हम
कापरउरपतिजियग्रपनेपहकलेककत·
षेट सोंचीवानछाडिग्रलितेरीफ्रूटीकोग्रव
हनिहै हरदासमनाहलतजिकैहैमजार
कैधौंतुनिहै ११५८ रागमारंग ऊधोतमनि·
जस्वामममधाई पालागौंपहउछहूषसोगोस
नमषदेतिहिटाई कोनैरंककसंपदाउतनी·
सोवनहपनेपाउ किहिंसोनेकोउउनवि·

मृ.र
मा
६६७

667

रैयाउेगावोंधषिलाई १ धामग्रुवाकेकौनेकी
नैकौनैद्यामउ्टाई किहिंग्रकामतैंनोरतनैरी
यांग्रानधेयेधेरिनाई ग्रोलनिकीमालागा॰
लग्रपनैकौनैगंथिवनाई किहिकागट॰
कीनरनीकीनीकौंननतौमरजाई २ कौनै
ग्रवलानैंनमृंटकैजोगममायलगाई इहि
उरग्रानहृपटेषनकीग्रगानिउटीग्रनषाई
मृरदामग्रभुवजजवतिनकौप्रेमकत्तौन॰
हिजाई १५५४ गगमलार रेग्रलिजनमक॰
रमगुनगाई हृमग्रउगागनिजमदामतकी
तिरमकथानभाई कैसेंकरिगोवरधनधा
रयौकैसेंकेमीमारयौ कालीदवनकियौकै

मैंग्रहवककोवदनविहासौ १ किहिंविधि

नेदमहोत्सवकीनोकिहिंविधिगोपीधाई

पटभूषननानाभांतनकेजवनीजनपहिरा

ई दधिमाषनभाजनकैसैंकरगोपसकलले

आए वनकीधातचित्रश्रेणकीनेनाचतभेष

सहाए १ गृहवनकद्रुनसहाइस्यामविहु

तरफतवीततजाम सूरमरतपविकलवि

योगनरटिरटिमाधवनाम ११८० अथोवच

न रागसमावरी मैतमपैव्रजनाथपठायौ

आतमज्ञानसिषावनआयौ आपुहीपुरुष

आपुहींनारी आपुहिंवानप्रस्थब्रह्मचारी १

आपुहींपिताआपुहींमाता आपुहींभगनी

सूर
सा
६६८
668

आपुहीमाता आपुहीपंडत आपुहीतानी आ
पुहीराजा आपुहीरानी २ आपुहिंधरनी आ·
पुप्रकास आपुहिंस्वामी आपुहीदास आपु
हीग्वाल आपुहीगाइ आपुहिंआपचरावनजै
३ ३ आपुहिंभौंर आपुहीफूल आनमतान·
विनाजगभूल ताबरंकहूजानहिंकोई आ
पुहिंआपनिरंजनसोई ४ इहिंप्रकारजाको
मनलागै जरामरननासैभ्रमभागै जोग·
समाधब्रह्मचितलावहु परमानंदतवैसु·
षपावहु ५ गोपिकावचन जोगीहोइसु·
जोगवषानैं नवदाभक्तदासरतमानैं भ
जनानंदहमैअलिप्यारो परमानंदसुषकौं

नविचारौ ६ बतियांकहिविकहिविकटहूतसया।
नी अखियांहरिकेरूपलुभानी आवरञ्य
घानवेकाजानै विनदेषेंकेसेंरतिमानै ७
अतिअतिचहैवहैमधिआवै कूसरूपविन
औरनभावै नवलकिसोरजिननैंननिहा।
रौ कोटजोगवाल्लविपरवारौ ८ सीसम
कटकुंडलवनमाला कौंविसरैवैनैंनविस
ला मृगमदमलयअलकडुंघरारे उनमो
हनमनहरेहमारे ९ भृकुटीकुटिलनासि
काराजै अरुनअधरमुरलीकलगाजै दा
सौंदसननतडितडुतमोहै मृदुमुसकनिज
वतिनमनमोहै १० वंदविद्रुककेंठमनि।

सूर
सा
९९५
669

मोती हरिकरनउरपतिकीजोती कंकन-
किंकिनीपटकविराजै गजगतवालनूपुर
निवाजै ११ वनकीधातविचित्रनकियै श्री
वछविनूविराजतहियैं पीतवसनछविवर
निनजाई नषसिषसुंदरकुंवरकन्हाई १२
रूपरासरवारनकोसंगी कवदेषैवहललि
तत्रिभंगी जोतमहिनकीवातवतावइ म
दनगुपालहिकोनमिलावइ १३ ऊधोवचन
जाकेरूपवरनवपुनाहीं नैनमुंदचेनोमन-
माहीं हृदेकमलमैंजोतविराजै अनहदना
दनिवंतरवाजै १४ इडापिंगलासुषमनानारी
सहजसुनमैंवसतमुरारी मातापितानहीं

रमाई जलथलचरचरव्यो समाई १५ उ॰

हिप्रकारभवउत्तरतरिहौ जोगपंथक्रमक्रम

मग्रउमारिहौ १६ गोपीवचन हमब्रजवाल

गोपालउपासी ब्रह्मज्ञानकनिभावैहांसी व

जमैंजोगकहांतैंल्यायौ ऊधविनाकूवरमोहि

उरायौ १७ स्यामसुगाहकपाइदिषायौ सो॰

माथवन्नमहाथपटायौ हमग्रवलाटगोवि॰

वसब्रहेरी मोटगाटगपौकेसकीचेरी १८ राम

जनमसीताजउराई भलीवधूव्रवक्रवजापा

३ नवसियकेवियोगउषपायौ ग्रवक्रविजा॰

पैहियौसिरायौ १९ नीरसज्ञानकहीलेकीजै

जोगमोटहासीसिरदीजै २० ऊधोवचन पार

ब्रह्मअबिगतिअबनासी त्रिगुनरहितअभु·
थैंनदासी नहिंदासीदक्रुपाइनकोई जह्रो
देषौनहांब्रह्महैसोई ११ उरमैंआनोब्रह्महींजा
नो ब्रह्मबिनाहूजोनहिमानो १२ गोपीबच
न षरीकरौअलिजोगमेंबारौ भक्तिबिरोधी
ज्ञाननमारौ कहाहोतउपदेसनिनेरैं नैंनसु
बसनाहींअलिमेरैं १३ हरिपथजोवैंछिन·
छिनरोवैं कृस्नबियोगीनिमिषनसोवैं नंद
नंदनकेदेषेजीवैं जोगपंथपानीनहींपीवैं
१४ जबहरिआवैंतबसुषपावैं मोहनमूरति
कंठलगावैं ऊमहूबचनअलिहमैंनभावैं
जोगकहांओरैंकिविकावैं १५ ऊधोबचन

मैंकीनोहोछोरउपाई तुमरेदासभक्तनिज
पाई ऊधोकहैंधन्यब्रजबाला जिनकेरस·
बसमदनगुपाला २९ तुममममग्रमैंदास
तुमारौ जोगसुनाइजगतनिस्तारौ भौंरे
गीतजोसुनैसुनावै प्रेमभक्तगोपिनकीपा
वै ३० सूरदासगोपीबडभागी हरिदरसन
कीडोरीलागी १५८१ गोपिकावचन धना
सिरी इत्यांहरिजूबडक्रीडाकरी सोचितनें·
नौजातनटरी इत्यांपयपीवनवकीसंघास्यो
सकटविवतइत्यांहरिमास्यो १ वकासुर·
कौंइत्यांनिपास्यो वकश्रीहइत्यांहरिजूष्या
स्यो हरिजूमास्योधेनुकइत्यां देषोऊधोह·

सूर
सा
६७१
671

सौभलव जहां २ गर्वबद्धब्रजलाउस्योंहरे
औरकियेहरिइकपलभरे नेराघेइकसंव॰
तहरी नवइस्योंब्रजलाग्रलकरी २ इहांह॰
रिकालीउरगनिवासौ लगयोजरावनभन
नलसवासौ वन्हहमारेहरिजुहरे कहो॰
लोंकहियेकौतुककरे ४ हरिहलधरइहौं
भूषेभये द्विजपतनीपैपठयेगाय निहिंवड़
भोजनव्यंजनदिये हमसवहरिमिलभोज
नकिय ५ इस्योंगिरिगोवरधनहरिधासौ
मघवारिसनेंहमेंउवासौ सरसनिसामैंरा
सरच्योइस्यो सोसधहमपेवरनजातकहो ६
वृषभासरकोंइहांसंवासौ भोंमकसीइहो

पद्मासैा इत्यादि हरिषेलतप्रांषिमिचावैं क
ह्रांलौंवरनैलीलागावैं ७ मुनिकैंऊधोपे·
समगानभयौ लोटतधरपरज्ञानगरवगयौ
निरषतव्रजभूप्रतिसुषपावैं सूरज्ञप्रभुरा।
नगुनिगुनिगावैं ८ ऊधोवचन रागकेदारा
गोपीसुनोहरिसंदेस गयसंगअक्रूरमधुव
नहन्यौकंसनरेस रजकमारयौवसनपहि
रेयकुषनोसौजाइ ऊवलयावाणरमुष्टक
धरनदियेगिराइ ९ मातापितकीबंदछोरी
वासुदेवकुमार राजदीनोउग्रसैंनहिचौर
निजकरढार कह्यौनमकोंब्रह्मध्यावनज्ञा
उविषयविकार सूरपानीदईलिषमोहिप

सूर
सा
६७२

672

दैगोपकुमार ॥५८३॥ गोपिकावचन रागमा
रंग इहांतुमकहतकौनकीवातैं होऊथो॰
तुमममसकहतनाहीफिरिपूछतदैंनातैं को
तूपभयोकंसकिहिंमारयोकोवसुदेवसुत
आहि इहांजसुदासुतपरमसनोहरजीजत
हैसुषवाहि ॥१॥ दिनप्रतिजातधेनवनचारन
गोपवृंदकेसंग वासरगतरजनीकेआगा॰
मकरतनैंनगतिपंग कोसूरनअविगतअ
विनासीकोविधिवेदअपार सूरविधाक
तवादकरतहैंस्यानंदकुमार ॥५८४॥ रागन
ट तुमअलिफिरफिरिकहतवनाइ विना
समकेंहमफिरिपूछतहैंवारउकवडुरौगा

३ कहुकिनगावनकिधौस्यंदनचढिसुफ
लकसुतकेसंग किहिरजकहिहतिकैना
नापटपहिरेअपनेअंग १ किहिंकुवलया·
श्वसुरसंघारचौकौनमल्लहतिजानै उग्रसैन
वसुदेवदेवकीकिनवेरीहतिआनै काकी
करतप्रतिष्ठानिसदिनकौनैचोषपदाघे ।
किहिमामहहतिलियौजगतजसकौनमधु
पुरीछाप २ माधौमोरचंदअरुहरगुंजामुषम
रलीकलगाजै सूरदासजसुदाकोनंदन·
गोकुलमांहिविराजै १५८५ रागनट फिरि
फिरिकहासुनावतबात प्रातकालउठिषे·
लतकंधौघरघरमाषनषात जिनकीबा

सूर
सा
९७३
673

तकरहततमहमसौंसोनहिंहमतेंहूर स्योंहैनि
कटजसोदानेंदनदेषिनशाननिसूर १ वालक
सेगलियेंदथिचोरतषानषवावनडोलत सूर
सीमनीचौकतनावतप्रवकौंनांहींवोलत
१५९८ रागसारंग मधुकरकोमफवनहिंगा
यौ काकेकहेंसंदेसोल्यायेकिनलिषलिष्यो
दयौ कोवसुदेवदेवकीनंदनजदुकुलवस्र
ऊजागर उनसौंस्योंपहिचाननकाहूफिर·
लैजैयैकागर १ गोपीनाथराधिकावलभ·
जसुमतिकुंवरकन्हाई दिनप्रतिलेनदान
हेंदावनहूंनीप्रीतवलाई कहियतहोतुम·
वनरसपानेकरहतप्रीरकीप्रीर सूरसपथ

काहूभएकाएकैंभूलेवहहौर १५८७ धनासि
री ऊधौजौकरिक्रुपापांवधारतहरिसौंही
नमैंजनाऊं मौनगहैंनमवैदिररहौहोंमवली
सहूमनाऊं सवहीसिधारेवनगोचारतहोवे
रीजमगाऊं निसिश्रागमसिदामाकेसंग १
नाचतप्रभुहिदिखाऊं १ कोजानैंउवधासेको
चवमतमउरनिकटनश्रावैं नवयहउंदवटे
श्रनिदाकनमषियनप्रानकुजावैं छिननरहैं
नेंदलालइहांविउजोकोऊकोटसिषावैं सू
रदासजैंमनतैंमनसाश्रनतकहूंनहियावैं
१५८८ ऊधौवचन रागसारंग मैंव्रजवासिन
केवलहारी जिनकेसंगसदाक्रीडतहैंगिर

सूर
सा
६७४
674

गोवरधनधारी किनहूंकेघरमाषनचोरत
किनहूंकेसंगदानी किनहूंकेसंगराजमा
नाकेनतटवेसीदेरसुनावत सूरदासवलि
वलिचोरननिकेपदसुषमोहिनितभावत
१५८४ रागसारंग होंउनमोरनकेवलहारी
जिनकीसुभगचंद्रकामाथेधरतगोवरधन
धारी वलिहारीवांवांसवंसकीवंसीसीसुकु
मारी सदारहतहैकरजुस्यामकैनेकहूंहो
तिनन्यारी १ वलिहारीवागुंजजातकेउपजी
जगतउफारी संदरहृदैरहतमोहनकैंकव
हूटरतिनटारी वलिहारीकुलसैलमरतजि
हिंकहतकलिंदकुलारी निसदिनकानुसै

गह्वालिंगनचाउनहूंभईकारी २ वलिहा
रीहूंदावनभूमहिंजतैभागकीसारी सूर
दासप्रभुनागरेपाइनदिनप्रतिगेयांचारी ५५
गोपिकावचन रागनट मधकरजिनम
धुवनतनदेषो कछुकदिवसओरैसेपारहि
कैजनमसफलकरिलेषो कहाजाइकरि
होउहांविनरसराजकाजकीवात वालक
मारकिसोरनिरषिलोंहंरघरमाषनषात १
तमनिरगुननिनरहितनिरंतरनिगमवषा
ननतनीत प्रगटरूपकीरासमनोहरछाडे॰
कौनप्रतीत श्रीसुकसिवविरंचसनकादि
कसनियतजाकोंध्यावत सूरमोईव्रजगवा

सूर
सा
६७५

675

लसतनिसंगगोयनहेंदवगावत ॥५७॥ ऊयो

वचन रागनट अबतोवक्कतनभयोमनमेरो

आयोहोनिरगुनउपदेसनभयोसगुनकोचेरो

जोमैंकस्योज्ञानगीताकोतमैंनपरस्योतेरो

अतिअज्ञानकलुकहतनआवैहूतभयोहरि

केरो ॥१॥ निजजननजानमानिजननकारिकी

जोनेहदवनेरो सूरमधुपउठिचल्योमधुपुरी ॥

तोरिजोगकोवेरो ॥५८॥ जसमतिवचन रा

गनट कहियोजसमतकीआसीस जहांर

हौतहांनंदलाडलेजीवोकोटवरीस सूरली

दईदोहनीकुतभरिकयोथरिलईसीस घरा

तोहूतउनहीसुरथीकोजेप्पारीजगदीस ॥१॥

ऊधौचलननमषामिलिआयेसबालबालदस

वीस अबकैंब्रजकौंफेरबसावहुसूरदास

कोईस ॥५८३॥ गोपिकासंदेस रागबिहागडा

अपनेजियसूरतकरतनहींरहियौ ऊधौइतन-

नीबिनयस्यामसौंसमयपाइकैकहियौ वो

षबसनकीहूकहमारीनाहींजियमैंराषि-

यौ अतिआधीनजडुनाथजानकैपतिबि-

चारिकैकहियौ ॥१॥ एकबेरदीजैदरसनअ

भउषकीरामसहिदाहियै सूरदासप्रभुबह

तकहांकहैंबच नलाजनिरबहियै ॥५८४॥

रागसारंग मधुकरस्यामकहांलेआवहु ब्र

जजनचातकमरतपियासेस्वातहूंदवरषा

सूर
सा
६७६

676

बहु त्यांतें जाइ बिलंब करो जिन हमरी दसा सु
नावहु बोष सरोज सबै संपुट ज्यों हूं दिनकर
बिगसावहु १ जो ऊधो हरि इहां न आवै तौ हम
मैं उहां बुलावहु सूरदास प्रभु मिलावहु संत
निमें जसपावहु ॥७७५ रागबिहागड़ा ऊधो
पालागति हों बहुरि कि इहि ब्रज करिहौ भो
वरी निसिन नींद भोजन नहिं भावै सगा जो
वन भई दृष्टि फांवरी बहै हैं दावन वहै कुंज
वन वहै जमुना भई सुभगा सांवरी एक सा
मवि नु ठुन भावत रटत रहति ज्यौं फिरत ।
बावरी १ चलन सकत पग आयरत डुलत उठि
बैठत आवत तांवरी सूरदास प्रभु आन मि ।

लावहुजगमेंकीरतहोइगावी १८७९ राग
धनासिरी तुमकहियोजेमेंगोकुलआवें दि
नदसराहेसभलीकरीपैअवजिनगहरलगा
वें तुमविनुकलुनसहाइगानपतिकानन
भवननभावें अतिविलषानगाऊनवरतित
नुवह्लरनपयनपिवावें १ देषतअपनीआं
षनऊधोहमकहिकहाजनावें सुरस्याम।
विनुतपनेंनटिनहारिहिमिलेंविपावें ४
रागअडाना ऊधोहरिहैंहितहमारे उनसों
जाइकहौकहनाकरिपउधासवैहमारे न
ननरवरअकस्मातपवनहैवरहदिपोटव
जारे नाहिमिरातनजानक्षारहैमलगास

677

लगिभयकारे । जद्यपिप्रेमउमगजलसींच·
नवरषिवरषिघनहारे जोसींचैवहुभांतजत
नकरितौपप्रानउवारे कीरकपोतकोकिला
षंजनवधकवियोगविडारे कैसोंजीवैंइहिभां
तिसूरप्रभुव्रजकेलोगविचारे ।५७८ रागवि
लावल ऊधोआपहेतकियेंरहियो इहिंव्रज·
कौंध्योहारजिनकसोसवैस्याममसौंकहियो न
नकीविथाकहाकहौंतमसोंयहहमकौंहैस
हियो कियौकरौपरिहासनिपरजनहदो·
तिहारोवहियो । देषजातअपनीइहिआंषि
नुदावानलननदहियो ननजरिवरनदिजा
नसूरप्रभुजलनैननिकौंवहियो ।५७९ राग

बिलावल ऊधोदेषतहैजैसैंब्रजवासी लेत
उसासनैनजलधूरतसासिरसासिरबि ।
नासी भूलिनउदतिजसोदाजननीमनोभ
वेरामउदासी छूटतनहीशानकौअटकेक॰
हिप्रेमकीफांसी १ आवतनहीनेदमंदिरमैं
भयौफिरतवनवासी परमसलीनदीनउर
वलभयेस्यामविरहकेत्रासी गोपीग्वालषा
वालकसवकहूनसुनियतिहासी कान्हैदि
यौसूरसषमैंउपकपटीकान्हविसासी ९५
८० रागकेदारा अवजिनिवांधनतेनउराह
हूयदपिमाषनमनोहरउारिदेऊअरुषाऊ
सदावैदेचोषरहियौवननदैहैजान पलक

सूर
सा
६२८
628

हूभरिउघनदैहैराषिहैज्यौंप्रान १ सवनिहा
रीकलोकरिहैंवचनमाथेंपान परमचतुर
सुजानविनदैनाथलीजैमान श्रवनकवहूहू
कपरिहैयहहमारोवोल किंकिनिकोला
जथरिव्रजसवसकरौकलोल २ समुझि·
निजअपराधकरनीनारिनावतिनीच वदू·
नदिननैंनिसरह्योहैंआंषिदीजैसीच मनसा
वाचाकर्मनाकछुकहनिनाहीराषि सूरप्रभु
यहवोलिहिरदैंसमराजासाषि ॥५८॥ राग·
सारंग निहारीप्रीतकिननरिवारि हृष्टिधा·
रिहरिह्रनीजपहिलैंवाउलसवव्रजनारि प
रीसमारषेतवृंदावनरनझनमानीहारि ब्या

झलविकलसंभारतछिनछिनवदनसुधा·
निधिवारि १ नवबदहकृपाश्रवजोगपदायो
मनसघलगपौग्रहारि स्हरदासप्रभुरत्यौत·
नकजियसोजिनग्रारौमारि ११८२ रागकेदा
रा लोचनचातकज्यौंहैचाहत श्रवधिगये।
पावसकीआसाक्रमक्रमकरिनिरवाहत स
रिनासिंधुअनेकश्रौरस्हघपिनपतिमजनस
नेह पसवजलजउनाथजलदविग्रश्रथि·
करहतहैदेह १ जवलोंनहिंवरषतत्रजऊ·
परनवचनस्पामसरीर नौयद्दत्तृषाजाइकैं
स्हरजश्रानश्रोसकेनीर ११८३ जैतसिरी त्र
जवसकाकेवोलसहों इनलोभीनैंननिके

सूर
सा
६७५

679

कारनपरवसभईरहौं लाजविसरगईसुधि
नंहीननकीअवनैंदनंदवहौ मेरेजियअसी
आवनिहैजमुनाकेजलजाइवहौं १ अवकी
वेरमिलेनंदनंदनपडुषफेरकहौं सासडुष
औरुसमझारूप्यारीजेटकेत्रासगहौं २ कव
नछूटिहैमकलवनछूट्यौकहूंनस्यामलहौं
सूरदासप्रभुतुमरेदरसकौंइहिदुषअधिक
दहौं १५८४ धनासिरी ऊधौयहैविचारक॰
हौ कैतनगयेंभलौमानोगोकेव्रजआइरहैं
काननदेहविरहदौंलागीइंद्रीजीवजरैं ३ ।
कैस्यामघनप्रेमकमलमषधारलीबूदपरै
१ वरनसगोवरमांहिमीननमनरहतपकरस

पीत नमनिरगुनवाहपरउरनसूरकौन·
यहरीन १५८५ रागकेदारा हमैंतोउतननेही
सौंकाजकैसेवैनिवहतप्रवलनिपैकठिन
जोगकेसाज नषसिषसुभगस्यामदरसन·
विनुजीवनजनमहूथाज सूरदासप्रभुरह
नकौंनविधिवदनविलोकैंवाज १५८८ रा·
गमारंग लैआवहुगोकुलगोपालहि पाइन
परिकौंहूविनतीकरिछलवलवाहूविसा
लहि गाउनिगननतगोपगोकुलकेसीषतवें·
उरसालहि १ जद्यपिमहाराजसुखसंपति
कौंनगनैंमुकतामनिलालहि तद्यपिसूर·
मनअतिललचतहैंसुषमुरलीकुंजुवीकी।

सूर
सा
६८०
680

मालहि ॥१८॥ धनासिरी गोपाल हिलैआव

ङुत्रमनाइ अवकीवेरकलूकहिऊथोन्नल

वलअरूपविणाइ उनकोंजाउउरहूनौंहीजो

त्रमैंहियोसमफाइ जिहिंविउदेषेंपलजग

वीतनकहाकवैंत्रजराइ १ त्रमसोंकहाक

होंहोमधुकरवतियोवङ्तवनाइ वहियांग

होसरकेप्रभुकीनंदकीसोंहहिवाइ ॥१८८॥

धनासिरी सारंगस्यामहिसरनकवाउ हो

हिजहांनंदनंदनतहांऊचैटरमनाउ ग्रीष

मगाइवरषाविनआइसवकाहूमनवाउ ह

विविअवजवासीप्रेमदेहंम्पोंकरियाविनना

उ १ त्रमरौकहोमानिहेमोहनचरनपकर

लैषाउ षवकीवेरमारकेप्रभुकौंनैननिषा
निरिषाउ ॥९८॥ गोपिकाऊधोकोउतरष्रा
ष्मर रागनट ऊधोकोसंदेससुनोकिन १
कानदै कोऊषायोउहिदिसतेंजहंनंदसुव
नसिधारे वहैवैजधुतिहोइमनोषायेब्रज
प्यारे धाईसबगलगाजकैंऊधोदेषौजाइ
लैषाईब्रजनारिसबधानंदउरनसमाइ १
व्रजषारनीमाजतिलकदीयमाथेकीनो
कंचनकलसमंगाइऔरपरक्रमादीनो गो
पमीरष्रांगनभईमिलिवैटीसबजान जल
ऊारीषागैंधरीपूछनलहरिकुसलात २ कुस
लकुसलप्रक्रूरकुसलऊधोकुविजाकु कु

सू॰ सा॰ ६८ 68

सलछेमवसदेवऊसलदेवकीवलराऊ
पूछिऊसलगोपालकीरहीसकलगाहिपा
३ प्रेममगनऊधोभयेदेषतव्रजकेभाइ २
मनमनऊधोकहीयोंनहिकियेगोपालहि
व्रजकोहेतविसारजोगसिषवतव्रजवाल।
हि पातीवांचनआवईनैनरहेजलपूर देषि
प्रेमगोपिनकोऊधोज्ञानगर्वभयोदूर ४
ऊधोइनउनफेरिनीरनैननिहीसोध्यो हानी
कथाप्रसोयप्रवोलसवद्योषसमोध्यो जोव्र
तमनिजनध्यावहीनरऊनपावतपार सो
व्रतसीषोगोपिकाछाडेविषयविकार ५
सानिऊधोकेवचनरहीनीचेकरिनारी सा॰

नोमांगतसुधाश्रोंनविषज्वालाजारी हूमग्र
हीरकहाजानईजोगाज्ञगतकीरीत नेंटनेंट
नग्रतल्लाडिकैकोलिषिपूजैभीत ९ एकैग्र
लषग्रपारश्रादिग्रविगतहैसोई श्रादिनिरंज
ननामनाहिरीकैसवकोई नैंननासिकाग्र
ग्रहैतहांग्रह्मकोवास ग्रविनासीविनसैन·
हीसहजजोतपरकास २ जोनोपगकरन·
हीकहीकोऊषलवांध्यौ जपैनैनमघनही·
वोरद्रधिकोनैषांध्यौ नवैषिलापगोटलैक·
हैतोतरैवैंन ऊघोताकोनांउयहजाहिनस·
कैनैंन ८ मायानितहैश्रोंधरीनाहिहैलोव
नजैसें ज्ञानीनैंनग्रनेंततनादिस्नुफततनहिकै

सार
सा
६८२

68

मैं तूकौनिगामतुलाइकैयहैबातसमझकाइ
आदिअंतनहिंजानियेकौनपिताकोमाइ ९
ऊधोइवरलोगीअहघोरकहौमनकाहिलगावै
अपनोघरपरहरैकहौकोघोरबुझावै मूरष
जाहिनजानहैंहमैंसिषावनजोग हमसौंभू
लीकहतहैंहमभूलीकिधौंलोग १० कहूऊ
धोमनभावन्यावनमरेमझघसांचो जोगप्रेमर
सकथ्याकहौकंचनकैकाचो जाकेपटहैंहू
जियैसांचौनाकोनेम मधुपहमारीसौंहत्रमैं
जोगभलोकैप्रेम ११ प्रेमप्रेमतैंहोइप्रेमतैंपा
रहीपैयै प्रेमबंध्योसंसारप्रेमपरमारथल॰
हियै सांचोनिहचैप्रेमकोजीवनमझकतिरसा

ल एकैनिरदैवैप्रेमकोजवैमिलैंगोपाल १ २
सुनगोपिनकोप्रेमनेमऊधोकौंभूल्यो गा
वनगुनगोपालफिरतऊंजनमैंफूल्यो छि
नगोपिनुकेपगधरैधन्यतमारोनेम धा३१
धाईहुमभेटईऊधोज्ञाकौप्रेम छ धनगो॰
पीधनिग्वालधन्यपसवव्रजवासी धनयह
पावनभूमजहांविलसेअविनासी उपदेस
नआयोइनोमोहिभयोउपदेस ऊधोजउप॰
निषैचल्योकियेंगोपकेभेस १८ भूल्योजउ
पनिनामकह्योगोपालग्रसांई एकवेरब्रज
जाइदेहुगोपिनुदिषराई वृंदावनसुषद्धारि
कैकहांवसेहोआइ कृपावंतहरिजानिकैं।

सू॰
सा॰
६८३

683

ऊधोपकरेपाइ ॥५ प्रभुजूब्रजकोप्रेमनै॰
मकछुकलौनजाई उमग्यौनैननिनीरवा॰
नकछुकहतनआई सूरस्यामभूतलपरेर॰
हेनैंनजलढाइ पोंछिपीतपटसोंकह्यौमले
आएजोगसिषाइ ॥४९॰ ऊधोवचनसुनीभग
वानप्रति धनासिरी जवहोंइहांतहांतेजग॰
यो नवव्रजराजसकलगोपीजनआगेंहूँज॰
लयौ उनसौंजाइनेंटवावाकेसवडूनसोय॰
लियौ मेरीसौंहसांचकहिऊधोमैयाकहाक
ह्यौ ॥१ वारंवारकुसलमोहिपूछनलैलैनमसो
नाम मनोजकलगीतृषनवानकज्योंकुस
कुसलवलराम सुंदरपरमविचित्रसोभित॰

यहमरलीदैबाली दईउदाउसघमानिसर

प्रभुशीतश्यानिउरसाली १५५१ रागकेदार

माधवजनहनोव्रजकोनेम सोपिमैंघटमा

सदैष्योगोपियनकोप्रेम हदैनैनहिंदरन

टरेस्यामरामससमेत श्रेहसलिलप्रवाहमें

नैंप्ररहनैंननिटेत १ चोरश्रंवलकलसङ्ग·

चवरपानपउवढाउ स्वमिरितमरीप्रगटली

लाकमंउटिहैंगाउ देहगोहसमेतप्ररपनक

मललोचनध्यान स्वरउनकोप्रेमटेषंफी २

कोलागतज्ञान १५५२ रागकेदारा सवैव्रज

हरहरपकैरीत ज्योंक्रूरषेतधरैधनवाटत १

त्योंप्रभुनमरीषीत श्रेसीपरमविचित्रसया

सू॰र सा ६८४ 684

नीश्रौरसवनजगजीत ववनजोगकेसनत
थकितभईज्योंवाहूकीभीत १ एकैधरनस
हीउहिरूढकरिमेटिवेटकीनीत गोपभेष
निजरूपस्यामलैरहीविस्वप्रकजीत १५२३
रागसारंग मैरीकहोपवनकोभ्रमभयो॰
गावतनंदकुमार एकग्वालगोसनहूँरंगत
एकलकुटकरलेत ॰माथवजयहस्रजको
ब्योहार॰ एकमंडलीकरिवैठारनछाकवां॰
टइकदेत १ एकग्वालनटवरवपुलीलाए
ककमंगुनगावत वहूतभांतकरिमैंसुम॰
फाईनैंकनउरमैंश्रावत निसिवासरजरह
तहैंइकटकछिनाछिननवतनप्रीति सू॰रा

सबैफीकोलागतहैदेषैंवहरसरीत ११५४

जैतसिरी सुनोस्यामवैब्रजवनितानाविरह·

तुमारेभईबावरी नाहींवातऔरकछिश्राव

तिछाडिजहांलौंकथारावरी कवहूंकहत

हरिमाषनषायौकौनवसैयाकदिनगांउरी

कवहूंकहतहरिऊषलवांधेघरघरनैंलैव

लोरावरी १ कवहूंकहतब्रजनाथवसेवन

जोवनमगभईदृष्टिफांवरी कवहूंकहतवा

सुरलीमहियांलैलैटेरतहमसौनांउरी कव

हूंकहतब्रजनाथसांवरेयहसेवायहवहै·

टांवरी सुरदासप्रभुतमरेदरसकोंश्रवव·

हमूरतभईसांवरी ११५५ रागनट करिवे

सूर
सा
६८५
685

कौनकहूमकराषी व्रुधिविवेकश्रनुमान
श्रापनेमुषश्राईतेभाषी होंपचकहोंजुपहर
एकमैंवैपलमोंहिश्रनेक हारिमानउठिच
ल्योटीनहूहूछाडिश्रापनीटेक १ होंपटयोक
तंहीवेकाजैसटसूरषजुश्रयानौ तुमेंपढ़े
चवढूतेवाननकीउहोंजाढूतौजानो श्रीमु
षकेसिषयेग्रंथादिकतेसवभएकहानी
एकहोइनौऊनरटीजेसूरसुमटीउफानी
॥९८४॥ रागसारंग नाहिनैश्रवसुयिरहीहियें
सुनोस्यामराधिकासषीसवजुगवनजतन
कियें सैनसोचनषलिषतिकमलयनिस
चनश्रवनछियें करकंकनकोकिलाउश

वनविनमषनामलियें । मसिसेंकानिमि
जालनिकेमधिवसनवनाइसियें टिसिट
सिसीनसमीरहिरोकनझंचरषोटदियें म·
गमटमलयपरसननतलफनजतुविषवि
षमापियें जोनइनेपरमिलनसुरपभुनौन्पा
यैंनजियें ॥५॥ गगनट कहीनपरतहरि
मोपैव्रजकीवात पंछीदुमवेलीनारीनर·
टरसनकोंप्रझलात जवतमहेतवचनफ
लफलतेनहांप्रवपुहपनपात क्रोउतो
नाहिकपोतझलाहलकरतनहीउदिश·
त । गोमृगनिकमिनिवाइनैनमषप्रति
डुषितननहिंषात गोपीग्वालउमामडु

सूर
सा
९८६
686

नाम न बिरहज्वाल अकुलात गोकुल कीय
हविपत कहा कहौं तुम बिन हो जडनाथ सूर
दास स्वामी दरसन की करत सूरत दिन रात ५५
५८ राग सारंग ब्रज मैं संभ्रम मोहि भयौ तुम
रो सिषयौ ज्ञान संदेसो मैं वेजु भूल गयौ तुमही
से बालक किसोर वपु घर घर ही प्रति देषे मुर
लीधर घन स्याम मनोहर अद्भुत नटवर पेषे १
केतक रूप वाल हंदन संग गाइ चरावन जा
त संध्या गत दोहनी कर कोऊ चोरी माषन
षात नंदनंदन अनेक लीला कै गोपी चित
हि चुरावत यह सब देष्यौ नैनन हम अरे अल
न देष्यौ भावत २ जोग संदेस कस्यौ मैं उनमौं

अपनोसोजियजानि उनमनआईहांसीही
सीकहौगावरेमान कारीकपटीकूरनाम
कहिइतनोबलनकहौ छिनमाम्योघटमा·
समूहअभटेषतभूलिरहौ १५४४ विहागडा
हरिआपसोभलीकीनी मोदेषतकहिउठी
राधिकाअटकसमरकौंदीनी ननअतिकं
पविरहअतिव्याकुलउरथकथकीदेषिवङ
कीनी चलतचरनगहिरहीगईगिरिसेदस
लिलभईभीनी १ छुटीनभुजफटीवयावल
फटीकंचकीफीनी मनोप्रेमकीपरनपरे·
वायाहीपैपटिलीनी अवलोकनतइहिंभांति
उमांपतिमनअहिमानिलईछीनी सूरदास

सूर सा ६८७

687

प्रभुकहौंकहांलौंभईरमामतिहीनी १८००

रागमलार सनोस्यामयहबातश्रीरकोऊ
कौंसमझाइकहै दुहूंदिसिकोप्रतिविरह
नीकैसैंकैजुसहै जबराधातबहीमुषमा
धौमोधौरटतरहै जबमाधवह्वैजातसकल
तनराधाविरहदहै १ उभयग्रगनिह्वैदार
कीटज्यौंसीतलतानिद्विवहै पहिलैंजानग्राग
वेदनसोसनीहोनउमहै समावारनातैसी
रैकेपाछ्हैकौनकहै सूरदासयहविकलवि
रहनीकैसैंऊसुषनलहै १८०१ रागकेदार

देषैमैंलोचनचुवतश्रचेत मनोकमलस
सिज्ञासईसकौंसुकतागनिगनिदेत कडं

कंकनकहूंगिरीमुद्रकाकहूंटाडिकहूंदेत
चेततिनंहूंचित्रकौपुतरीसमफांईसोचेत
हारधरीइकटकमगजोवतऊरधउसासनि
लेत सूरदासकछुसधिनरहीतनवेंधीति
हारेहेत १८२ रागनट तुमरेविरहब्रजना
थराधिकानैननिनदीवढी लीनेजाततिमे
थकुलदोऊपतेमानवढी चलनसकततगो
ऊलनवकालौंसीवपलकपलवोरत ऊ
हुंउसाससमीरतरंगनितेजतिलकतरुतो
रत १ काजरकीवऊवीलकियेपटस्यंवर १
सुधरकपोल रहेपथिकजंजहांसतनहांथ
किहूस्तवरनमघवोल नांहींश्रीरउपात२१

सूर
सा
९८८

मापतिविनदरसनजोकीजै प्रेमसलि
लबूडतसवगोकुलसूरसकरगहिलीजै
१८०३ रागधनासिरी अतिमलीनवृषभान
कुमारी हरिश्रमजलभीज्यौउरअंचलतिहि
लालचनधुवावतिसारी अधमुषरहतिअ-
नतनहिंचितवतगथ्यगयेंजैसेंथकितजुव
री छूटेचिकुरवदनकुमलानेज्यौंनलिनी
हिमकरकीमारी १ सुनिसंदेससहज-
मृतकभईइकसंदेसहूजैंअलिजारी सूर-
दासकैसेंकरिजीवैंब्रजवनिताविनस्याम
दुषारी १८०४ रागविहागरा चितदेसुनो-
स्यामप्रवीन हरितमारेविरहराधामैंजुदे

बीह्वीन तज्योतेलतंवोलश्रभरनश्रंगावस
नमलीन कंकनाकरहतनाह्वीदाउभुज
वलीहीन १ कहनकाजसंदेससंहृदीरा·
वनमोतनकीन छुटीछुटावलिवरनउर
फीगिरीवलषीन नैनभरिभरिसजलकी
नेहृहिंरेइस्रधीन कंठवचननवोलश्रावै।
हृदैपरवसमीन २ फेरिउठीसंभारभट्ज्यों
परमसोंहमदीन सहहरिकेदरसकारन
रहीश्वासालीन १९०५ रागकेदारा भरिभ
रिलेतऊर्द्धउसास सांवरेव्रजनाथतमवि·
नुडुषितमनसिजत्रास श्रमितपीरश्रधीर
डोलतसखिनिरैनैंनविलास तेईसषभयेउ

स्र
सा
६८४
689

षहाकनमिलकियेरसवास १ निगमगुरुज
नलोगानिद्रनजगकरनउपहास सूरनम
विजुविकलविरहनमरनदरसनप्यास ९० ९
रागकेदारा भरिभरिलेतलोचननीर विना
नमव्रजनाथविरहनविरहविकलशरीर
कमलदलउरआनरापनछिरकचंदनवीर
जालमगमसिकिरनरोकतमलयमंदस १
मीर १ होंइहांनमपासआयोदेषिमनसिज
भीर सूरस्यामसुजानसोमिलमेटमनम-
थपीर ९०१ सोरठ माधवजूगकोवोफभ
यो स्यामनषत्रयिवचनसुधारससानिसु·
निकछुनकसो नवनवभावनरंगमहोट

पिमहषलोचनउमसौ तुमजोकहौजान
कोमारगपानीहूहुवसौ १ सकलसिंगा
रहाररससरवसव्रजजनवनीतलसौ छूछे
भांडेपसौनपावैंलिषितमरयोमसौ स·
हिश्रासुजंपकपैलागनतुमपैकैसेंजानस
सौ सुरस्यामसुनिसषासयानोलैगाठै।
भुजंग्रीवगहौ १०८ रागकेदारा कहांलों
कहियेव्रजकीवात सुनोस्यामतुमविनु
उनलोगनकेसैंदिवसविहात गोपीग्वा
लगाइगोसुतसवमलिनवदनक्रससगात
परितनकीनामिसरहिमारितहृतज्यौंअंवु
जविनपात १ जोकोऊआवतहैउहिमार

सूर सा ६१०

690

गव्याकुलफिरचरननलपटात चलननतै
नप्रेमरसग्रानरउदिपूछतकुसगात पिया
चातकवनवसननपावनवाउसवलनहीं
घात सूरदाससंदेसनकेउरपथिकनउहि
सगाजात १९४ केरापा हरिजूसनोवचन
सुजान विरहव्याकुलक्षीनतनमनहीन
लोचनकान यहैहैसंदेसव्रजकोनाथसु
नोनिदान मैंसवैव्रजदीनदेष्योतनविना
ज्यौंप्रान १ तुमविनासोभानहीप्रभुज्योंरि
वसविनभान ग्रामस्यामउमासहटमैंप्र
वयिग्रामामान जगतजीवनजगतपाल
नजगतनाथकृपाल करजतनकछुसूर

केप्रभुज्यौंजियैंब्रजबाल ॥१९०॥ रागनट
ब्रजजनदुषितप्रतिनितनछीन रटनइकट
कवितचातकस्यामघननननलीन नाहि।
पलटतवसनभूषनहगानदीपकतात वि
लषिवदनमलीनततनज्यौंतरुनविनुजल
जात १ कहनजोतमकह्योक्रतिमनपठै
करिउपदेस चषनिष्टजलहूंदहरकतव
चनउरनप्रवेस धरैंमुरलीमोरचंद्रपीतपट
वनमाल रहीवहछविस्वेंगाश्रेंगनलपटि·
स्यामतमाल २ दिवसकाटतसकलमि·
लिकैकहतगुनवलवीर रैंनउडपतिनिर
षितलफतिमीनज्यौंविनुनीर होइकक।

सूर
सा
६८।
691

गानाथवंधूकलौऊधोजा२ सूरप्रभुव्रव·
दरसदैकैलेहुमरनजिवा२ ४११ रागकेदा
रा उनमैंपांचौदिनन्योवसियै नाथन्नमा
रीमैंजियउपजतिवहुरयप्रनपौंकसियै
वहुविनोदवहुलीलारचनादेषतहीवनआ
वै मोकोकहांवहुरवैसोसुषवभागीमोपा
वै १ मनसावाचाश्रौरकर्मनाहौंनकहत
कछुराषी सूरकाढिउरसोव्रजतैंयौंडूथमें
हितैंमाषी ४१२ रागसोरठ माधवजूकहा
कहौंवाकीरति देषतवनैकहतनहिआवै
प्रेमसरसतनमतनसुति जद्यपिहौंषटमास
रह्यौदिगलहीनहीउनकीगति कामैंक

होंहुभोतिनकोऊसवङ्गनिकोपकैमति ।
त्वमहूपालकरुणामयकहियतनातेंहों
ज्ञकहतहति सूरदासप्रभुमोईकोजेजातें
त्वमणवौपति १९१३ रागकेदारा हरिजूव
हूमुषवङ्गरकहां जदपिनैननिरषतहरी।
मूरतफिरिमनजाततहां मुरलीमुषसिर
मोरपषौवाउरगुंजनकोहारु आगेंधेनुरे
नुतनमंडिततिरछीचितवनिचारु ।राग।
दिवससत्रुरुसमथामंगालियेंबोलततोलतषा
त सूरदासप्रभुतववनैंमोमनकहिनसक
तकहुवात १९१४ रागसारंग जोपैहरिक
रुणाकेप्रालेंतौकतहोतकठोरकठनवि

सूर
सा
६९२
692

नमोहिग्रथिकपट्टमाले गहौविरहकी·
लाजहीनहितकरिसुदाहिब्रजदेखौ मोसौ
बातकहौकिनसन्मुषकहाश्रवनितनपे·
षौ १ निगमकहतवमहौतभक्तकेसोऊ
उनहेकीन सूरउमासम्झाइहाहाब्रजज
लब्रंषियोंभरिलीन ६८५ श्रीसुषवचन
सोरठ ऊधोभलौज्ञानसमुफायौ तुमो·
सौंश्रवकहाकहतहैमैंकहिकहापरायौ
कहिरावतहैवउचतरपैह्वांकछुकहतन·
श्रायौ सूरदासब्रजवासिनकोहितहरिहि
यमोहितुरायौ ६८६ ऊधोवचन सोरठ
व्रजकेनिकटजाइफिरश्रायौ गोपिननैन

नीरसरतनाकैपारनपइंचनपायौ नमरी।
सीषसुनावैवैदिकैचाहतपारगायौ स्रान
ध्यानव्रतनेमजोगकोसंगपरवारलयौ १
इहितटतेंचलजाततैकउनविरहपवनक॰
कटोरी सुरतहूलसौंमारवोंहवलहूकट॰
ककरितोरी हौंहूंसुडिचल्यौवागहरैंकेत।
तुडकीषाई नाजानोवहजोगवाउरोकर
धौंगयौगुसांई २ जानतहुतोध्याहवाजल
कीसौतरवेकोधीर सुरकथाजकहाकैहूं
उनकीपरतीप्रेमकीभीर १८१७ रागसारं॰
ग सुनोतोउधआपनोसुनाऊं जुवतिनसे
कहकथाजोगकीक्योंनउतोउधपाऊं हौं

सुर सा ६९३ 693

पचपककहौंनिगुनकीनाहूंमैंअटकाऊं वै
उमडीवारधकेजलज्यौंकेयौंहूंथाहनपाऊं
१ कौंनकौंनसौंऊतरदीजैनातैभज्योअगाऊं
वैमेरेसिरपाटीपारैंहौंकेथ्याकाहिऊटाऊं
एकअंगधरोहियकीफूटीरीरतनपहारिघरा·
ऊं सुरदासवैषटदरसनहौंवारहघरीपटा
ऊं १९१८ सारंग मैंसमकाईअतिअपनोसो
तटपिउनैपरतीतनउपजीसवैलष्योसुप·
नोसो कहीतमारीसवैकहीमैअौरकहीक
छुअपनी स्रवननिवचनसुनततभईउनकें
ज्यौंहूतननाथैंअगनी १ कोऊकहौवनाउप
वासकउनकीवातनजपक धनधनब्रज·

नारिवाइरीजिनकेंश्रीरनटेक टेषतउन॰
कोश्रेमउहांकेथरेरहेमवऊल्यौ ह्वरमा॰
महैंरल्यौथकौसोज्यौंमृगवौकाभूल्यौ १९
१९ मारेग कोऊस्वनतनवातहमारी माने।
कहाजोगजाटवपतिश्रगटप्रेमव्रजनारी
कोऊकहतहरिगयेऊंजवनसेनथामवैरे
न कोऊकहतरेहवरषानकिगिरिगोवर
धनलेत । कोऊकहतनागकालीस्वन
हरिगएजमुनातीर कोऊकहैगएग्राम
स्वरमारनलियेसंगवलवीर कोऊकहत
गवालवालनसंगषेलतवनहिलकाने स्व
रसमरिगुननामतमारेकोऊकत्योनमा

स्रा नैं १८२० रागनट हरिहौं अहरराव टेरहार्यौ
सा अबाभंगहोइक्यौंमोपैवचनतिहारौपार्यौ
६९४ हारमानिउटिचल्यौटीनहैमानअपुननतन
694 षेट जानिलियौघोरमैंवड्तोप्रेमनरोकैं·
वेट १ ऊतरकोऊतरनहीं आवैतवउनहीं
मिलिज्ञान मेरीवातकहांअवलाहूअरधव
चनमैंमात अपनोटेमज्ञानमनहींमन·
वल्यौवसीटीतोरि हरपकहेंअेकनका·
वीमैंटेषीटकटोर १८२१ केदारा मैंजन्नहीं
हीकोजन्मभयो परगयोउनकेप्रेमकोसमैं
तमहेंविसरगयो तमसोंममकरिगयो·
होउहांवेगकल्यौहोआवन देषतहोंउन

हीमोहूँरहौलगयौउनहिमिलगावन । स
सुकपरीषटमासवितीतेंयहैविचारनला·
गौ सूरअनेकहीदैगोपिउसोंअवनमूंदउ
दिभागौ १९२२ सारंग व्रजकेविरहीलोग
विचारे बिनुगोपालथकेसेडोलनअतिउ
रवलतनकारे नंदजसोदामारगजोवत ।
निसदिनसांकसकारे चहूंदिसिकोनूंको
नूंकरिदेरतअमवननवलतपनारे । गोपी
गाउसषासवदेषेअतिहीदीनउघारे सूरदा
सप्रभुविनयोंदेषतचंदविनाज्योंतारे १९२३
रागसारंग दिनदसघोषचलौगोपाल गाउ
निकीअवसेरमिटावौमिलौआपनेग्वाल

सूर
सा
६९५
695

नाचतनहींमोरनाटिननेंरटननवरषाकाल
मृगहूवरेतमरेदरसनविनुस्रवननननवेनुर।
साल १ वृंदावनहरयौहोतनभावतदेष्यौ।
सामतमाल सूरदासमैपाइनाथहैवरव।
लिदैगोपाल १८३४ श्रीमुषवचन रागधना
सिरी ऊधोमोहिव्रजविसरतनाहीं वृंदाव·
नगोकुलवनउपवनसघनकुंजकीछांहीं
प्रातसमैंमाताजसुमतिअरुनंदटेषिसुषपा
वत माषनरोटीदह्यौसजायौअधिहितसो·
जषवावत १ गोपीग्वालवालसंगषेलतसव
दिनहसतसिरात सूरदासधनिधनिव्रज
वासीजिनसौंहितजदुनाथ १८३५ रागविल

वल ऊधोजोजनमहिनविसारततिन्हिनवि
सारेंपकचरी मेटोंजनमजनमकेसंकटरा
वोंसुषग्रानंदभरी जोमहिभजेंभजोंमैताकों
यहपरमतमेरेपाउपरी सदासहाउकरौंवाज
नकीगुपनइतीसोप्रगटकरी १ ज्योंभारथ
भरहीकेषेड्रागाषगाजकेघंटनरी सूरजदा
सताहिउरकाकोनिसिवासरजोजपतहरी
१९२९ इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कं
धेसूरदासकृतोसप्तचत्वारिंशोध्यायः ४७
ग्रथऊधवजागृहप्रवेसवरनन रागपरज
मनकवल्लभश्रीजाटवराउ जेहकुवरीकेप

सूर सा ६५९ गिधारेजातपांतविसराइ सूरनभागमानि।
696 तिनअपनेचरननगहेउठिधाई सूरनरहीनहीं
देहगेहकीआनेंदउरनसमाइ १ प्रभुगाहि।
वांहिपासवैठारीसोसघकलैनजाइ सूरदा
सप्रभुसदाभक्तवसंकगननननहिगाइ १९०
इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेसूर
दासकृतोअष्टचत्वारिंशोध्यायः ४८ अथअ
क्रूरगृहप्रवेसवरनन रागपरज भक्तवछ:
लवसुदेवकुमार चलेएकदिनसुफलक
सुतकेंपेंडवहेतविचार मिलैपासुखपाइपाइ
सुधिमगमैंवारवारपरिपाइ गयोलिवाइ।

सुभगमंदिरमैंप्रेमनवरन्योजाइ १ चरन
पषारयारजलसिरपरधुनिधुनिदृगनल·
गाइ विविधिसुगंधचीरआभूषनआगेंध
रेवनाइ धन्यधन्यमैंधन्यगोहममधनिय
निभागहमारे जोप्रभुसुनध्याननहिंआवै
तिनममगृहपगधारे २ प्रभुतवमायाप्र·
तिप्रसायहैलहिनसकनकोऊपार दीजै
भक्तप्रनन्यक्रुपाकरिहोइसुममउद्वार प्र
भुजिहिंकाजप्रभुपगधारेकहियेसोऊवि·
चार करौंनाहिमैंनमरीक्रुपातेंआउसमा
चैधार ३ यहप्रक्रारसमाजोसुमिरेसौषैम

सूर
सा
६९७
697

तैरूगावै ग्रर्थधर्मकामनामुक्तफलचार
पदारथपावै हरिजूकलोमनोरथतेरोक
रिहैं श्रीभगवान जोजावतसोईसोपावतहै
यहनिहचैजियजान ६ तुमजानतहोप्रं·
डवकेसुतहैंग्रनिहितूहमारे करपतिग्रंथ
मोहिवसतिनकोंदेतसदाउषमारे तातजा
इउनकोंतुमभेदौहमरौकसलसुनावहु
वहुरौंसमाचारसबउनकेलैहमपैचलग्रा·
वहु ५ यहहकहिसाधमरामकधोमिलग्रप·
नेभवनसिधारे सुफलकसुतग्राइसभा
घेंधृतिपंडवसुहपगाधारे पहिलेंकोरवप·

तिन्हसों भेटे शुनि पंडव गृह आए पकरे वरन
ऊंतीके शुनि शुनि सब गहि हियरें लगाए ९
ऊसल भांषि सब जादव ऊल की शुभ केक
है संदेस भयो परम संतोष मिलन तें मिटे
सकल अंदेस ऊंतीक ह्यो स्याम सों कहि·
यो है मैं है सरन तिहारी ऊरुपति अंध मोह
पुत्रन कों देत सदा उष भारी १ शुनऊरप
तिसों मिल सफल कसन कल्यो वहुत स·
सफाई चार दिवस के जीवन ऊपर त सक
न करत अन्याइ अन्याई को वास नरक है
यह जानत सब को इ गर्व प्रहारी है त्रिभुव

सूर
सा
६९८

नपतिजोकछुकरैँसुहोइ २ ऊहपतिक
हैमैंहूजाननहोपैमोहितनवमाई नम
698 स्कारमेरोजदुपतिसोंकहियोपरिकैपाई
सुफलकसुतनमवकथानहोंकीश्राइसा
मसौंभाषी सूरदासप्रभुसुनिसुनिनासोंहू
दैश्रापनेराषी १९२८ इतिश्रीभागवतेमहा·
पुराणेदशमस्कंधेसूरदासकृतेऊनपंचा
शतमोध्यायः ४९ ॥

ग्रथनगासैंपिनद्धवनेव गगमाह् स्याम
वलगमजवकेंसमासै हनिजगसैंपा।
ग्रापतिग्रमनवरनैनेजद्वहितकरकग्रप
नोहंकासै नोरलग्रवलसोवसैंमग्र
गग्रीमसोभगवानजवनिकरग्रायै।
नवरोडवीरहृमानिरलग्रापनोनगरनै
निकसिरनभूमछायै। रोडहिमसभट
वोकेनिकरग्रनिजेरमनोडहृहिमचराउ
मरिग्राई सरग्रभसेंघ्रनिकरनजेया।
सकलजहानहांकरनलागेलगाई।८२५
गगमाढ् मानोमेचचराग्रतिवाढी वर
घनहूरवानसैनापामहानदीरनगाढी

स. ८ ६५५ 699

वरनवरनवारदरवेनेनअहदामिनिकरक
रवार गरजनिसानघोरसंघरवदूयगा।
नंदीसविचार १ ईउनपूरिफरवारस।
हूंदिसमलमक्लिजलधार प्रगारनदु।
नंदेषितरवससिरोरुवसदेवकुमार कें
नरकुलगिगानरथीरथश्रोनितसलिल
गंभीर घजघनरंगभौंरीसंदूनपरजल
चरसभटसरीर २ ईउनधुजापताकछ
त्रसथनरवरलोटनतीर परमनिसंकस
मरसलितासघकीउतिजाटववीर सू।
नेभयेपानभूपनिकेसवसकियेसरलो
क प्रानंदेमधुवनकेवासीगनीनगारके

लोक ३ छिनक मध्य हरि हरे कृपा करि
उन सब द्रुन के सोक जरासंधि कों जीत।
सुरग भू प्राप अपने श्लोक ४५ सारंग बा
र सत्ता रहि जरासंध चढि मथुरा आयौ ग
यौ सब रहि हारि जात चार बडून ल जा।
यौ नव विसार कै काल जम न अपने सं।
गला यौ हरि नकसौ विचार सिपुतर।
नगर बसायौ १ उग्रसेन सब ऊंट बैले।
नाटैर सिधायौ अमरपुरी तै अपिक स।
भ सब लोग न पायौ कालजवन अचकंर
सो हरि भसम करायौ बद्री आश्रम अव
लि पुनाहि जरायौ २ जरासंधि द्वांनेव।

स्‌ ह्वातिजनदेखिसिधाये। स्यामरामसगपद्धार
र कासुरजनसगाये ।९३। इतिश्रीभागव
तेमहापुराणेदशमस्कंधेपसुरदासकृतो।
पंचाशत्तमोध्यायः ५० द्वारकाप्रवेस ग
गैगोरी देखिसषीआजुनैंनभरिहरिकेर।
थकीसोभा जोगाजननतपन्नहतोरथपह्
तकीजननहैंजिहिंलोभा वारुचक्रमनि
षचतविराजतचंचलचौंरपताका सो
भितछत्रमैंगासासिप्राचीदिसप्रगटभयोनि
सिराका। स्यामसरीरसुदेसपीतपटसो
भसुकरदेउरमाल मैंगदामिनिद्युतरविदेउ।
इगनरवेउदनपकरीकाल उपजतछ।

विग्रनिग्रथपारसंषमिलिस्हनिपनस्वरा।
प्रंसम मानोग्रहनकमलमंडलमैंक्रुजा।
नहैकलहंस २ ग्रानंदननरनारिनगरा।
केवदनविमलजनसगावन ह्ररदासहा
रिकानिवासीप्राननाथप्रभुपावन १३२
इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधे
ह्ररदासकृतोपकपंचाशत्तमोध्यायः ५१।
ग्रथ्हारकाकीसोभावर्नन रिनहागव
निरंघनस्रावन नारदारिसनकादिमहा
मुनिनेहगगरिनप्रतिउपजावन केचन
रचिनसानपारटनछविमनिमयमंदिरा।
वनेवनावन जितेतितेनरनारिमीनघा।

म २ ७०१

701

गामवद्दीके प्रतिबिंबदिप्यावन । जलय
त्रंगभया विचित्रविपिनअवलोकनम्रानं
दूवद्दावन विनैरहैचितचकुन्तचक्नरवि
नेवालकद्दनकलुमरमनपावन धाम
धामसंगीतसरमगतिवीनावेनुमृदंगव
जावन श्रुतिस्थानेदूप्रेमप्रलकितनतज
होतहांनद्रुपतिजमगावन २ वनउपव
नफलफूलसभगमरमकमारिकाहैस
पाएवन चातकमोरचकोरवदनपिक
मनोमदनबदमारपद्दावन निमिदिनर
द्दनविमानद्रुहदिविमरवननामवसंगलि
येश्रावन मरम्यामक्रीडतकैातद्दलग्रमर

निभवननभावन ॥९३॥ इतिश्रीभागवते
महापुराणेदशमस्कंधेसूरदासकृतोहि
पंचाशतमोध्यायः ५२ रुकमनीविवाह
विचारकथा रागविलावल हरिहरिह
रिहरिसुमरनकरो हरिचरनारविंदउर
धरो हरिसुमरनजबरुकमनीकर्यो ह
रिकरिकृपाताहिनवबस्यो । कहौंसुक
थामनोचितलाइ कहेसुनैसरदैसुसपा
इ ॐदलपुरकोभीषमराव विस्नभक्तिको
तिहिंमनचाव २ रुकमअग्रादिताकेसुत
पांच रुकमिनिपुत्रीहरिरंगराच नृपतिरु
कमसोंकह्योबनाइ ॐवरजोगवरपुत्रीजउइ

म ३ ३ रुकमनिसाइपितासौंकही नइप।
२ तिव्रजनेनाचारतमही रुकमिनिकोंसि।
सुपालहिरीजै करिविवाहिजगमैंजसली
जै ४ यहसुनिनृपरानीसौंकहै सुनि।
नाकोअंतरगनरह्यौ रुकमचंदेरीविप्र।
पठायौ व्याहकाजसिसुपालबुलायौ ५
सोईवातजोरिनहंग्रायौ श्रीरुकमिनि।
केमननहीभायौ कहैसामेरेपतिश्रीभग।
वान उनहिवरोंकेतनिहौंप्रान ६ यहनि
हवैकरपत्रीलिषी वोसोविप्रसहजउका।
मधी पानीरैकसोवचनसुनाउ हरिकों
रैकहियोयाभाउ ७ भीषमसुतरुकमि

२०२

नीनाम सहजपनिनिमहिननवनाम ।८३४
रागसारंग हिजपानीटैकहियोसामहि
केरनपुरकीऊंवारहकमिनीजपनिनि।
हायोनामहि यहलैनाइहायकानगरी।
नेरनेरनकेपामहि केवनचीरपीनांव
रैहेहोंकारकेकननरनामहि । यहसि।
सपालग्रसवग्रतानीहरनपाईवामहि
सरसमग्रभुतमरोभरोसोलाजकरोकि
नग्रपनेनामहि ।८३५ रागकेदारा पानी
दीजैसामसनानहि मुठअंरेससना३।
दीजियामोरदीनकरजानहि श्रीहरिजे
हकमिनीलिषतेविनयसनोपरिकान।

स्तु हि वाचनवेगग्राइजडुनाइकथयौजानहि
८ मेरेप्रानहि। समुझतनोंहिदीनदुखको
२०३ डुसिंहकोभक्तिमिगालकेषानहि मनक
203 रकरकोंटेतमूठमतिमृगमरतजमैंमा।
नहि कवलोंदुःखमहोंटरमनविवुहीन।
मीनविनपानहि माराममभुमपरहि।
पापरवरषिटेझजियटानहि ८३८ विला
वल छिनकहियौंजडुपतिसोंवात वेदा।
विरुद्धहोतकेरतपुरुहंमग्रंमकागानिय
गत जिनहमरेगुनदोषविचारोपानोलि
धीमेरगुनताम कृपाकरोउरविगिचौ
रथलगानसमैंग्रावहूपरभात। ननम्रा

कासममैंतीनसमकोउपजिपरीतातेंयहबा
न कुसलसिंहबलदेहनमारोलैवेकोंसि
गालग्रक्रलान तातैंमल्हिनवेगपठायो।
परमसरनागजान सरदासमिसिसपाल।
पानगहेंपावकरचोंकरौंग्रपज्ञात ॥१२॥
बिलावल छिनकहियोहरीकोंसमुझाइ
हेकनस्यामसिवकेभोजनडुबलदेहिंछी
नेघाइ काहेकोंहमनपत्रनकोयोनमा।
रसीतनलनहार मरमतनगयेलाजतमढी।
कोहेंमभागकागलियेजाइ। वैकहिय
नैहैंमकलसिरोमनमवकेठाकुरजारवो।
गइ सारदामप्रभुप्रवपमिटेतेंप्रानगयेंक

स ८ २०५ हालैहैहोमार ॥९३८ रागमारंग हैंश्रभुजन
मजनमकोचेरी भीषमभवनरहतिरहो।
नीसैंसेवधकथ्रमरामसवङ्कनमिलवेरी श्र
तिसंकरहिजनवेगिपठायोकहलोंकहैं
कहेंवङ्कतेरी श्रातकालसिहपालकाल
तेजउपतिश्रावैनेकमवेरी । कजुविपरी
तवानतरहीश्रावेउपजीरीतयारहगजकेरी
सुरारामसश्रभुकृसलनृपतिवितश्रानपयान
करतपहटेरी ॥९३९ रागजैतसिरी श्रेहो
हिजवेगिधावनकाहिपठवोदारकालों।
नाउ कंटलपुनवशोहातश्रजगतस्यालयो
कोगाउ हकमवीरविवाहहामोगानतपि

नानमार दीनेवनकहे विविपिसों पत्र ले
खेतुरार । लगनसोपि विवाहण्याम
वनलीपशुजार इनपर सिवपाल ग्रायो।
नरासेपि सहार हंसकों मैं ग्रेमगख्याका।
गकननिपरार गहरवाहनकुलस ग्रावक
सरबलिबलिजार १६४ विलावल नैस
ननकीपिजननजार ग्रेगीकारकरी प्रभुमे।
रोसननह विहारीरार नारपत्र परर दियाल।
गनलिखि विनयकरीजदुवार नीतरमेरी
मरनहारगोग्रसहरलुवैगोग्रार । राजकमा
रमविननिजग्रपनेकरमीडेपठ्ठनार सर
रामप्रभुकोरगग्रावेसेनपुजाफहरार १६५।

स्व गगसांग सषीरीपरहोंइनौउरिजांऊं
र नहांवहवसननेरकोहोहाहूंहिलइसो
२०२ ईगांऊं कीजेकहाभईनोग्रसीकहीनो।
207 बिषफलषाऊं हिरैमोरेवाजरतहैगा।
हेरेनीरयनहाऊं । बेपुवीरकहियोजनइ
पतिसोंहाहीनहीहरहाऊं हरहासप्रभु
प्रभुरविवाहीपरनीफांरसमाऊं ।४४।
मलार मननहरिहकमिनीकोसंदेस ।
बढिरथचलेविप्रकोलैसंगकियोनगृ।
हप्रवेस वारंवारविप्रकोपूछनऊंवा।
वचनसुनावत दीनवेपुककरुणानिधान
सुनिनैननीरभरिआवत । कहोहलधर

सेंग्रावहूरललैमैपङ्कचनहोंपाई सारन्।

प्रभुजैरनग्रग्रायेविश्रहनाइस्हनाई ९८ ५२

रागविलावल जैवारहनपायोश्रतिश्रा।

नेर मनहीमनमहविचारकरतहैकबमि

लिहैंनेटनेट हारचीरपाटेंवारहैकैविश्र।

हिगेरहपठायो पेयरहभेटरफकमनीमिज।

मुषकाहूकरहनहनायो । हरिश्रागमन

नानकारिभीषमग्रागेलैनमिधाये मरहा

मप्रभुटरमनकारननगारलोगामवग्राप ९८५४

रागनट देषिश्रुपमवननगारलोगा वारंवा।

रग्रसीमरेनहैंहरिवरमैमाफकामिनीजेगा

नोविधिकरिजाननचतराईग्रोरसमऊज

स्र गकोरमरीन तोश्रनहूंपहगनमननाको।
र लैजैहैमिमपालहिजीन । नेनेचलेति।
७०८ 708 लककोंउनकेनेनेनिरषिकैहूंपवान ला।
गननपलकचकोरचेंहमैांश्रविलोकन।
लोचननश्रचान मनमाकोरालाश्रनहै
गहउपिवरवमरेवऊमार मरामनाके
नैमोमनताकैंनेमोरेनथ्योहार ।२६५। वि
लावल मोचपोचनिवारीउहिरेषिरीन।
रपालप्रायै निरषिलोचनविपतिमोच।
नऊवरिफलवेंखैामपायै मननमन।
नभई श्रऊलारहाहीमैां मृनकमपुरेजि।
वायै चहिमरनवावरनकोखविनिरष

हानवैंतुकायो १ लैवलाइन्नहियलगा
योहृदषिमेंगालचारगायो नैंनअमारतीश्र
रचग्रांसभेरननमनपनवहायो ज्ञाति
हैंनडुनाथनिपकीकियोसोजोनमैंवता
यो प्रचहृनगुनिपरनवमहीरनाति॰
हैंकिहिनेोगभायो २ कृपासागरगुन॰
निग्रागारहासितुघरिनंहीवहायो भक्त॰
केवलभक्तवत्सलविदुरसातसागपायो
मुरितहिंगणयोगारीमेंरिहिजोरकरवक्रवि॰
धिमनायो प्रगारितिहिंछिनसाकेप्रभु॰
ताहगाहिकियोवामभायो १८४८ गगा॰
माउ ककमनीरेवीमंदरग्राई भूपदीपष॰

मु नामामग्रीग्रालीसंगमवस्नाई रुखवारीकें।
२ वह्नतमह्ामभटदीनेहकमपढाई नेमवसा
२०९
वध्यानभपवङ्केरिमनिनहिंनह्ांपङ्कचाई ।
ऊंवरमैगारभ्रुजिकरीविननीवरटेङ्जाट।
वगाई मैंभ्रुजाकोनीइहिकारनैगारीह।
नमुमकाई पाइभ्रमाटश्रेविकामंटर।
हकमिनिवाह्रग्राई हभटटेघमंटर।
नामोह्रेपरनगिरेमुरकाई २ इह्रिग्रेन।
रजाटवपनिग्रायेहकमनिरथ्यैवढाई ।
मरजभ्रभ्रुपङ्कवेटलग्रपनैनवमभटन।
मपपाई ।१४। माइ स्यामनवहकमि।
नीहृरिमिपाप मनिजनामंपिमिमपाल

पाप सालंटेनवक्रवानारसीकोनूपनचा
हेरलसानिमनुग्रभारह्वाप सोंगकीजल
कवहूंरिसिनचपलाचमकगजनगरजनमा
ननहिगाजउराप १ स्यामबलरामसहिपि
पाइमनमुखभपवानवरबालगेकरनसा
रे हकमिनीभयकियैयोस्यामधीरजनदियै
वानसोंवानननिकेनिवारे रामहूलमुस
लंसेभारिथायैयोवङ्गरेपलिकैरपसभरमा
भसेंचारे हेउभककेउपुकियुकिपरेयरन
परगिरनसैंपंवेगिकरवज्रहारे २ जगासे
पिनीवलैभसैयारनषेननैसालंटेनवक्रया
विपिपाप प्रानकेसमैंसौंभानकेडरैनें

स सबैहुजानतहैगननमाय कह्योभगवान।
ट सिसुपालकोंजीवनैनाहिंसोंवचनयावि।
७९ पिउचारे पुहुपकोंमानिवैनेमानैहैभलो।
210 नाहमालोकह्योरेउचारे ३ वङुरिभगवा।
नसिसुपालकोंछाडिदियोगयोनिजदेस।
कोंसोषिसयाई सहुपनछाडिकेमानिन।
रपनिगयजारवनिपैसहोरिपलटाय
हकमयदसनिचलोसोंरूकानृपतिसों।
सामवलरामकोंवोधस्याडें ग्रा३३होक
ह्योसिसुपालसोंआपनोवलनमेंश्रवग्राप
नाहिंयाकें ४ वानवरषालैयोकरनयामें
नकहिकृसनजुतिनैंछिनमेंनिवारे आपनै

वानसैंकारपुजनहकसकोग्रसयग्रहसाय।
थीनरतनमारे हकसबडुवोलैंनहूहरी।
मैंकियोहरिसकलशास्त्रनाकेनिवारे ब
डूरषिसपाइभगवानकेहिगवलैसोजैंाच।
लेपनेनारीपकनिहारे ५ सडुगलैनाहिभ
गवानमास्नलगैहकमिनीजोरकरवि।
नयकीना होसइनकियोसोसोहिक्कमा।
कीजियेभइकरसीमजीरामनहीना राम।
ग्रहनारवनसभरतनाकेहतेहथिरकेनी।
रमलनावहाई सभरमत्रुसकरग्रहके।
समिवालसेंपत्रुषसह्लचर्मक्रूरसवनाई ८
वडूरिभगवानकेपासग्रायेसकलरेषि।

स्तु
८
७११
711

कैहकमकैंांहेममारे कह्योभगवानमोंक
ह्यायहकियोतमछाडिवैनभलाइनोमारे
मुपनैंग्रपमायाग्राइनाकेंावरनभाजिहैंहैंरहि
ग्रपकारननारे प्रभुतमारोमारमहकमना
मैानहींछाडिहींजैयाहिग्रवमुरारे १ हा
कमसिरनाइयाभांतिविनतीकरीहइवि
धिमरमतमरोनजामैा प्रभुतमग्रनेना
तमतमहिकाननकरनमीनकैांभांतित
मकोपछामैा दीनवेधूकृपासिधुकरु
नाकरनमतिविनयरयाकरिछाडिरी
ना वद्धीनिजनगारपहुंचानमोलागक
ितंहीपुनिग्रापनोवामकीना २ ग्राइ

भीषमहिंयोगानलताहौरकोध्यानमग्नानेंद्र·
सहितगुरसिधाय सननह्यागावतीमांहि
उग्रमवभयोमहाजयमंगलाचारगाय १९४

इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधे
महारासकृतौत्रिपंचाशत्तमोध्यायः ५३

रागधनाश्री देषनदौरिद्वारिकावासी
कहतसकलप्रभुजीनरुकमिनीलैआय
जदुपतिग्रविनासी नगरनिकटरथआ
नआगमनेकेंचितकेसबसीसटोहुगासी नर
नारीकेहगचकोरभयेचातकवरषाध्या·
सी १ सखिश्रावतीसकललैदौरीचीनूपर
नकुलवधूनटासी देसटेसभयोरहससरा

स श्भुजगामेंपिसिसपालकीहोसी ।९४५५
र धनासिरी आवहुरीमिलमंगलगावहु ह

रिहकमनीलियैंआवनहैंयहआनंदनउ
छलहिसनावहु बांधहुबांदनवारमनो
हरकनककलससवनीरभरावहु हय
अछुनफलफूलपरमरुचिआंगनवेद।
नचौकपुरावहु । कदलीनूपअनूपऊ।
समरलसवसंगमनमंगलछावहु ह।
ररहवकेसरमगछिरकैओभेरमृदंगनिसा
नवजावहु जगामेंपिसिसपालश्रौरनूप
नीतेहैंउदिआववववछावहु वलसमेतत।
नरूसलसरधभवारआपआरतीवनावहु

१९५· रुकमनीमंगल रागमहाबिलावल

श्रीजदुपतिआइनआया पतिरुकमिनी

हरिबरपाया हरिश्यामघननननपरमहे।

दसमुदितवसनविराजई अंगभूषनसुरम

सिधनकलामनुराजई। कमलमुषक

रकमललोचनकमलमृदुपरसोहई क

मलनाभकपोलमेंदांतेषिमरसुनिमोह

ई सुधानसवरचितुकअनूपम ग्रीवकं

पोलनासिकाकीरसम २ कीरनासाईद

पत्रभवभौंरसीअलकावली अधरविद्रु

मवज्रकनदाडिमिकिधोंदसनावली भो

रकेसरअवनविराजतितिलकमृगमदको

सू
द
२१३
213

रियै कामरूपविलोकमोहीवामपरसु।
भुजकियै ३ बहुदेवनंदनत्रिभुवनमन।
हरन मुकटनफनमुनिमकरकुंडलकर।
न मुकरकुंडलनदिनतहीगालालसोभाप्र
तिवनी पन्नापिरोजालगेविचविचहे।
रिमलरकनमनी ४ मेहरासिरमुकत
लरकोकंठमालाराजई हारपहुंचीहा।
रकनकनदिनमुद्रविराजई उरवैजंतीसो
भाप्रतिवनी चरननिनूपुरकरनरकिं
किनी ५ किंकिनीकरचरननूपुरसहसे
रझुनई कोकिलाकलहंसवालरसाल
तिनैनपूजई तीनाजननविनावाजननचप

लचपलासीहरी जीनजरिनजणवपाघर
लगीसवमुकतालरी ८ चैहेनउनेरनव।
ननवनाइकै सानिवगानवलेजाटवजा।
इकै वलेसानिवगाननाटवकोटिनेनश्र।
निवली उग्रैसैनवसहैटवहलपरकरनम
नमनप्रतिरली ९ संघभेरनिसानवाजें
वाजेनेविविधिमहावई भाटवोलैंविर।
रवारकहैंवचनमनभांवई सरपतिश्रा
यैश्रागुनसंगसची सोपिमुहूरतवोरी।
विधिरची ८ रचीचौरीश्रगुब्रह्माजरित
घंभलगाइकै हहसरवरनीसहितवैठे।
नेहासुघपाइकै चौंकमुकनाहलश्रगथ्यो।

स ग्राइह्यैवेहेनहो · निरषिमहरनरसकल।
ट मोहेरदिगपजनहकेनहो ४ ॐवरमहक।
२१४ मनिकमलाग्रवनरी मसिघोरशकला।
714 मूरनमहननतपरी ॐवरममसिघोरसकला।
सिंगाकरिलमाईग्रली वेदविधिकियोग्या
हविधिवमहेवमनउपजीरली ५ मरप।
हूपवरघैंहूरषिगंपर्वकिउरगावहो म।
रगनारटमजनमउल्वारनमविनतुगावहो
विप्रनगोरीनीवहूमरनजगनकोर कि।
येप्रनाचीजाविकजननवहूरि ॥ वहूरिनि
नमेरवस्मिथांरेकरीमभराग्रारनी देवकी
पियोवारनीरटंइग्रसीमनिहारनी जवा

न्नवतिषिलाइक्रलमैंमोहारसकलकराईयो
अन्ननमनभयोअनेटहूषिमेगलगाइ।
यो ।१५। सोरठगारी नहूगारिकहाकहि।
दीजै वधूनुगनामकौंनकोलीजै वधूनुग
लकाकोनामलीजैजानतैमानननजानियै वि
नरूपविनअनुहारअौरकौंविधारवपानि।
यै । सवसखिरहीनहिमोथिपावैंजोहनै।
कहाकीजियै वलिजोंवजारवपतितमा
रीगारिकहाकहिदीजियै तेरीमाइसकल
नगषोयो सोकोअनुमिलनविगोयो २ सो।
कोअनुमिलकरनाविगोयोफिरतिनिसिवा।
मरवनी सिरसेतपटकरिनीललहंगालाल

स्त बोलीबननननी अतिमंदसुघमुसकानिसर
८ नरनागभुजभीतरलिये बलिजांबजार
७१५
715
बपतितिहारीमा३कलविननमकिये ३
कछुकहीनजा३गतिनाकी निलहिदत
मदनमदछाकी नितरहतिममथमया
छाकीनिलजझबछोपैनहीं नादेषिदेष
नछैलछोभनविकलह्वैधावैनहीं ४ नेप
रनउहतअनेकउरझतमोहअतिमनसाग
री इरिभांतकथाअनेकनाकीकरनहू
नपैरकही बहुनितनूतनरातिजोरै चित
चितबनहींमैंचोरै ५ अतिचाहचितवनि
चितचुराबेबलनअरुपीरजदरै फिरचम

किवैं पिलगाइ वेंचलनेहू नितप्रान्तरकैरे
वाभौंहूकीह्व विनिरषिंनैननिकोन्त्रन।
नेनाटै रे इहिंभांतवनाभ्जानसमयिन।
सकनिसवसौंरनकौ ६ इहिंभूलेसवमो।
गी वसकीनीव्रालनजोगी वसिकियेव्रा
लनश्रीरजोगीह्वजपनिकेनककहूं श्रेग
गनगकेजीवजलथलवेंकसूटनसपिल।
हूं ७ नेपरमप्रान्तरकामकान्तरनिरषकै
नकनितनप इहिंभांतनिसिरिनसंगवा।
केफिरनभ्रमभूलमप ग्रवनमहोपरमस
याने तमठाकुरसवजगजाने ८ सवना
केठाकुरकृपानिधिसनसकुलसवगाइये

स्र ८ ७१६

716

लोककेउपदासमकरनवरज़िनाहिमिराइ।
ये यदककहीभलवूफमाथवश्रीरश्रेतन।
मफ़र्द मनमरस्पामम्वजसिरहिज़ुलग्र।
वनश्रेमीवूकर्द ॥५५२ इतिश्रीभागवतेम।
हापुराणेदशमस्कंधेमरारदामकूलीचत।
पंचाशत्तमोध्यायः ५४ श्रथप्रद्युम्नजनम
वर्नन रागमारू प्रद्युम्नजनममभवरीलि।
यो कामश्रवतारलियोवदतपदवानज।
गनामममनवमनहिप्रपवियो इथीपरम्र
मारसंवरभयोश्रतिप्रवलतिनममुदमो।
हितिहिग्रविरीनों मछलियोमछमोमछ
मछवीगसोग्रमारपनिकोंमलैभैंटकोनों

मछ्के उदरतैंने बाल प्रगट भयो असुर कामा।
वती हाथ परीनो कह्यौ यह काम परनामते।
रो श्रुहष वचन नारद मिर रति मलीनो भ
यो जन बन हनन तब नारि नासों कहौ ह कामिनी
मात ह्रीनाननेरो नाम ममरति वरन वा।
तेजानन जगत का मन तब नाम ते श्रुहष मे।
रो २ असुर कों मारि परवार कों दे दिम घट
डे विद्यानो हि मैं बनाई विना विद्या का हिनी
न समकै है न ही भेद की बात सब कहि मनाई
अथ सकल विद्या समुझि नारि सों असुर।
सों जुद्ध मांगे पापचारी का हि करवार लियौ
मारता कों नारन सुर निशाका मसैनेपुन उचारी ३

स्क वह्निश्याकामसमगजारहाणवतीमानमोर
द श्रुतिर्हीवद्धायै भैयान्तवेसश्रुतिरहसमा
७१७
त्रुजनसभयैसहजनमंगलाचारणायै ५४
717
इति श्रीभागवते महापुराणे दशमस्कंधे स्म
रहस्कृतौ पंचपंचाशत्तमोऽध्यायः ५५ जा
मवतीसत्यभामाविवाह मा२ हरिर
रसनसत्राजितश्रायै लोगनजामौश्रारि
नश्रावनहरिसेंनारसनायै हरिकैश्याश्रा
वतैहसत्राजितमनिहैनाकेपास रविप्रस
त्रैहहरीनीताकैंयहनाकोपरकास । श्रा
रगयैयामाईनिर्हिश्रौमारहरीनिर्हिकसौसना
र परमतिश्रतिश्रनूपरैसनिरसौरैनसको

ललवार १करविननामस्यवजलैसामनिग
यौग्रेषटककाजा नाकेंमायसिवमनि।
लेगयैसिवहमैारिवगाजा २ रिवगाजव
हमनिलासोलैजमुवतीकैंहीनी जवश।
सेनकेंविलेंवभईनवसत्राजिनसपिली
नी जहांनहांकोलागपठाधेकहूंषाजन
हीपायै नवलोगनसैांकहनलगैपाजउ
गजनाहिमरवायै ३ हीयहमननगा।
पवावनमैंविप्रसेनमृतदेषा सिवषा।
नवह्रींनहपायैसिहवह्रामृनलेषा
वह्रींजामुवेंनपागदेषानहांजाउजदुग।
१ हारसहिवसप्रवपग्रावनकिहिविल।

स मैंपेहेपाई ४ जाणुंवेनहिनबीसचारलोग।

ट हूकियैयानवजामैं हाथजोरकारिअस्तति

कीनीमैंनमकोंपहिचामैं विहसिकसा

718 जारवपनिनामैंमनिकारनमैंग्रायो जा।

मुवतीसमेतमनिरैपुनिग्रपनोरोषछमा

यो ५ सुगकेलोगग्रवपिकेवीतेकस्योन

गरमैंजाई मातपिताव्याजलहेपापमग

मैवहेग्राई मनिसज्ञाजिनकोंश्रुरीनीर।

स्यौसमीसनिवाई समभामासमेनलेग्रा

योमनकोंहरीसिरनाई ६ श्रोरवहूनराय

नहीनेउनकीविवाहस्योंहार भयोपरमा।

ग्रानेदउहूंरिसमेंगालवारग्रपार मनिता

कीनाकोंफिरहीनी सजनसजनगातमैंछायौ

श्रीगुरुचरनप्रतापसजनसपरसुरसरदासजन।

नगायौ ।१५४ इतिश्रीभागवतेमहापुरा।

णेदसमसकंधेसुरदासकृतौषष्टपंचाशत

मोध्यायः ५६ रागसोरठ सुकदेवकह्यौ।

तसुनोहोराजा ज्ञानीलोभकरततहिंकब

हूंलोभविगारतकाजा कहिकैलोभग्रमृ।

तजोपीवैविषसमानसोहोई विषग्रमृत।

हैज्ञानतलोभविरुधपरज्ञानतसवकोई ।१

कसमैंजडपतिभ्रकहलपरपंडवगृहपगया

रे सतपवाग्रहसफलकसतनमिलिकीनों

मंउविचारे सत्राजितकोंहतिमंलीजैमैं

स
ट
७१९
719

गोनैंनहिंकोई ग्रेमासमैंवङ्गानाहीफिर।
पाछैहोसमहोई २ निमिश्रेपियारीनाइस।
यसंतानहिमातिमनिलायो फेलगईयहवा
ननगरमैंनवमनमैंपछिनायो सनभामा
कासोकपिताकोजनउपामसिपाई सनय
नाकरननकरीमोहरिसोंजाइसनाई २ ह
निजउपनिहलयाउहयापनैंकविलंवन।
लाई लैहैंवेपितानैंकोजैहैकहांपाई
नवमनिशरिग्रङ्कुरपामसवहमिथलापुर।
कैंपायो सनजोजनमगपकरिवसमैंन।
सननाहिपहुंचायो ४ हागावनिपटननहीं।
मैंसवलेगनकहोजनवाई मिथलापुरीजा

इनिर्हिमाहौपैमनिउर्हंनपाई नवर्हीक
हौरहमैविनहृषनहलपरभेरवनायौ उर्हं
नारुषानननमकीनोर्हागवनिर्हीपायौ ५
हलपारहेगरानपमीषनहीर्हागवनि॰
घाप सनमामामनहरषभयौनवसमा।
चारपपाप सुफलकसनमनंहीसंकोर्यौ
कैौकहाग्रवकाजा रेननवैनेवननननरिं
उउउगनउहिभाजा ९ सवजारवमिलर॰
रिसेंयहकैसासफलकसननजहंहोई ग्र॰
नाहृष्टिग्रतिहृष्टिहोरनहियरजाननसव॰
कोई कीजैरोषछुमाग्रवयाकोरहीनव।
पारिवलायौ कहोकहाकहियेग्रवनमा।

सू सो उन सिरनी चानायो २ पुनि कैसो मति
८ सन भामा को दैनाते भय भयो नाहि मनि उ
७४० न दई वह्रा हो निहि दई कैसो लोभ न हि मो
है लोभ भलो नहीं देव निस लो भकियो पा
ति जाई सो लोभ को नै सब विगु चौ सकप
ह कहि सम्झाई १८५५ इति श्री भागवते
महापुराणे दशमस्कंधे सूरदास कृते सम
पंचाशत्तमोध्यायः ५७ अथ कालिंदी व्याह
विवाह राग विलावल हरि हरि हरि सुमिरो
सब कोई हरि हरि सुमिरत सब सुख होई २
हरि हरि हरि सुमिरो सो जिन जरो हरि नि हि दरा
सन दीनों तहां । हरि सुमिरन कालिंदी की

ने हरिनरोंजाइहसनिहिंहीने पानग्र
हनगुनिनाकोकियै सेवभांननाकोस
घरियै २ मिश्रहूरानवहरिकोध्यायै ३
निनहूनातविलेवनलायै कीविवाद
नाकोंलैग्राप नाससमनोरथसकलगुना
प ३ हरिचरननसमाविनहीने नाकेपि
नापवनयहकीने सानवैलयेनाथेनाई
समाब्याहनाहिंसंगहोई ४ हरिनहूना
इनामसधननाश्रै धनधनसवकाहूभाश्रै
नाकेपिताब्याहनवकीने दाउनवहूधका
रनिहिहीने ५ वहूरोंभहासमिरहरी गा
पनासहितविलेमनकरी सेमैहेत्रिभुवन

स्रु पतिराई नाकेमनकीसामपुजाई ९ बा।
२ हरिलछमनासमिरनकीनो नाहिसवयं।
७२१
७०१
बरतेंहरिलीनो पांचोनारिसाहिदिरम्या।
ए महारासजनमंगलगाए ११५८ इति।
श्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेमहा।
रासकृतौअष्टपंचाशत्तमोध्यायः ५८ अ
थनरकासुरवध सोरठा सहस्रनारिवि।
वाह भ्रमावती कारका २२निकुसगोईं
टहरिहरिमुरारी भक्तभयहरनभ्रमरांश्ये।
नकारी षष्टसमसहस्रकमाभ्रनतिवर।
औ भ्रमरंवरमैंनीरभ्रकभुषभ्रहिनिसि।
विभारी। प्रीतनिनकीससभरिभयभ्रनकु

लहरिसमभामाहरैपदरउपाई कलसनह।
देषिवेकोंभईसापिशुदिकृपाकरिनाथ।
सावैरिषाई समभामसहितवैदिहरीग
हउपरभूमम्हरनगरकोंनरनपाप पक।
हीवानपाषानकोकोटसवद्धतोचद्धध्रोर।
सोरियोटाप २ गहउवद्धृपासकेनागली
नेनिगलनलवषिग्रगिनिज्वालाउफाई
सासकेनेजसैंजलसकलसोषलियोदेषि
यहलोगसवगपउराई करीहरीसंषधुनि
नैपातवग्रहरहनिकोपकरिभवनसौंहे
कमिधायो देषिकेगरुउकोंलगीलाहरै।
हैकहिनिसमलतिहिगहिवलायो ३ स

स्र. विवनिरसंकतनवकसैयोनिजनृपतसैानहिं
ट तिङ्गभवनकोऊसमनिहारी नहुकोंकर
७११
नछाजनतनहीहैतमैसनिमहाराजयछि।
नहमारी कियोनवनहुउनक्कोपद्धैसपा।
मसैांहरिकसैयोगफऊउहिहनिप्रचारी ग।
फउसनिधारगसैयोनाउनाकोनरननीन।
हूंसीमउरेप्रहारी ४ नासपुउनिवडूरि
नहहरिसैांकियोमानिलियेसोऊकायर।
उगने कोऊकरिकरिपरेकोऊउठिउठि
लरेकोऊउरिउरिविरिमरिसपगने नवग्र
सरग्रगिनजलवानउरनलगैपानासमाण
सकलहरीनिवारी ग्रसरकेमरनिकोंग।

हृश्लायैपागिलनन्नरगगनउशिवलेलगि
वयारी ५ प्रस्नरगगनउछैटुगरामारेफा।
रकस्पामश्रंगलागिसोगिरेश्रसें वालके
हाथनैकमलरललनालन्नतलागिगजरा।
ननननगिरनैनेसें श्रापनगारीसमवसी।
सनाप्रसरकेमारिनिरमलसोंकारिझावे
लाशिसोप्रानविरवानपदकोंगयोसुख।
रूपवरषिजनयनयउचारे ६ हयोलैमाल
केउलखरगाहिपाइजोरिकरबडरप्रसन्नति
सनाई नाथममपुत्रकोंदीजियेपरमगा।
तिरहिकसौपुत्रनहिमुरूपाई वहूरिगप
नरांकेमाहूतीसबजनरांनिरषहरीत्रपकों

सु सबलुभाई चरनरहीलागिबरभागलषि।

२ आपनोकृपाकरिहरिसनिजपुरपठाई २

७२२

बहुरगणपेरपुरंरहूपारपरिकरसनरहू।

723

छतामेंमेंगाए त्रिदिसपतिमानसोंरत।

नक्रेरलरिपेवृछलियेंआपनिजपुरीआ।

ए बहुरिबहुरूपचारिगएदरिसबनिचर।

आरूकरिसबनिकीआसपुरी सबनिके

भवनहरिरहतसबजानतरिनसबनसोंहो।

ननिहिंनैकदूरी ८ सबनिकोंपुत्रसरस

झेवापकरकरिएसकलघमगृहकेसि।

षाए कोटिब्रह्मंडनारकवसरेवसतनस

मोईनेरनेरनकदाए ।८५। इतिश्रीभाग।

वतेदशमस्कंधेस्वरादासकृतैतोरुनपंचाश
त्तमोध्यायः ५५ रुकमनीपरीक्षा भक्त
वछलहरिभक्तउधारन भक्तपरीक्षाकेहित
कारन रुकमनीसोंबोलेमनभाई हमजा
नीतुमरीचतुराई १ रावचंदेरीकोसिसु
पाल ताकोंसेवतसबभूपाल ताकोंतेरी
भईसगाई तैंपातीकोंहमैंपठाई २ जात
पोतउनसरहमनाहीं हमनिरगुनसबगु
नउनमाहीं उनसमनहींहमरीठकुराई ३
रुपभलेतेनारिभलाई ४ पतिहवेजनतैंम
मपास नारिसंगतैंरहौंउदास जोकछैहसुदृि
कारेतुमसराये. ताकोउनारेउसमुझाये ५

म
२
७२५

ऐसेनग्रबहुभूपतिआए तिनकेहृदेगर्व।
मैंछाए धनुजोरमैंनहिहरिलायौ उन।
केमनकोगर्वनसायो ५ यहसुनिहकमि
नीभईबेहाल जानपैंसोनहिहरिकोध्या।
न लैउसासमैंनैनजलधारे मुखतैंवचनक।
हुनउचारे ६ ताकीरसादेषिहरिजानी ३
नममभक्तभलेंपहिचानी हसबोलेनवस
रेगपानी प्रानप्रियाजनमकैंबिलषानी ७
मैहासीकोरेबातनचलाई तमरेमनयहसं।
वीप्राई श्रंमपैंकुनिकरवैठारी हसीजा।
निवालीनवप्पारी ८ करंतमत्रिभुवनपा।
तिरोपाल करेंवापौनरसिंहपाल कसे।

वेदहीकहहारावत जाकेसारवारनहिम्रा।
सरावत ५ तुमप्रनभयवरदनतैसमरे ।
मृषवरदतुमसरावाकैरे तुमसरप्रोरत।
हीजडगाई यहैसानतैसमरतीग्राई ६ य
हमनिरहीरहकमतिसोंकरौ सोतममा
कोंवितकरिवसौ मोंहीममवितचारह।
ततमकों तहिग्रंतरकभ्रुतमसोंहमकों ॥
सडपतिकोयहसहतसभाउ सोकोउ।
भजैभजैतिहिंभाउ सोयहलीलाहितक।
रगावै साश्रमभक्तनकोपावै ।५८ इति
श्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेउत्तरा।
र्द्धेसकृतौषष्टितमोध्यायः ६० शुभमस्तु

स्र विवाहकमसहनासोंवनेन रागमात्र स्या
ट मवलगमगनमहागाङ् यहैमममजपय।
७२५ हैनपयहैनेमवनश्रेममममयहैफलयहे।
७२५ पाङ् स्यामवलगमप्रघुम्नकेथ्याहहिवह
कमकेटेमजवहींमिधाप क्षिंगकेगव।
प्रहकमवलभहसोंकपटकरिमारपा।
मेचलाप । हाक्वलगमकोटेषिउनछ।
लकियाहकमजीसोकहनलगेमोरे टे
ववानीभईजीतहैगमकोनङपनिमहु
नांहींमंभोरे क्षिंगकोगवतवहसोलागैपा
करनवनवमनहारकहाघलजानो मभा
केलागहूलगेहांसीकरनगमनवहहैंमेंके।

पद्याते २ हकमग्रुहक्लिंगाकोगवमा
होप्रथमवङ्गतिनकेवङ्गनसभटमारे
सुरसभुस्यामवलगामरनजीतभयप्रय
श्रमाहिनिजपुरसिधारे ॥८५५॥ इतिश्री
भागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेसरदा
सकृतोपकथषष्टितमोध्यायः ८१ श्रुतिहि
हुसमदर्शन ऊवरननस्यामममनुकाम
देहुसरोसपनमैंदेषिउखाभुलाई चित्रले
खासकलजगतकेनृपनिकीछविकमैंसु
नेतवलिखिदिखाई तिरषउनउवेसकोरह
समनमैंभयोदेषिअनिरुद्धकोंमुरछाई जा
रद्वारावतीमेंावेतऊंवरकोंचित्रलेखानहे

स्र विवाहहकमसहनासौंवनेन एगमाइ स्या
ट मवलगमगुनमदागाङ्ग यैहममन्नपया।
३२५ हैनपयहैनेमव्रतश्रेममममयहैफलयहै।
725 पाङ्ग स्यामवलगमश्रघुन्नकेव्याहहिवह
कमकेटमजवहींसिपाप क्षिंगकेगव।
श्रहहकमवलभइसौंकपटकोरिमारपा।
मेचलाप । हवबलगमकोटेषिउनछु।
लकियाहकमजीसौंकहनलगेमारे टे
ववानीभईजीतहैगमकीनङ्गश्वनिमृछ
नांहींमंभारे क्षिंगकोगवनवहसीलागैपा
कवनवनवमनहारकहाघलनानो मभा
केलागांहूलगेहांसीकवनगमनवहहैसैंको

पसारो २ हुकमश्रीहरिकोगावमा।
हैा प्रथमवहुरातिनकेवहुतसुभटमारे
सुरप्रभुसामवलरामरनजीतभएश्रक।
स्त्रमाहिनिजपुरसिधारे ।१८५५ इतिश्री।
भागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेसरहा।
सकृतौपकवषिंतमोध्यायः ५० ॥ श्रीनिर।
हुसमरथीन ऊवरातनसामसमनुकाम।
हेहृसरोसपनमैंटेषिढषाभुलाई विठले
षासकलजगतकेनृपतिकौछिनकमैंसु।
नेतवलिषिदिषाई निरषजदुवंसकोंरहः।
समनमैंभयोटेषिप्रतिहदकोंमुरछाई जा
इहागवनीमोंवितऊवरकोंविठलेषानहो

म नरनस्माइ । बानदरबानसोमहननश्रायो
द नहंयारश्रनिरुद्धसोंनरुद्धमोंजो मराशु
७२६ दरीमैंभईबादह्मसैंफोसिकरजेवरश्र
निरुद्धवांछो ।९९। इति श्रीभागवते महा
पुराणे दशमस्कंधे महारासकृतौ द्विषष्टि
तमोध्यायः ६२ अथ अनिरुद्धविवाह गा
गमाद्र स्यामवलामयदहननयाप ।
श्रद्धनारदकसोह्मगिकानायमेंवानाम
रजेवरश्रनिरुद्धवेयाप ह्योदनीदोरदम
द्रुहोदगिसंगकरदकजानद्दीनगारनाको
लदायो देषिपदश्रमरसनश्रुषमयोस्याम
केरुदनिजमैनलैंनदाश्रायो । रुदभगवा

नग्रहवानसामकभिरेरामकोंभांइमां।
शैलराई सैनपतिग्रहरकोश्रगुग्रसेंाम।
सोंसांबुजमकरानहेरुभिरेषाई तेनम
गवानकोपाइनारवभिरेग्रहररलव।
सोहननैपराई हहनवकोपकरिग्रग।
निवाघाकरीस्यामजलवरघशसोबुजा
ई २ धुनिमहादेवजबवानवर्धनकियो।
ग्रापभगवोनताकोग्रहासो देखियहन
हहाग्रहावक्रनभपलधोनववानजो।
हइमासो वाननवग्राइभगवानसम्मुख।
भयोवानवरघालगेपाकरनभारी पकड़
वानग्रायोनहाकेनिकरनवगासोपत्रघ।

म सारंगपाणी पकरी बान सें पान रथ के ब
र रा धजा अरु पत्र ष सब काटि डारे सें ष।
७२३ कौ मनू करि लियौ अमरा ने जन हरि युनि।
हीं फेलन भए दृष्टी मारे देषि यह अमर।
की मान पाई न गान नाव न भगवान के नि
कट आई नगा न निय रे षि वो जगनना।
हीं कैसे जान न यह हरि रिरे युध फिराई ध
अमर यह वान न का पौ रन नैं सर किन।
पन जरा रियो न वसिव पहार्ई सीनजुरा।
जह कारि कियौ विहव लता हिति न सर न
आर विनती सन नाई पान रानान हीं स्थूल
सहुमत हीं सबै आन मको धर्म पालक

तानन्हीकर्मनहीविस्वकर्मानहीतेंप्रभि
लमक्रपभुप्रसारवालक । सीतप्रहत
पतकोवलचलैप्रभुतहांजहानहिहोरह
मिरनतमारो करतंदरुवतमैंकहना।
करनकृपाकरिप्रोरमेरीनिहारो हनत
पवचनहरीकसैप्रवभयनकरिमैंकृपा।
करीनहिनिरापारी सीतप्रहतमकोम।
यनहैहैनाहिहनैयहकथाजोविनधारी ८
नमन्नरागयोमिरनाइहरीकोंनरनवनाम
रवङ्गरनभूमिप्रायो चक्रपरहारहरीकि
योताकोंनिरषहरसिरनाइनवकरिहना
यो प्रगटनमगपतनमहीमवीतमावि।

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

हुसनमानकरितरतभगवानकेनिकटि।
साय वह्लाऊधाईआद्दायजसहितर
हिराधकरतनिजपुरीआय ५ यहकथा।
सकलजोहदयआनतसहतकौसमरनता
हिभयनहोइ कहीजोव्यासस्ककदेवभा।
गोनतैसकहीयवसराजनगाइसोइ ॥९८॥ इ
तिश्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेस
हस्रकृतौत्रिषष्टितमोध्यायः ६३ राजा
नृगकोउद्धारवर्नन रागसोरठ श्रविंग।
नगतिजानीनपरे परवतनैराईकरिडारै।
राईतेमेरुकरे नृगराजानिजगऊसहस्रदे।
करतहुतोजलपान ननककछुकतेगिरगा।

सू रकीनोकोकरिसकैबषान । कृपमोहि
द निहिरैषिवालकनहरिसोंकह्योसमुनाई ।
७२९
कृपानिधानजानिकरिअपनोआपनरंजन
दुराई अंथकृपनेकाहिवह्वरिनिहिदरसन
दैनिस्ताग सुरारसमसवननिहरिभजियै।
नवककबकौंउपाय ॥९९॥ इतिश्रीभागव।
तेमहापुराणेदशमस्कंधेसूरदासकृतौव
नत्रषष्टितमोध्यायः ६४ रागमारुग स्या।
मनामकेगुनतिनगाऊं स्यामनामहरीसोंहि
नलाऊं एकवारहरिनिजपुरआए हलध
रनंदरावनमुआए । रथरेधनलोगनसुष
पाए नामैस्यामनामरोऊआए नंदजसु।

मतिजबपरहरिपिपाई टेहगेहकोसरन
भुलाई २ प्रागैंहलेवकोंपाप हलधरहै
रवरनलपटाप वलकोंहितकोगेरेल।
गार टैग्रसीसवोलेयाभार ३ नमतोभ।
लीकरीवलराम कहेंारहेमनमोहनस्या
म टैसाकान्हरकीनिहराई कवहूंपाती।
हूनपठाई ४ प्रागुनाउहोराजाभप हम
कोंविष्णुरवहूनडघरप कहोकवहूंहम
गीसपकरात हमतोउनविनवहूडघभर।
न ५ कहाकौंउहांगयोनजात उनविन।
पलपलजुगसमजात इहिंप्रतरप्रापस
वगवार मैंटेसवतिनस्याछोहार ६ नम।

स्र स्याकाहूकोंकियौ काहूकोंग्रेकममा।
८ तिलियौ श्वरोगपीजराम्मिलिमवग्राई ग्र।
उपू तिहितमायग्रसीमसभाई २ हरिसपि।
73° कोसपितुपितिविसराई तिनकोप्रेमक।
हैसोनहितजाई कोऊकहिहरीग्याहीवहुता
३ तिनकोवहैंमोवहुतपरवार ८ उनको।
सवहमरेतग्रसीम सपसोंजीवेकोरव।
रोस कोऊकहैहरीनाहीहमचीनो विन।
वीतेततकोंमनहीनो ४ तिसहितवोवत
हमैविहार करोकहाग्रवकौंउपाइ को
ऊकहैहरेचरावतगाइ राजाभयेहरिका
जाइ ५ काहूकैंवैग्रावैंरहे भोगविलास

करतनितउहा कोउकहैहरीरिपुछयके
ये ग्रहमित्रनकोंसबसहारिये ॥ कोउ
कहैहनेहरीकोनीगनी कैंनभानहरीकों
पतियानी कोउबनरनाहिनोहोई कौन
हपतिपारोसोई १ कोउकहैहमकोंप
तियोई हरीकेहितफललानगेवाह २
तिकनुद्रेसोहोनाजानत सकोमनग्रपने
बसघ्रानत ३ कोउकहैहरीहमसबवि
सराई कहाकहैंकनुकहोनजाई हरि
गुनसमरनैनजलढरैं नेकुनहीमनधीर
नधरैं ४ परमनिहलधराधीरनधरि ।
कहैंघ्राइहैहरीनिरधारि नववलपरसे

स देसमनाथौ नवकलुरकमनपीरजया।
र यौ ।। ५ वलनहोरहेबहुरहैमास ब्रजवा।
१३१ सिनसोंकरतविलास सबसोंमिलपुनि
73/ निजपुरआए सूररासहरिकेगुनगाए ।। ६ ।। ६२
इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कं।
धेसूररासकृतौपंचषष्ठितमोध्यायः ६५
पौंड्रकवध विलावल हरिहरिहरिस।
मिरोसवकोर हरिकेमित्रसत्रुनहिको।
र सोंसमिरसोंहोगनिहोर हरिहरिह।
रिसमिरोसवकोर । पौंड्रकगुरुकोसी
केराइ हरिकोंसमिसोवैरसभार श्रहिनि
सरहेयहैलिवलाइ कैसैंजीतेंजादवराइ ।। २

हुरावतितनहतनपहायो नाकेंश्रेसेक।
हिसगुजायो चारभुजामसग्राउपचार
वाहहेवमैंहेंनिरधार ३ पौंहीकहिजड
पतिसेंजाई कपरतजैनाकेकहोलाई ह
नग्राइहरिसेंपोकहो हरिनृतिहिंपर
उजारहो ४ पौंडूककीश्राउससियरा।
नी नातैंकहीसहमसवजानी कहेजा
इकैजहुपचार सेंचकूहंहेहेनिरधार ५
हुतग्राइनिजनृपतिसलायो नवउनम।
नमैंनहूहहरायो नहेंनहेंतैंसेनउलाई
नवलगाजउपतिपहुंचेग्राई ८ पौंडूकस।
नितवसनसुषग्रायो पांचग्रहोहनीदलसे

सू गल्लायौ सैनारेषिश्राम्हसंभारे जदुपतिके
द लोगनिपरडारे ३ हरिकहौतेश्रजह्नसंभा
७३५ र सोंवक्रहजिपरेषविचार ताकीमूरख
732 श्रारजलानी जोहरिकहीम्हमननेंहीश्रा
नी ४ तबजदुपतिनिजचक्रसंभारौ ता
कौसैनाऊपरडारौ सैनमारपुनिताकौं
मारौ तासतेजनिजमुषमैंडारौ ५ पै
सैहैत्रिभुवनपतिगाई ताकीमहिमावेद
नगाई कोऊभजेकाहूपरकार सूरदासं
सोउतरैपार ६६४ इतिश्रीभागवतेमहा
पुराणेदशमस्कंधेसूरदासकृतौषट्षष्टि
तमोध्यायः ६६ सुदछनप्रसंग रागमारु

नृपमहत्वनमहादेवध्यायो नायनवक्त।
यापितवैरलीयोचहोयाइयरिवक्तीयोक
हिमनायो शुगलिकेकुंउनेशुमहपागह।
भयोहाहकाहमलाकोंवलायो शुाइउनेहे
हनवकियोहोपुरीमेंचक्रलाकोंउहोने।
भगायो। हनिमहहिनहंज्ञाविघारान।
मीकहोनेमोहिहंकोंपहायो महकेश
भुमोंवेहजिनमनपहोशुापनोकियालि
नशुापयायो ॥८८॥ इतिश्रीभागवतेमहा
पुराणेदशमस्कंधेयहाहमकलोमसम।
ष्टितमोध्यायः ८८ शुविहवानवथवने।
न ऋषयमात्र शुवहकाहिक्रोयहोपुरीशा

स यो नृपस्वरछिनजसोजरीवागनसीयाउ।
र यावनजैवकहिस्नायो हारिकामांहिउ।
१३३ नयानवह्मांतकारिवह्मरिरेवनिग्रवल।
१३३ गयोयाई नहांहूंदेखिवलगामकोसभाकों
करनलागेयानिउरहैहिटाई । लछोवल
गमयहस्वभरवलवेनकोउहलमुसल
सम्हग्रयनोसंभासो उविदलैमालको।
वृछसमुखभयोफ्रनकरिगमननफट।
किमासो गमहलमारसोवृछउरकट।
कियोउविदसिरफूटगयोलगननाके व
ह्मनफनोरपाघोनफैकननलगेपाहलमुस
लकरनपरहारवाके २ वृछपाघानजव

𑆇𑆲𑇀𑆪𑆁𑆑𑆾𑆝𑆶𑆤𑆳𑆫𑆱𑆿𑆩𑆶𑆰𑇀𑆑𑆑𑆳𑆤𑇀𑆲𑆲𑆩𑆴𑆫𑆢𑆾𑆝𑆶𑆥𑇅
𑆲𑆳𑆫𑆵 𑆫𑆳𑆩𑆛𑆲𑇀𑆑𑆳𑆫𑆓𑆤𑆓𑆴𑆱𑆽𑆩𑆾𑆣𑆫𑆤𑆥𑆫𑇅
𑆤𑆴𑆑𑆱𑆓𑆟𑆥𑇀𑆫𑆳𑆓𑆩𑆲𑇀𑆪𑆥𑆴𑆜𑆶𑆥𑆴𑆮𑆴𑆱𑆳𑆫𑆵 𑆲𑆫𑇅
𑆤𑆴𑆓𑇀𑆫𑆳𑆑𑆳𑆱𑆽𑆠𑆽𑆥𑆶𑆢𑇀𑆫𑆶𑆥𑆮𑆫𑆔𑆳𑆑𑆫𑆵𑆑𑆫𑆴𑆤𑆩𑇅
𑆱𑇀𑆑𑆳𑆤𑆤𑆪𑆤𑆪𑆝𑆮𑆳𑆫𑆵 𑆛𑆼𑆮𑆤𑆳𑆓𑆟𑆱𑆮𑆓𑇀𑆫𑆳𑇅
𑆥𑆤𑆼𑆬𑆾𑆑𑆑𑆼𑆁𑆲𑇀𑆪𑆫𑆥𑇀𑆫𑆨𑆶𑆫𑆳𑆩𑆤𑆴𑆘𑆥𑆶𑆫𑆱𑆴𑆡𑇅
𑆫𑆵 𑇑𑇖𑇖𑇐 𑆅𑆠𑆴𑆯𑇀𑆫𑆵𑆨𑆳𑆓𑆮𑆠𑆼𑆩𑆲𑆳𑆥𑆶𑆫𑆳𑆟𑆼𑆢
𑆯𑆩𑆱𑇀𑆑𑆁𑆣𑆼𑆩𑆲𑆳𑆫𑆳𑆱𑆩𑆑𑆶𑆠𑆿𑆥𑆶𑆰𑇀𑆛𑆳𑆰𑆰𑇀𑆜𑆴𑆠𑆩𑆾𑇅
𑆣𑇀𑆪𑆳𑆪𑆂 𑇖𑇐 𑆃𑆡𑆱𑆁𑆜𑆶𑆮𑆴𑆮𑆳𑆲𑆝𑆘𑆽𑆥𑆤𑆱
𑆠𑆳𑆱𑆽 𑆯𑆶𑆩𑆳𑆮𑆫𑆵 𑆱𑇀𑆪𑆳𑆩𑆧𑆬𑆫𑆳𑆩𑆓𑆶𑆤𑆩𑆫𑆳
𑆓𑆳𑆝𑆶 𑆱𑇀𑆪𑆳𑆩𑆧𑆬𑆫𑆳𑆩𑆮𑆴𑆤𑆲𑆱𑆾𑆫𑆼𑆮𑆑𑆼𑆁𑆱𑆳𑇅
𑆩𑆲𑆩𑆽𑆁𑆤𑆲𑆴𑆱𑆵𑆩𑆤𑆳𑆝𑆶 𑆱𑇀𑆪𑆳𑆩𑆩𑆤𑆱𑆁𑆜𑆶𑆓𑆳𑆪𑆳

स दूस्तनापुरनेरनलक्षमनाजनेहोमबघेबरा।
२ चायै। देषतैमबनिकैंनाहिबहारयग्रा।
७३५ पनेदेमकोंपलरिपायै। १ करनहुजोप।
734 नारिकलियैहोरदूंकरनहिगग्रारकैं।
बहूवानमारे संवनेकारिनिजवंनस।
पानकरिनरगरयनामकेमबसंचारे २
मैपुनिमारथीपकहीवानकरपसैमे।
परनिमबमपिविमारी पकरकवानप
हूखैमकलनृपनैपमनोमबमाथकौनी
नहारी २ देषपरकरनपनिपमबहूं।
नकियैपुनकरनग्रस्वारथकेसंचारे सो।
बुकोंपकीवैहारिरथग्रापुनेमभटमभ।

हलनाथसिधारे आइनारदकहीनरन।
भगवानसोंचलेभगवानहलधरनिवारे
कह्यौमैंजाइकैंलाइहौंसोंतुकोंकौरवन।
सोंसराहितहमारे ३ प्रीतकीरीतसभुजा
रहेंप्रथमतिहिंकानरोढुऔरशरनसेवा
रै जोनमानैंकह्येरानअभिमानकरिएक
हौंमुसलसबकोंसंघारौं नाइबलरामभे।
हेसकलकौरवनिवह्रीतितिहिंसबनिकहे
सुनायो सोतुसोंचूकजोभईबालकहुतो।
तुमैंनहिंबूझियैजोवधायो ४ कैसोंइजो।
पनप्रतिकोपतिहिंहेसमनहिंहेसमसबलगे
गुरुधनहमारें जोइतैकियोमनमाननिज

स सभामैंवहुरिइहिंग्रौरहितकरिनिहारैंजो।
२ सवैंतसतासतकहैकहूंममसतावुढि।
७३५ वेतपुरुषपरहसवसेभारैं ग्रहसतादेतजा
735
रवसताकोरवनकहतग्रववानवलवि।
नविचारैं ५ कहैावलरामपरहसोंतुसत।
सामकोकहविपिरेजाकीनपावैं रेह।
सरसकलदरवारठाढेरहैंसिद्धगंधर्वगु।
नसदागावैं वहुरिकविकोपपरहलग्र।
परनगरपरिगंगमैंशरिवाहतत्रुवायो
कौरवनिमिलिवहुतभांतिविनतीकरी
रामतिनकौहिजननमिलिछमायो ६ सो।
तुकौंलछमनासहितसापवहुरिदियारा

गजअगनगिमैमानजाई सूरप्रभुरामबल
अटलकोनलसकैकारनआनेहतिजपुरी
आई ।१८। इतिश्रीभागवतेमहापुराणे
दशमस्कंधेसूरदासकृतोऊनषष्टितमो
ध्यायः ।५९। अथनारदआगमनं रागबिला
वल हरिकीलीलादेषनारदचकितभए
मनयहकरतविचारगोमतीतटगए अ
लषनिरंजननिराकारअच्युतअविनासी
सेवतजाहिमहेससेससुरमायादासी ।
धर्मस्थापनहेततनधारीनरअवतार
ताकैंषोडसकलत्रसोनांहीबहुतपियार
हरिकोघोरससहसअपारपतिव्रतानारी

स्र सवकाहरीसोरहनसवैहरीन्नकोप्यारी २

८ नाकेयरहैहनारिहैंनाहिकलहिनितहार

७३६ हरिविहारकिहिविपिकारनैननिरषैं।

736 नोर हरावनिरिषेपेरिभवनहरीन्नकैग्रा

यो ग्रागैहहरिनारिसहितचरननसिर।

नायै ३ सिंहासनवैठारकैंपोयेचरनव।

नार चरनोरकसिरपरिकयोकृपाकरी

रिषरार नवनाररहसकयोसनोत्रिभुव

नकेरार नमरेवनकेरेवरेनहरीमोहव।

रार ४ विपिमरेसमेवननमैमैवग्रा।

किरमोरि कहैंनमैंप्रभुरेवनायामैग्रा।

विरननोरि ग्रैरगेहरिषगपेनहारेषा।

नदुगाई चौंरदुगावननागिकरनदासीसि
वकाई ५ रिषकेंाश्रावननेरेषिप्रभुकियै
वहूनमनमान होंहूँनैनागरचलेकरिपे।
सोग्रभमान जाचरमैंहेंजाननस्यामश्रागें
हेीश्रावन नातेंङ्गारश्रभावजोउप्रवकै।
हैंधावन ६ नहेंनागरश्रमकरिगपन।
हेरेषवनस्याम वालनसोंक्रीडाकरनक
रजोरिषरीवाम नहेंजनहेंरिषजाउनहोन
होंहरिकोदेषै कहेंकलुलीलाकरनक।
हेकलुलीलापेषै ७ यौंहीरिषमवचाग
पलहोनमनविश्राम नवनाकोयाऊंले
निरषहसिबोलेवनस्याम नागरमनके।

सू भरमेनाहिपनेभरमायौ मेव्यापकसव
२ जगतेहवेरचाचौंमोहिगायौ ८ मेकरा
१३१ नामेभोगनामेविनश्रोरनकोर नामेकों
737 ग्रेमालबैनाहिभरमनहिहोर गुछोसवा
गृहनारसेवेजाननगुहियोंही हीरकोर
मसेंप्रीनश्रनकहूंजाननकोंही ९ मे
उरासवसोंरहेंममयहसहजसभार पे
सोजानेमोहसोंममसायानरजार नवना
रकरजोरकसोनमश्रारिग्रेनहरी नम
सेनमहीईमनहीकोउउनियानममसि १०
नममायानमकृपाविनुमकेनहींनरको
र श्रवमोकोंकीजेकृपाजोनवद्वरभ्रमहो

३ रिषचरित्रसमरेषिकछुग्रचिरजमनि।
मानो मोतैंदुनियाश्रोरकोउमनमानया
नौ ॥ मैंकारनामैंभोगनानहिंयामैंसेरह
मेरेगुनगावनफिरोलोगनकोंसुषदेह
नारदकरुणानामवसौहरिकेगुनगावन
वारवारहरिरूपध्यानहिरदैमैंध्यावन ४
यहलीलाशुकचारजकोसूरदासकहीगा
३ ताकोंजोगावैसुनैसोभवजलतरजाइ
॥११११ इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदसम
स्कंधेसूरदासकृतौसमनितमोध्यायः ॥
अथराजपतनीवचनवालकनप्रति का
न्हरा राजरवनीगावनहरिकोजस रुद

स्त नकारनवालककुलगावनराषनिश्रववनि
र प्यारसपारम नमजियजिनउरपोमैरवा
२३८ लककृपासियुकीमरनमरावम नजि।
23 8 मनमेचनानश्रपनैकोकारिश्रतीननिवा
हूहोरहम । जिनप्रभुजनकमलाश्रनरा
धौश्रहरावनकेमीममकलनम सोऽहम
।महाइहमौमेमावनगोपगएंहमहूपम
।८८।४ इति श्रीभागवते महापुराणे दशम
स्कंधेपमहरामकृतौपकसमतितमोध्या।
यः ॥ रागमाडू चलेहरीपर्महवनकैरे
म मेननवद्विनभुवभाएउनारनवेयनका।
दिननेरम नवहरीग्राहमेषयुनिकीनी

ह्रोतनगारपावेम ऊरंवमहिनगज्ञाउड़ि
यापज्ञारनपटरजकेम । ग्रामनहैभो
ननविपिष्ठ्लीनारटमभाम्हटेम ननड़ि
नभीमपवंजपमापवपसैाविप्रकोवे।
म मोगैपान्नहृहिनगसेपिपैवृवीऊलग्रा
वेम सान्तप्रभृहिनसानवीममैकारेम।
कलकलेम ६९ इतिश्रीभागवतेमहा।
पुराणेदशमस्कन्धेपमहंसकृतौह्रिमम।
तितमोऽध्यायः ७२ ग्रयनगासंपवपवने।
न गगमात्र केमघलटलनगवननसंज्ञागी
टीनतुघहरनगजमुक्ककारी नृपनिवहं।
टेमकेंवरजगासेपिमैंनहिनारटनजेतुषि

स. नभारी । स्नीयहवाननन्डनायजनवपथि
२ कनैंधर्मसुवनहहैरैहूपदकहाई राजसुय
७३५ ज्ञतकोकियौग्रारंभमैंजानकैनाथनम।
739 केंसहाई भीमग्रजुनसहितविप्रकोरू।
पधरिहरिजरासंधपिसौंजुद्धमांगेपा रियै।
३नैंपकयौनमकोऊराजवीकपरकारि।
विप्रकेंसांगसुांगेपा २ हरिकह्यौभीम।
ग्रजुनदोउसुभटप्रकूलमैंदेषिलोचनउ।
धारी वचनजोकह्यौप्रतिपालनाकोक
रौकैसभासोंहिमतजाइकहारी पार्थनमन
हीसमरथममनुहुकोभीमसोंलरौयदुक
हसनाई वीमसुफसमरिनलोंगराजहकि

यौंहोइवलवंतकोऊलियौवजाइ ३ स्या।
मत्तनचौरिषिवारहरियौभीमकौंभीमत।
वह्नधनाकौंपछारयौ जरासंधिकौं
संधिजोरसौढहतोभीमनासंधिकौंचीरउ।
यौ नृपनिकौंछोरिसहदेवकौंराजदियौ
देवनासकलनगनगरउचारे साधुभी
मऊर्जेनसहितनहांतेंधर्मसुतदेसकौंपु
निसिधारे ७२ इतिश्रीभागवतेमहापु।
राणेदशमस्कंधेपराहासकृतौत्रिसमति।
नमोध्यायः ७२ पनाछिरि जौहोजरासं।
धिवंरछोरी जगलकपारविहारपारके
विजननहिंसंधिजोरी विषमनालवल।

स
२
७५०
240

कपिरछापिसैंनृपषगग्रबनिबेरोरी निद्दे
केहरिमोहितजारवपतिकारऊहालैयं।
जरतोरी । निकसेटेनग्रसीसपकसुषमा।
बनकीरतगोरी सैंउदिवलतविहंगम।
केगनकरैकहिनपगाउरी मिसिगयोक।
लहकलेसमबनिकोवरिवीनीसैंहोरी
सरसमप्रभुग्रगनितमहिमांजोयहक।
होसर्थोरी ॥९२॥ राजासमूहबिनय बि।
लाबल नाहिंकहोंप्रपराधभरे नममाता
तमपिताजगतकेनमहीमोटरवंधुहरे।
वचनऊचीलरेहग्रतिडरबलउमगिप्रेम।
जलसबनिभरे राजासबैबंदनैछोरेग्रारु।

कृष्णकेपारपरे। सावधानकरिविहारहै
हरिउभयकमलकरसौसपरे सरतासग-
भक्तसरीकृपातेंभवसागरकेमांगलेरे ४९ १२
इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधे।
सरतासकृतैचतुरसप्ततमोध्यायः ७४
शिशुपालउद्धारन चाली हरिहरिहरिस
मिरौसबकोर सत्रुमित्रहरिगननतनतेर
जोसमिरतताकीगतिहोर हरिहरिहरिस
मिरौसबकोर। वैरभावसुमिरौशिशु-
पाल ताहिगगनमैंगोपाल चक्रसुदरस
नकरिमैंवारौ तेजनामनिजमुखमैंधा-
रौ २ भक्तभावभक्तनिउद्धारन वैरभाव-

स अमरनिमेंचारत कोउसमिसीकोकाहूपरका
र १ सूरदासहरिनामअधार ९०४ इतिश्री
७५१ भागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेपंचसम-
७५१ तमोध्यायः ७५ रागबिलावल भक्तका
नहीजनबकवसारे जनराजसरूपमाहि।
आपहरिसबकेपाववपषारे अष्टनाइका
दुपरसतनाकीकैंनहांसिवकाई डुजो।
पनयहीनदेषिकैमनहीरहोघिसाई।
भक्तमेंगाहीलागेडोलतभक्तबछलप्रभु
भौरे सबबिधिकाजकरतभक्तनिकेग।
ननतहिंहमकोरे जातेंजीतभक्तअपने।
केहोंहारविचारत सूरदासप्रभुनीतसरा

पह्यह्शनन्नगनन्नगपावन ।१८५ इतिश्री

भागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेपंचहमत

तमोध्यायः १८ प्रद्युम्नबालबाधन साल।

करिकोपहरिपुरीआयो दुमोसिंधुपाल।

कोभजसमाहिप्रभुधाइधावनजैवपहम

नायो दूलबनकारमहलातटाहनल।

मैनानगरकेहाथदीनेगिगई मरणपाछान

कीदृष्टिकरलोगपरवाइप्रतिबेगिसेंग।

निबलाई । प्रद्युम्नसामकनिकसमसनम

षभपवेंधुमारनमनननवारनथाप नहेवा

निरेमहंमाजरलवलमकलहोकरथनत।

गनाकेरप्राप निमरकोवाननवमालमा।

म सौफरकिप्रद्युम्नवानरीपनवलायौ मि।
२ दैग्रांग्रेपकायनववानवरषाकरीनरगरथ।
७५२ सारियोमेंगिरायौ २ सैनकेलागद्युनवह्न
नह्नाइलकियेपुनायरयरपसौमृरह्नाई
माल्वपरहृदेषिकैवक्कनमोह्नेरयोसह्नके
गरहनकोमह्नपिभुलाई प्रमरविगातिमर।
वह्नलागैपाकरानकवह्नलज्जुकवह्नरीरद्य
मह्नोई गुपतह्नैकवह्नंकवह्नंपगाटदेषियै
कवह्नंपरकवह्ननभवसैसोई प्रद्युम्नकव
ह्नकवंह्नगोविरषाकरैप्रद्युम्नसकल।
मायानिवारी माल्वपरपानघोमानमारी
गराप्रद्युम्नमृह्निनमह्नपिविमारी पमेवित॰

सारथीगयोपकांनलैगहाचितचेतहैस
थिरेभारी बीझकसोनाहिंमोंमोहिला
योरह्योंममपितामातकोंलगगारी ४ ।
कहाकहिहैंमोहिरामभगवानसतिनारि
ममसननतयुगनइषिनहोई सुबैरनसज्ञ।
सपरलोकसबपाईयेमंदरमतितैंतेरोइवा।
नघोई धर्मविनकसोकरिविनयममह
कनहिसारथीधर्ममोहिगरसिषायो सू।
ह्विनसभरनहिराशियनतघनमैंजानियर
वानमैंमरहलायो ५ प्रद्युम्नकसोनोभई।
सोभईप्रववानजिनकोंनहूंसोंसतिथै ना
हिहैंमैंनकरिप्राचमनप्रनकसोचलोरन।

स्त भूमध्रुववेगिजेये ग्राइरनभूममेंसकल।
ट धीरजरियैसाल्वरथनरंगचागैंसंद्यारे
७५२ छत्रधुजतोरमासौवज्रसारथीटेषिय।
743 द्रुगगपमभटसारे १ द्रुमतापुरगये।
द्रुनेहरिपद्रुगृहतहांतेचलेयदुवानजा
नी साल्वउतपातकियेद्वारकामांहि।
वज्रहांकरथकसौसारंगपानी सारथी
पाइगहिटईसरकारहेद्वारिकापुरीजा।
वनिकरस्राई साल्वकेभटनिलषिकर।
कभगवानकोआपनेनृपनिसोंकसोजा।
ई २ सनिसभगवानकेआनसनगुषम।
यौसारथीओरवरछीचलाई ताहिआवन

निरषस्यामनिजसंगसोंकारकरिसाल
कीसुधिभुलाई वहुरितिनकोपनिजवा
नसंथानकरिपुरुषभगवानकोकारि।
ज्ञासौ हूरतेपुरुषकैंसवरद्याकामसगयौ
सालनिजनिग्रमसुफिर्योउचासौ ८ ह
कमिनीमंगसिसुपालकोनमहरीवड़ु।
रितिहिंराजसुयमैंसंग्यासौ नारहोश्रव
कहेंराउलैहौंरहोंवारिसुविचारप्रायो
संभासौ कहौभगवानसुनिसालनेसु।
स्वरतेनंहीकरननिजसुषवडाई जेकरै
सुतिनकौंनहीजानियेभाषियहगरा।
नाकोंचलाई ९ गराकेलगानंहीगयोसो।

स गुपतहैरूपाइपावनइपपदहनायो कैसो
र वसहेवजगारीसमग्रभर्जेपदहतमग्रहित
७५५ सालमुद्दिवोंपिसायो वहूरकारिकप।
755 टवसहेवतदूंपगारकियोकसोतिनना।
योंसेंदुषितभारी सालकरवारलैस्याम।
केरेषैनैंशरिरियोसीसनाकोउतारी ।९
लछोभगवानकरिकपरिइनपदहकि।
योनासमायानइरनहरिनिवारी भागने
जइरिचसैस्यामनापरपिसोपद्रूवप।
तिगदानासीसमारी गदाजुद्दसालकी।
लोवद्रतवेरलोंवद्रूरिदरिसोंगनाकोंच।
लाई लगतनाकेंगयेप्रानवाकेनिकस।

ह्यतिप्रकामसंडुभिवज्राई ॥ सीमन्त ।
कोवङ्गारिकादिकारवारसोंपकीरिसवस ।
मुहमैंडारदीनो ह्रापभरहेनाहौरदिनप्रा
रकछुमारिंदनवक्रपुरागवनकीनो ॥५९॥
इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधे
ह्रासमक्तौसमसप्ततितमोध्यायः ॥
मुथदंतवक्रपरमगतिप्रापति रागमाङ्
हरिनिकहदंतवक्रप्रायौ कसौसिसप
लनमराजसमैंदसौपनिसतिरिङ्गतमेंर
रसपायौ भिरततमसाथ्यसंसपनहीक ।
छुहमैंरोडुविपिप्रादिप्रमुदितदमार नि
यौनेंराजसपभोगपावैंजगतमुषेनिर ।

सू षननिहारें । बहुरिलैगरापरहारकियै ।
र स्यामपरलगेज्यौंलगैंप्रभुजनपहारे हरिरा
७५९ दालगातनगयेप्राननताकेनिकसबहुरहरि।
745 निजबदनमाहिंधारे प्रभुजनताकोविहार
पलैगेपाभिरनपुनिचक्रसोंसीसताकोश।
हासैं हरषभजनहृलिरिषभयोपुनिजन।
हरषषसारपुहुपबरषिजयजयजयउचा।
रौ ।९०। इतिश्रीभागवतेमहापुराणेद।
शमस्कंधेसूरदासकृतौश्रृसमतिनमो।
ध्यायः ७८ ग्रथसलेबरैनबधवर्नन राग
मारू स्यामबलरामगुनसदागाऊं घरैमन
लाननपहैध्याननसमरनपहैपहैग्रसनलानफ।

लयदैणाउं स्यामरंतनवकग्रहमालकोनी
नकरिकरानग्रानेरनिजपुरीग्राप । रामने
गारिजमुनारिग्रहानकरानिमघारमपु
निजाइन्हाप । स्ततनहंकथाभायैगानका
रनहरिषग्रहासीसरहस्तहनेश्रोता । रामा
कोरेषसनमानसवहूनकियेस्ततनंहीं
उसैनिजजानवका । रामतिहिहसैनव
सवरिषनिमिलकसैविप्रहमानमैंलगा
भाई स्रामतथापसवतीरथग्रस्नानकी
पापजोभयेसोनवनसाई २ पुनिकहै?
षनदानवमहाप्रबलसोहमैंदुषदेतसोस।
हाग्राई नारिजोहतोतेहारकस्नानकम।

ह्र इमकैंजनतमवसोंमराई गमरितकित
८ कनाटैराम्रैगैरेहम्राइविलल्लतहोंतहो।
७४६ हैरिघाई हपिराग्रहमामहकोलयैपावर।
746 घाकरनितिघमकलरेषियहगणउराई इ
गमहलसोंपकराभुमलसोंहम्रैंतितिहिया।
ननजितिनमकलह्रपिविमारी ह्रनि।
म्राकामनैंभुहूपवराघाकरीरिघनम्रामी
मकरिजयउवारी वहूरिवलवामयनाम
करिरिघनकोंहस्थीपरहवनाकोंमिपा।
प प्रभुरचीम्रैंरहीम्रैंहरेइसामैंरहीमैंम्रह।
रत्नहरिचरितकरिम्हनाप ९०८ इति।
श्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधेपेमरा।

रामकृष्णकैनाकृनसमतिनमोध्यायः १९ श्री

यमहरामाचरित्रवनेन रागजैतसिरी ह

रिहरिहरिहरिस्मरनकरौ हरिचरनार

बिंदउरधरौ विप्रसुदामासुमिरौहरी ना

कीसकलआपदहरी १ कहौंसुकथासु

नोचितधार कहैसुनैसलहैसुषमार वि

प्रसुदामापरमकुलीन विस्नुभक्तसंपुन

लवलीन २ भिक्षाहेतउदरनितभरै श्री

हिनिसिहरिहरिस्मरनकरै नामसुसी

लाताकीनारी पतिहेतनापतिव्रतापकारी ३

पतिजुकहैसुकरैचितचाइ सोकहौंइक

दिनयाभाइ १९९ रागविलावल कहेनस

सु कोंनमसोंरकवान केनकहूरिहारिका।
२ नगारीकौंनाहीनडुपनिलोंज्ञान निहिं।
७५७ केसघासणामस्नेराद्वनशीपतिसकलस
747 घनकेरान निनैच्छारिनमपरमसभूहे।
काहेडुघसहिनहोगान । परमउरारक्रू
पालक्रूपानिधिप्रेनरत्नामीत्रिभुवनना।
थ सरवसरेनगीकभक्तनकोंहविमान।
ननलसीकेपान छाउँसऊववोंपपटने
डुलसरसमैंचलियैउहिप्रान लोचनस।
फलकमैंपियभ्रपनेवद्रूसुघरेषिकमल।
विगमान ।९८। गगनट केनस्त्रियाशैम।
पुसरलैपसनियनहैवहिननमारे वाल।

सषाग्रहविपतविभंजनसंकटहरनगो।
विंदगुणरे ग्रीरमग्रतिसप्रीतरषिहेतिः
जतनशीतविसरे सवमहीधनरेनभ।
मकेरिकनकनृपतिविचारे । जरपितम
संतोषभजनहोटरामनमषनैरहतजगम
रे सुरगमप्रभुमिलैसुरगमासवसषटे।
श्रुतिग्रटलनहरे १६८। पनासिरी सुरा।
मासेवतनपंथचले कैसैकोमिलिहै।
हिप्रीपतिभवतवसगुनभले पहुंच्योना।
दानहारपरकाहूनहिग्रटकायो २७३।
नचितैपसोमहरिमैंहोकोरमनपायो ।
मनमैंप्रतिग्रानेहकियोहोवालमीतप।

म रिवान पापमिलननगानिपगाग्रानसरा।
२ न्प्रभुभगवान ॥१८॥ बिलावल हीरि।
७४८ 748 नेरैष्णावलवीर अपनेबालमेषानसरा।
मामलिनवमनप्रकृत्रीनमरीर पैरेहेप
रंजेकपरमकृविकृकमिनिचैरिहुगावन।
तीर उटेघ्रकुलारघ्रगामनेमापवमिल।
तैनैनभरिम्रायेनीर। निजम्रामनवेदार
परमकृवप्रलीक्रमलकसैमनिपीर।
सापहेमरेहुहमहमकोंकहाडगावन।
लागेवीर दरमपरमहमभयेमभागीर।
हेलमनमैंपकोापीर मरमगनभपचांव
रवाननकरपकसेकमनाभपभीर ॥१९॥ २

धनासिरी जदुपति लषे सदा मा भावन
विह्वल विकल भयो दारिद वस करि बि।
लापक कामिनी सनावन पाउ धाइ दस।
कियौ संभाषन कर गहि भुजा अंग लैला।
वन नेहु लटेषि ग्रपिक ग्यानें रमों गम सदा।
मानो मन भावन । मनहीं मन मैं करन।
गैयो कर सोटी नैनो चितन नहुलावन सा।
दा सब निधि के दाता ताकों कृपा करन।
सोई पावन १८४ दास ताकेरा ऐसी प्रीत।
केवल जोउ सिंधा सनन नचले मिलनकों।
सनत सदामानाउ करजोरे हरि विप्रजान।
कैहित करचरन पषारे ऐंकमाल है मिले।

स सदामहिष्रहोसनवैदारे । प्ररपंगीशक्र
र नमोहनसौंकेसहितनमारे प्रतिननखी
७४९ नमलीनहेमियतपांवकहोंतैथारे मंदीप
749 नकेहमकसदामापटेपकचहमारे सद।
दामप्रभुपीनपासपरभक्तनकृपाश्रपा।
रे ।१८५ सोरठा गुरुगृहजनवनकोहम।
जात नरतनहमारेबहलैलकरीगहतडपि
नतिजगात एकदिवसवराषाभईवनमैं
इहिगपनाहीहोर इंद्रिकोकृपाभयोनमा
हिम्रमगुरुश्रापनहांहोर सोदिनमोहिवि।
सरननसदामासोकीनोउपकार प्रतिउप
कारकहाकरोंसरजनभाषनश्रापप्रभुगार ।९ ॥

सारंग हरिकों मिलन महा माधौ वि·
यिसौं प्रघपांवशीरीती प्रेंतप्रेमबढायौ
प्रारब्धतकियौ कमलापतिमर्दनको·
प्रन्तूबायौ चेरतप्रगजेजगाकेमाति
रमलप्रेगवछायौ । हमगुमकारको
रपटनेइलजनकों प्रगटजनायौ पूर्वा·
प्रीतजानकैंमोहनलालेंकछुरकषायौ
समरेविप्रमहामावाकोंमरवमरैटपटि
गयौ महामसप्रभुकेवलहारीनीनोला·
कवढायौ ।९८। पनासिरी महामागृहा
कोंगवनकियौ प्रगटविप्रकोंकछुनन
नायौमननैंमैंवढ्नदियौ नेहचीरकचील

सू ८ वैदेविधिमोकोंकह्यासियौ धीरहोंकह्या
तियाकेआगैंभरिभरिलेननहियौ । सोमे
७५० 750 रोषमानमनहीमनआदरावहुतलियौ सू
रसमचरनीकरानीचित्रकोपतियाइवि
यौ ॥९८८ विलावल सूरमामेटिरहेघर
हौ डूलीरहोतुमंदेयाभरीकोतृणआर
कसौ रोपरहरियौत्रिभुवननाइकआव
कैंजानफिसौ सूरस्यामप्रभुपतियहली
लाअवहारहहसौ ॥९८९ रागविलावल
भूल्यौहिनरेखतआपनोघर औरैंभांतआव
रीरचनासोचसुभाइऔरउपजोउर कैव
हरौवहुरालईकाहूकेकोउआरवसौ ।

समर्थनर कैसगलेलोकपरलोकनरहैसुनि·
कैकैलासमनहेंमनियतनहर । मौनलि·
नीवनद्वारिवैसजलरहेहैमनहेंपानी·
सर बुधिजनकहनडुवेलचानकविधिसा
हमग्रानलियैपारंवर पावैहैतिपउता·
रिकहौपतिवलियैद्वारगैसाकरसोका·
र सरासमसामीकीमहिमाद्वारेग्राउभा·
यौन्नकलपनक ।९५· रागविलावल ९
घनभूलरसौहिनरीन मननहिपैरसमु
ऊनहीग्रावैमेरोचरप्राचीन किपौंरेवमा
यामनमाहोकिपौंग्राननरींग्रापौ नन
कीछांहिमिटीनिधिमोगानवहुनजनन·

सू हौल्लायो । चितवतचकतहूरभयौहरौ।
र ग्रहभुतलीलारीत सुंदरभवनमनोहर।
७५१
छाजेमनकंचनकीभीत चलैलोकेतपदम
७५
बहुरिकिरणगणगायारौरुद्वियाम पतिप।
हिवानथैमैमंदरमैंसुरमसकलअभिराम
।२५। बिलावल श्रेमैमोहिश्रोरकैंानपरि
वानै सुनसुंदरीवारीनवंधूविवुकैंनाम
उँमानै कहंहरौकृपनउचीलउरसन
कहोजउनायगुसांई भैसाभुजापमारग्र
कभारउरियजनकीनांई । लैवैहारपरम
प्रनेकपरमृतिहितचरनपषारे प्रथीऊ।
मलमामचनमंदरसबसंतापनिवारे ।

लीनेछोरचीरतेंतंदुलकरगहिकेमुषमे
ले पहिलीबातनबिचारिसाधभगरागृ।
हवैसबकेले ॥५२॥ रागबिलावल प्रेम
मोहिश्रीरंगकैंनयोंसभोरै आपदरसनदौर
मिलैउरसोंउरदोरे बीरमुग्रजीवसन।
दीनसुषनिहोरै समपगजननकलगी
पीतपटसोंफोरे। सुषदसेजश्रासनदै।
हाथपगपषारे हरिहितहृगंगपरैया।
गजलसिरधारे कहिकहिगुणगेहकथा।
सकलदुषनिवारे कहतबिप्रहारासब
भुकेपरचारे ॥५३॥ सारंग हरिबिनकैं। न
टारटरै करतसदासामासकोप्रियहरिमि

स लनरमनविमैर श्रोरमिउश्रेमीगनटेश।
८ नकोपहिचानकैर विपनपैंक्रमरान
७५२ नश्लैववाननहूंविचैर। उहिमैरउहिनि।
७५२ डुललीनेमोह्रनवचनफ्रैर म्यरामलर
हियेकृपाकरिहगीनिध्यनटैर।।११४ ३।
इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कं।
धेमहारामकृतौश्रीतिनमोध्यायः ८ स
ढ्रिमलीला रगकेरा दीनहजहायश्रा।
इभयैपारहो बाड्मरामाकरहनावथन्द्र
घोश्राहिथतिगाछा हननहिंवचनकम
लटललोवनकमलापतिउहियाव त्रि।
भुवननायरेषिश्वपनोप्रियहितमोंकेटल

गाप । ग्रारइकारमेंटरमैसायेकनकप।
लेगवैटाप कयाग्रनेकपगननकहिक
हिगुहकेधामवनाप षैवेकोंकछुभाभी
टीनोश्रीपतिश्रीमुषवोले फेंटउपरानेंश्रे।
वलनेंडुलववलकारहीनिषोले २ हैमृटी
नेंडुलमुषमेलेवङ्कसौहायपसासै त्रिषु।
वनैटैकेकसौहकमिनीग्रवनोहायनिवा
सै विटाकियैापङ्कछौनिजननगरीदेवन।
भवननपायै मेंटररहीनायिपहिवासो।
प्रीनसमेनवुलायो ३ टीनरयालदेवकी
नेंदनवेरपुकारनिवासै सरामीनस।
रामाकोहाहरारटडुषनिवासै ४४५ श्री

सू कुलकोहानिकागवनसुनिगोपिकापक
र रत पथिकसौंव्रजजाइसुनैहरिजाननसिं
७५३ धुनद सुनसबव्रजगभईबिकलगैयानदि
753 वत्रहियोफट नरनारीवारवारनकानस
वयहैबिचार मिलिहैकैसीभांनदसैंप्र
वेनेदरुमारा १ निकटवसनदीप्रासकि
यौप्रवहरपयाना बिनाकृपाभगवानउ
पावनसुरजजाना ॥६५८ रागगौरी हमा
रेहरिचलनकहतहैंहर मधुवनवसना
प्रासदीसजनीप्रवनोमरिहैंसुर कोनैक
सौकहंतेप्रायेकिहिकषरथकीभर सा
वमिलिवलौसंगमाधवकैंनानरमरकुवि

स्त्रा । दखिणदिस रकलगारहारिकासिय
रहौभरिस्त्र स्तरामस्त्रवलाजौंजीवैंना
नमस्नीवनमूरि ॥१९७॥ रागु केदारा स्त्रवेरे
नैनैंनस्त्रनाथमरे मधुवननेमखिमाथा
वमूनियतस्त्रौरैंहूरिगारे मधुवनवमता
ड्रतीउरस्त्रामास्त्रोलगानैओहारा स्त्रवमता
मयौभामिकोहायीमूनियस्त्रगमस्त्रपार
सिंधुतीररकनगारवमायोनाहिडारिका
नोउ परस्तनमरसैंपिनिजप्रभुकोंस्त्रान
ननमहेजोउ ॥१९८॥ रागु मलार नैनाभय
स्त्रनाथरहमारे मरनगुपालउहांनेमजनी
स्नननस्त्रवनतमिपारे मधुरावमतस्त्रामर

मु यमनकोरेषिविरेषिमनहारे हमचानकवे
२ जलपस्यामछनपियतमह्यपारमच्यारे ।
१५४
754
वैमगुहहममीनवाशुरीकेसैंजीवेंमारे
मरहामहमकोंउलटीविधिमूनकहेने
ग्रवमारे ।१५१। रागकान्हरा उचरिग्रा ।
योपरेमीकोनेह काहेकोमथीग्रपना
मरवमहायपगयेरेह उनजुमहामह ।
मथुराछाडीजाडीजारममुकियोगेर
कहाकोंविरहागिनिउपजीवासोउर ।
मेरेह । नवजहमीमिलकानकाना
कीभूलनग्रवग्रवलेह मारामविरहा
वलमईगोपीनेंननिवरषनमेर ।१५२। रा

गविहागरा माईरीकैसेंबैनेहरिकोंत्र
नग्रावन हतिपतहैमपुवननैंमजनी
किंयासामकहूंग्रननगावन ग्रगमम
पंथहरिहछिनहिमिकहिनहैउहोंमिये
लवन ग्रवहरिहोपरवारमहिनगायेम
गमैंमासैकालजवन १ निकटबसा
नमतिहीनभईहमहोइनग्रायेमागम
वन हराममनिमहिननरमनजउ
पतिपैलैनाइकवन २॥१ रागमलार
हतिपनहरिहारकाबसाई सोजेजनम
गुनैग्रागेंयहहपिपकमबीलैग्राई २
छिनरेमनीरमायरकेकेंचनकोरगोम।

स नीधारै पंथ्यनचलैमंदेमनग्रावैइनिहरा।
८ नरकोउनजाई। मवञ्जनडुषीनंदनम
७५५ दाहूंडकटकस्यामराम" लवलाई स।
रहामप्रभुकेदरमनविनभईवरनव्रज।
कामडुहाई ।१०२ रागविलावल दषि।
मनजानहीउहिदेम हारकाहैंस्यामसे
दरमकलभुवननरेम परमसीतलश्र
भृतदानाकरद्गथहउपदेम कमलनैन
वियोगनीकोककहोपकमदेम। नंदनं
दनजगतवंदनधींनटवरभेम कानश्र
पनोमानस्वामीरहेजाइविदेम भक्तव।
छलविरदनमगैामाद्रयह्ग्रदेम पक।

वारिमिलैतौकृपाकरिकैहैमहारामहेस ॥३
सारंग वीरवारहुपानोलीजै तवतम
नाहूंहैमहागावनिहमरीगिमालगुपाल
हिरीजै रंगभूमरमनीकमयुग्रीरन-
पानीकोरनमथिकीजै वारसमुहद्य
शिकिनग्रावननिर्मलजलजमुनाकोपी
जै । यायोजलकोसकलग्वालनीहेत
ग्रमीसवद्रुतनगाजीजै हाहासग्रमुह-
मरीकोहतैनेहनेहनकेपाइपरीजै ॥४
रागमलार स्यामविनभईसरदनिसमारी
हैमैछाउकरगायेहारकाजनकोभूमिवि-
मारी निरमलजलजमुनाकोछाँसीसहि

स सबुद्धनलधारी कहियौजाइवेगिनेसंग्रा
ट वैचरननकेबलिहारी । ग्रवलाकहाजो
७५६
256
गकीजानैव्रजवासिनिजुविचारी हारा
सभुजमेरेरामकोरटनिराधिकाप्या
री ।१०५ माल व्रजपरमंडिरकरतहैका
म कहियौपथिकस्यामसोंगोधैग्रारस्या
पनेधाम नलरवेंहककवारदाबूभरित
डिनपिलीनाटेन गरजननगृहतनरपनम
त्रुगेलापहिरकमैंगाढलेन । लेडूलेड्डम
वकरनवंदीजनकोकिलचातकमोर टा
ड्रनिकरकरनमोटेवापलपलकैवहूंग्रे
र डुपौमधुपजनमममटेषिगयोहूवैसोपीरज

पान गछिवैदैनो प्रानि गछियेम्ब लोक।
निननाम ।२-६ कान्छ्र हौविञ्जुलिसि।
रेषिंउरलागन वारवारप्रझलारेदैनेलि।
कमलिकसिमनभागन प्राचीप्रथमपेशि
प्रावरिसिद्धप्रायीननलानै मानेमर।
नवरनविरहिलिपरकोरिलीनोहिसगतै
भृकुटीकुटिलकलेकचापमनप्रतिमिस
सेमारासोधन मानोकिरनपमारफांमलै
वारनविरहलवांधन जानतजततनप्रान
पतिसोहैजाकोजनसजगजानन स्वरसि।
प्रभुरतनैकासोमानाहृकनहिमानत ।२०
गगमलार व्रजपरवद्धरैंलागेगाजन ।

सू मैंकैंहूंपतिजातवेरेकीमुषनरिषावला
२ जन चहूंरिमनेंरलवारलउमरेमूनियन।
लागेबाजन व्रजकेलोगकानूवलिविन।
भवनिनकिनलागेभाजन । प्रापुनजा।
इहाकाकुयेलागेस्यामविराजन स्रस
सगोपीकैंजीवैंविकुरेरहरिमेसाजन ।८। ८
हलककमिनीगोष्ट बिलावल हकमि।
नीपूछतिहैगोपालहि कहौवातप्रपनेगो
उलकीकिनकपीतिव्रजवालहि नवन
मगाइचराववनजातेउरधरतेवनमालहि
कहाटेषिरीझेगापाकोंसंदरवैनविसाल।
हि । इतनीसुनतनउमगाप्रापहरागेमविहे

सबेरलालहि सूरस्यामप्रभुरहेमौनधा।
रिचोषवालनिजचालहि ।७०५ धनासि
री मोहिनिमषविसरतनहींवेव्रजवासी
लोग हमउनसौंकबहुभलीनकीनीनिसि
दिनमरनवियोग जद्यपिकनककमलिरा
वीहारीकाविषमकलसंभोग जद्यपिम
नमुरहतवंसीवटललिताकेसंजोग ।
मैंऊधौपरयौमोपितुपैटैनसंदेसोजोग
सूरदासदेषतउनकीगतिकिहिउपदेसै।
सोग ।७१। बिलावल रुकमनीपुरिव्रज
बिसरतनाहीं बदक्रीडाबदकेलजमुनत
रसघनकरमकीकाहीं गोपबधुनकी।

स्म भजनाकेपपरीविहरतकेंजनिमाही चोरा।
ट चितोरकरोलेंवानोवाननवाननजाही
१५८
जदपिसबनिधानहारावनिगोकुलकेस
758
मनांही स्यामघनस्याममनोहरहमि
रिहमिरिपछनाही ॥७॥ सारंग इकसि।
नीचलोजननमथुमिनारि जदपिनमो।
विभवहारिकामथुराकीसमनारि नम
नाकेनटनाइचनावनजमुनाजलमचवा।
रि केंजनकेलिग्रहभजनाकेपपरीसीतल।
दुमकीछारि। सीतलसुगंधमंदमलया।
निलविहरनकेंजनमोरि नाकीउधोवे।
दावनमैंनिहूलोकमोनोरि सवभीग्वाल

नेरछुहनसमतिममचितनैनदराहिं सु।
दासप्रभुवनवासिनोमनतिनकोसरतक।
राहि ॥२॥ इतिश्रीभागवतेमहापुराणेद।
शमस्कंधेसारासमकृतौएकाशीतितमो।
ध्यायः ८१। श्रीभगवानकृष्णदेउगवन सा
रेग ब्रजवासिनकोहेतहरैमैराधमुरारी
सवजादवसोंकहोवैठिकैसभामंझारी
वैशपरवारवग्रहनकहाकहौतासवजाई
वलौसकलकृष्णदेउतहांमिलनेपैजाई।
तातमातनिजनारिलैहाीनूसववसंगा चले
नगरकेलोगसाजरथतरलतवंगा कृष्णदे
उमैंग्राइरियोकहतपठाये नेरजसोमति

सू गोपग्वालसबसंगबुलाये ७३ श्रीराधिका
र सगुनविचार धनासिरी वायसकूरकूहा।
७५४ नसुनिसंदेसीवानीविमलअरवदिसिबोलै
आजुमिलावाहोइस्यामकोसुनिसुनिच।
तराधिकाफूलै ऊचभुजनैनेनअपारफर।
कतहैसौंहीबातअंतिरभुजरोली सोचडि
वारकरौमनआनंदमानोभागदसाविधि
खोली। सुनतबातसजनीकेमुषकीश्री
लकनप्रेमनरककाईचोली सूरसरसअ
भिलाषनंदसुतसोभाकहतिअतिनारिअ
मोली ७४ रागमलार माधवआवनहा।
रभए घ्रंवरउरिमनहोनगाहगाहैफरकन

नैनथव दैदैदेषिसविननिपग्रपनेपर।

गरमगनरव गिनवसंनफलीवननेवेली

उलहेपाननव । ग्रपनीग्रपनीग्रवपिना

निकैंसवनिसिंगारहिये मरराममग्रभुमि

लौकूपाकीग्रवपिग्रामथुनव ।।१५ हू

नवचननसोमनिग्रनि मलार दूँहांने।

येकारनग्रायो ग्रपनीसोंमनननलिनसो

हमोहगुपालपठायो कहामयोजोला।

गकहननहैंमानदेवकीजायो थानपानव

यगनमवैसथमैंहहिमंनवठायो । नट

गिरननोगनद्वारिकामोहिकछुनमहा

यो नवजवमपिग्रावनिहैउनकीविछु।

स रवह्यामैंपायौ श्रवहरिकृतखेयमैंआए।
२ सोमैंतमैंसुनायौ सवकुलसहितनंदस।
७६०
760
रनप्रभुहितकरिउहांवुलायौ ॥७९॥ गपि।
कावचनसखीप्रति सोरठा गयानैंननीर।
भरिआए कवधौंमिलहैस्यामसुंदरसखि
नंदुपतिनिकटहिआए कहाकरौंकितहि
भांतिजांउश्रवणंघनहीननपाए सरस्या
मसुंदरवचनदरसैंनतनकेतापवुझाए ॥७२॥
सखीवचनकेदोहा श्रवहरिआएहैंजिन
सोचहि सनिविधिसुखीवालनैंनलितैसु
वतंकरहनसोचहि लैलेषनसमकरआप
नेलिखसरलसुंदरसखाउरसेंकोचहि सर

सुविरहजनावकातकनप्रबलमदनवि।
धुपावहि ७१८ नंदनश्रीकुलपति राग
सारंग पथिककहोहरिसोंपरबात मक
वबलहैविरहनमोरोहमसबकियेसना।
थ प्रानहमारेसंगनिहारेहमहूहैप्रवप्र
वन हरप्रामसोंकहनसंदेसोंनैननिनी
रवहावत ७१९ रागसारंग नंदनजेसोदास
वब्रजवासी अपनेअपनेसुकरसाजकें।
मिलनचलेअविनासी कोऊगावतकोऊ।
बेनुबजावतकोऊउतावलधावत हरिर
समनकीआसाकारनविविधिमूरतिस।
वग्रावत। हरसनकियेप्रारहरिनकोक

सु हतसमकेसोच प्रेमसगनकछुसपनरा।
ट हैंग्रगरहैस्यामरंगराचि नासौंजैसीभांत
२६१ चाहियैताहिमिलेमैंपाई देसदेसकेतू।
261 पतिदेषिपरहूपीनरहीग्रगाई २ उमगेपे
प्रेमसमुद्रडहूदिसपरमनकहीननाई
सरदामयरहूमधसौंजानैजाकेहूदैसगा।
ई ६२ नंदनसोरावचन रागसोरठ मा
धवनूपालगिहैव्रजनीजन जानैप्रभुसों
प्रेमपुरानवहूरनयौकालीजन कहें
हूंतमनडनाथसिपुनरहूमगवालव्रजन।
वासी वरहवियोगपरहूमिलनकहेरी।
कालवालप्रवासी । कहेरविनादक।

ह्वांपरह्यौसरविविपिसंजोगवनायो रहि।
उपकारग्रान्नरनैनैननिहीरिदरसनसच।
पायौ नवग्रहग्रवग्रहकोहिनपरमश्रुति
निमथहूंपीरनजानी सरदरासमश्रभुजानि
ग्रापनेसवहूनिसेंहविमानी ॥४॥ हक
मिनीवचन कान्हर ग्रहतिहकमिनी
होजारवपानिरहिमैंकोहूषभानकिसो।
री वारकहैमैरिषावहूग्रपनीवालापन
कीजोरी जाकोहेतनिरंनरलीनीशेलन
व्रजकीषोरी श्रतिश्रानरहैगारडहावन।
नातेपरचारवोरी । रचनेसजनसकारस।
मननिकीनवपलवपुरपोरी विनरैषै।

सू नाकेमननरमनछ्विबीनैनगकोरी सू
२ सोचसुषकरिभरिलोचनप्रेनरश्रीतिनिहो
७६१ 761 री सिषलगातसुषवचनफ्रातननहिंहै।
नगाईमतिभोरी ॥२२॥ रागानट इनमेंको।
वृषभांनकिसोरी नैकनहीरिषरावत।
हमकोंबालापनकीजोरी कीनेपरमच
तरनिजमोहनप्रसैवसमतिथोरी बा।
लापननैंरहिंटगलापेतुपिवलकरछल
वोरी। नाकेगुनकीग्रंथितमालाकव।
ठ्नउरनैंछोरी मनसासुमिरनरूपध्यान
उरहूछिनरतनउतमोरी वहलषिजुवतिहू
टमैंटाहीनीलवसननतनगोरी सूरदासमे

रेमनवाकीचितवननैकहूसौरी ॥२३॥
श्रीरुकमिनीराधामिलाप रागनट ह।
रुकमिनीराधाऐसैंभेटी जैसैंबहूतदिनन।
कीबिछुरीएकबापकीबेटी एकसभा
वएकवयरेजुरेजुहीकीप्यारी एकसा
नमनएकउहूलिकोननकीरीमतिमा
री। निजमंदिरलैगईरुकमिनीपहूना।
ईबिधिरानी सूरदासप्रभुननेंहूएगापारे।
नेहूंरेजुराजरानी ॥२४॥ रागधनासिरी
राधामाधवभेटभई राधामाधवमाधव
राधाकीरंभूगिरागतिह्वैजुगाई माधवराधा
केरंगरातेराधामाधवरंगराई राधामाधव

स्र प्रीतिनिरंतरमनाकरिसोकहूनगाई ।
८ विहसिकसैाहमतमनहिंश्रेंनरापहकहै
७६२
762
ब्रजपदई स्रारामप्रभुगाथामापवब्रजन।
विहारनिननईनई ।२५ श्रीराधावचन
पनासिरी कानकहूवैनवनी हरिश्रा
पहूंभईरगोसीजैसैचित्रपनी श्रासन।
हरषिहूहैरनहिरीनेकमलझरीश्रपनी
नेब्लावरश्रागायनकीनोश्ररचैनेनजल।
धारबनी । झंचुकिनेंझचकलसश्रग।
रहैहूटीननरकननी श्रवउपजीश्रति।
लाजमनहिमनमभुजननिजकरनी भु
घरेषनमारीसीरहिगईविनमतिवुप।

सजनी नहिपिसारमेरीयरहनदनामेगल।
मोकुगनी ॥२९ श्रीसुघवाका सारंग
ब्रजवासिनिमेंकहोसबनिलेंब्रजरहिन।
मैं तुमसेंनाहीहारहनहोनिपटही।
नैं भजेमोहिज्योंकोउभजोनैननिहिता
भाई मुकुरमोहिज्योंरूपप्रापनेसमदरा।
माई । यहकहिकैससरेसकललैंवरा।
देजलब्धाइ सारथामकोप्रेमकहुमोपे।
कह्योनजाइ ॥२२ रागकान्हरा सवैते।
हितवैहेजनतमेरो नतमनतमसतनसबल
सरामानिवहेपरहसनवेरो ब्रह्मादिकेउ।
शादिकवेउजाननतवलवसकेरो पकहि।

सु सासरसासमउरासमउरिचलननछाडिविनके।
८ गे। कहाभयोजोरेमहारिकाकीनोरा
७६३
763
वमेरो प्रापनहींपाअनकेकारनिकौ।
होंफिरिफिरिफेरो इहांउहांहमफिरत।
सापुरिनकारनप्रमायश्रहो हारहेरेनें
नारननगोकुलपंगसुवनहीनेरो ॥२२८॥
ब्रजवासीवचन रागगौरी हमतौइत।
नैहीसबपायौ हेरस्यामकमलदललो
चनवहहौंहमसरिषायौ कहाभयौजोलो
गकहतहैंस्यामद्वारकाछायौ मनकैं।
विरहरमागोफलकीअनिश्रावरहेंपायौ ।
नोपिपत्रुषगजमलकेसमिलकियोनज

नकोभायौ महाराजहैमानपिताकिलि।
नकुनव्रजनविसरायौ गोपीगोपकहलेदव।
लेमिलप्रेमसमुद्रबहायौ पुपनेबालकु।
पालनिरषसुषनैननिनीरबहायौ २ ना
दपिरमसकुचेनिपपुपनेहरिहितधुपि
कनलायौ वैसेईहरिबकुपिनेरदनेरलव।
रामाषनषायौ ८२४ इतिश्रीभागवते
महापुराणेदशमस्कंधेमहादासकृतौहि।
प्रीतिनमोध्यायः ८२ बिलावल हरिद।
रसमबनकोरिदिनरान नोनरजनमग्रका
यजान सौबातनकीपकैबात हरिहरि
हरिसमसोरिदिनरान । हरिकहछेवप्रला

स रसिपाय नवसबभूपनिदासमनग्राय दा
२ िनिहिंसबकैंग्रारारक्कियौ भयौसंतुष्ट
७६४ सबनिकोहियौ २ नवभूपनिहरिकोंसि
764 रनाइ कारनलगोग्रसतनिइ हिमाइ परम
हेसनमसबकेईस ववनतमोरस्तुतिज
गरीस ३ नमसुखुतधनमयअविनासी
परमानंदसदासुखरासी नमननयाय
हसौभुवभार नमोनमोनमैवारंवार ४
शुनिगानीगानीयेप्राई दुपदसमनातववा
नवलाई सैनासौंभयौनिहारौग्यार कहौ
सननकोसुखदिखसार ५ कसौसवनिदा
दिग्रजअविनासी भक्तवछलसवजगत

निवासी नाहमगुननासंहरतार्इ भक्तना
निकीसबग्रपनार्इ ८ ग्राहमसबनिको।
सैंसैंभयो बहुरौंतिनसौंरीसौंकसो ३।
परमनामनिमनहरषार्इ कसैापमहम
पलिनडरार्इ ० पमसकलपरानीगनी
जिनवारपायैसांगपानी पमनुसरनि
सिहरिगुनगावै मरासनिदिकीरनपा
वै ८३ इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदश
मस्कंधेमहरासकृतेनाविप्रीतिनमोध्यायः ८३
ग्रथाविषित्तन बिलावल हरिहरिहरिम
मरोमबकोर बिनहरिममारनमुक्तनहो
३ श्रीमसकयामकरीयाभार मोर्इग्रबक

७६५ 765

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

देहिसोंयाभाई तुमसबकेगुरसबकेस्वा
मी तुमसबहीकेअंतरजामी ६ तुमहीवे
दव्लप्पवखानत तातेंहमसीसनतदा
नत हमसेवकतुमजगतउधार तुमेना
मोतमैंवारंवार ७ तुमहीसत्तजगता
करतार नरतनपहौहरतभुवभार हर
शनाग्रकतीरथवनावन लोगनकीमति
कोंभरमावन ८ तुमनिजरूपदुहिमात
वतायौ कारमोहिसौंग्रगानिठुरायौ व
सुरेवतुमकोंजानतनाहि मोरलोगवश
रेकिहिमांहि ९ कोउपितापतिकोउजा
नत कोउसत्रुमित्रकरमानत सावश्रमे

सु गतममसर्वेश्रपार तेसैंभजैंजेसोउतरैंपार १

८ जैसेंनीरमेंमोहिकोउहोर बहुविधिसपना

२६६ पावैसोर पैनिहिंउहोनकलुसंभार करि

766 देषनकोदेषनहार ॥ सोजेरहेविषेरसभो

इ तिनकोसहतुदिनहिकोर जापरकृपा

तुमारीहोइ तसमरननेंछूटेसोइ २ कृपा

तुमारीजानैजोई भक्तिसत्तानीकहियैसो

ई जापकृपाश्रवहमपरकीजै भक्तिश्राप

नीहमकोंदीजै ३ प्रेमभक्तिविनकृपान

होई सर्वसास्त्रहमदेषोजोई तपसीतुम

कोंतपकरिपावैं मुनिभावैतनतरंगुनगा

वैं ४ कर्मजोगकरसेवनकोई ज्योंसेवै

मैंहीगतिनहोई तिसिद्धिहिविधिहरिकेगु।
नगाई कहौहोइग्रतानातस्वगाई ॥८१॥
तितिहिकोगुनिम्रनाकरी कीरतनसकल
जगतविसतरी वेदपुरानसबनकोसार
नामकयोभागौतविचार ॥८२॥ विनहरि
नामनहोउद्धार ग्यानजानपदभजोगुसार
।८३। इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदशम
स्कंधेसूरदासकृतौचतुरशीतितमोध्या
यः ८४ अथदेवकीमृतकपुत्रमोचन वि
लावल श्रीगुपालनमकौसहोई नमही
कर्मोनमहीहर्मोनमहीश्रीरनकोई ग्रव
लोमैनमकौनहिनामोपुत्रभावकरमामा

म नमहारेवमकलरेवनके ग्रवनमकोंग।
२ हिवामैा । गुरहतग्रानिरियेनमनैसें।
१६२
कृपाकरौनदुगाई ममहतहूजेकेससेवा
767 रेनप्रभुरेहूनिवाई मेरनिपयरहवशेला।
लसारेषोंनैननिजाई हूयपिवाउहूहैसें।
लाइंपाछेहोरमहोई २ यरहमनिहरिपा।
तालसिपापनहांहूतोवलयाउ करिश्रण
मवैदारिसिवामनहितकरियोयेपाउ ।
तासोंकसोरेवकोमनषरकेमग्रमहारनेमा
रे वेगमंगाउरेहूतेरमकेंारैवेलाकतिहा।
रे ३ नरहतेंग्रानिरियेहरिवालकमाताला
उलआये महारामप्रभुदासपावसकरितेवे।

कैसिधाय ८४ इतिश्रीभागवतेमहापु
राणेदशमस्कंधेभाषाप्रकृतौपंचाशीति
तमोध्यायः ८५ सुभद्राविवाह विलावल
भक्तवछलश्रीनारदराई भक्तकाजहरिक
रतसहाई पर्वतनतीर्थजात्रासिधाय फिर
तफिरतद्वारावतिआय १ सुभौविवाहक
रतबलदेवै दुर्जोधनदियसुभद्राहै ये ना
रायणकेमनजहभाई ताकोंमैलेजाउं
चुराई २ भेषतपस्वीकोजिनगयो वारमा
सद्वारावतिरहो बलदेवजानतकोंमोंतवुला
यो भोजनदेतसुवलगृहप्रायो ३ लखिआस
भराधहुसंन्यासी राजकुंवरकोउभेषउदासी

स मेरेमननैमैयहहुतसाह मेरोयासेंसंगहोइविवा
ट ह ४ इकदिनसोहरिमंदिरगई नहींभेटपा
७६८ यसोंभई देषिनाहियहहोकियो हरि
768 दोउकोहाथलषिलयो ५ पतुषवानश्रप
नेनवहिये अरजुनसावधानह्वैलिये पाथ
लैसारथिहियगायो रथकेतुरगनवेगिचा
लायो ६ परम्रतिकेदलपरउडिगायो न
वहरिअरजुननामसुनायो वलकसोतुम
मनपैसोआई नातुमकोंकोनीनमगाई ७
हरिकसोअवहंडुलावहुनाह भलीभांति
सोंकरोविवाह नववलपारथतुरततुलायो
सोपिसुहहरनलगनपत्यो ८ कीरविवाह।

यन्नेनरुपायै स्वास्मजनमंगलगायैः
२३३ इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कं
धेमहारासक्रीडाषष्टाशीतितमोध्यायः ८६
श्रुतिदेवब्राह्मणप्रसंग विलावल हरिह
रिहरिसमभैसवकोर गवंकहरिगनना
वहोर नासमभैनाकीगतिहोर हरिहरिह
रिसमिभैसवकोर १ श्रुतिदेवब्राह्मणस
मिरेहरी नाकीभक्तहरेहरीपरी गवजना
कहरिसमिरनकीनो हरिन्नमेंठहरेपरा
लीनो २ नवहरिरिषवद्भनकसंगलय नि
हिकेरेसश्रीनवसभप हैसवरुपपरिदखकैं
मिले नाथितिनेपुनिनिजपुरचले ३ हरिन्

स कोपदृसदृनसुभाव रंकहोइभावैकोउ।
८ राव जोदिनकैरैनाहिहिनकै स्रवनष।
७६४
षुनहिषुंनरापौरे ।२३४ धनासिरी नेउवा
769
दृतकृपानमारी जिनकेवसअनमिष्ष।
नेकगनअनुचरअनताकारी महादेववर।
दियैअसुरकोंजवउननिजतनजासौ ।
सिवकेसीसधरनलागेपाकरसिवकैऊंट।
सिधायौ । विषनुपदृतिकैसौअसुरकों।
पदृवारसमनहोई सिरअपनेपरधरौअ।
सुरकरभसमहैगयौसोई सिवकैलासग।
एअस्तुतिकरआनंदरुपजैसोभारी सुरदास।
दौरकोजनसगावनश्रीभागोतअनुसारी ।२ ३५

इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधे।
हरिरामकृतौसमाप्तीतिनमोध्यायः ८०
ग्रंथवेदस्तुतिः बिलावल हरीहरीहरी।
हरिसुमिरनकौ हरिचरनारविंदउरधा।
रै हरिकेरूपरेषनहीराजा ग्रहरहीसा।
मडुतियानविराजा । मूलषहुपकहुक
हौनजाई हेवकहुकवेडकवनाई हरि।
नकेहिरदैयहस्याई देहुंसवनयहरूपरि।
षाई २ तीनलोकहरीकविविस्तार ग्रंथा
तीजोतिकोकियोविस्तार जैसेकोऊगाहा।
सेवार हीपकवारपौरउजियार ३ सोंहरिजो
नग्रपनीप्रगटाई वरनहमैसोईदरसाई ।

स तीनोलोकसगुनतनजानो जोतसरूपश्र
२ निमानो ४ सासानासभयेश्रुनचार
कौतस्वस्तनयापरकार नायतमारीजोत
श्रभ्यास करतसकलजगमैंपरकास ५
थावरजंगमनरलोलगिभए जोतनिहारी
चेतनकिए तमसवहौरसवनतैंन्यारे को
लखिसकैचरित्रतिहारे ६ सपकासतम
साखीसरा जीवकर्मकरबंधनबंधा सबे
यापीतमसवठाहर तमहीउरिजानतसा
ववाहर ७ तमप्रभुसवकेअंतरजामी वि
सरदेनिपटतमकोंस्वामी तमरीमायाज
गतउपाया जैसेंकोतैंमेंदगलाया ८ जग

परमानकियेयोध्योहार तमरीलीलाग्रगा।
मयुपार ग्रद्भुतमगुनचारितनमारे जो।
कारकैभुवभारउतारे ९ तिनकोमगुक्तिम
कतनहिजोई निरगुनरुपनलैकौंसोई न
रतनभक्तनमारीहोई जीवननैमैजीवकरि
येसोई १० भक्तकैमोउनेरपार नमोनमो।
नमैंबारंबार सकजैमीविधिप्रस्तनिगाई
नैमैईमैंकहिमगुफ़ाई ॥ जोयहग्रस्तनस
नैमनाचै मसमलानभक्तकोंपावै १२१८ वि
लावल नमोनमसोबारंबार मयुसरनगो
विरमुगार मायामोहलोभग्रहमान वैस।
वनिरगुनफंससमान । कालमगमसमसो

स पफिरै कैसैं नरतनवसमरनकौ तमविगु
८ नतमहीनिरंकार स्वयप्रकशमसाररहेप।
११२
771
विहार २ तमरोमरमनजाम्रसंसार न
रवपुराकहाकैैविचार शुकतश्रमितसै
तपीतश्रुतुहार करतजगतमैतमश्रव।
तार ३ सोजगकौंमिथ्याकहिनार ज।
हांतैरतमरेगुनगार प्रेमभक्तिविनभक्ति
नहोई नाथकृपाकरिदीजैसोई ४ श्रीर।
सकलहमरैध्यानेोई तमरीकृपाहोइसो।
होइ पद्मतनदेशश्रुजैसैंग्राम तामैंसवरा
रिकविसराम ५ श्रुविद्यातातमहोभगा।
वान तामैंजाततनमरोस्थान तमसामा

नेमण्ह्मनाथ स्नामन्नुपलषियानह्निना।
न ९ नगानपितानमंहीहोईम नानैवि।
नवनह्मनगारीम नममरडतियाग्रेरन
ग्राह्नि परनरेह्निनायह्मकारि २ का।
साकह्निनमरीग्रस्ननिकैरे नानेनमान।
मोउच्चैरे मकजैमैंवेरस्ननिगाई नैसैंहो।
मैंकह्निममुजाई ८ मरकैयाग्रीमुमउच्चा
२ कैहमनैमननैमवपार ७२ मुग्यनार।
ह्मग्रस्नन पनासिरी मभुनममरममसमुज
नह्निपैरे नगासिरननपालनमैंन्नारनपनि
कैयावह्नाकैरे मौंपानीमैंहोनवुरवुरापरे
नामंह्निममाइ सांहीमवनगप्रपाटननम

मू तैंपुनितामाहिमिलाऽ । मायाजलयपुा
ट गाथमहाप्रभुनारनसकैनिंहिकोऽ नाम।
११२
जहाजचहैनोकोडनमपरपद्रचैसोऽ पा
772
पीनरलोहिनसमप्रभुनूनाहीनामनिवा।
हू कारुनारनपारलोहमोनामननमाये
नाहि २ पारसपरसिहोनमोंकेचनलोल
पनोमिटिजाऽ मैंप्रनानीनानहिपावन
नामनिहारोगाऽ प्रमरहोनमैंप्रमृनपी।
येंरहनसरामघपाऽ नानैंहोनप्रयिकस
घभगनननचरनकमलचिननलाऽ ३ याव।
रंजेगामसवनमससमरयमसनकमनेंदननो।
ई व्रलासिवप्रलनिनसकैंकरिमैंवपुगा।

किहिंमांई जोगध्यानकरिरहेघनजोगी।
भक्तसदाप्रभुहिप्यारे ब्रजबनताभनियां
प्रभुहितारदमैतिहिप्यारेउताारे ४ तारदमें
हरिभक्तनकीनीहरिमेंकहिमनुक्ताई
सुरनप्रेमभक्तकीमहिमाश्रीपतिश्रीमु-
खगाई ।७३८ इतिश्रीभागवतेमहापुरा-
णेदशमस्कंधेसुरदासकृतेप्रकाशीति-
तमोध्यायः ८८ भृगुपदउरधारन ५
तामिरी हरिसोठाकुरऔरनजनकौं ति-
हूंलोकहरिफिरआयेनवककौयाविधि-
लोगनकौं महाराजसकौंअधिकारीसि-
वनामसअधिकारी विप्रसनकेवलपद्मी

म कारीविमलानउरधारी । मुषधमरात्रसीन
र लसौंभावननदेषननैंननमिराये यदहजिपजा
नभजैामवकोउमारान्नमभुनजूराये ।२३९
इतिश्रीभागवतेमहापुराणेदशमस्कंधे।
मारहासकृतैाउनशीतितमाध्यायः ८९
युर्जुनविजयपरसावन संषब्रुउमृनक
पुत्रसावन हरिहरिहरिहरिस्मरनक
रौ हरिचरनारविंदउरधौरौ हरिउकहि
ननिजसभामंकार वैदेहुनमहि्नधौरि
वार । युर्जुनहुंलाहैारमिपाप संषब्रुउ।
नववचनमुनाप हूरावनीवमतमवम
षी मैंहीपककैांनिमरिनतुषी २ मैरेषु।

ग्रेहोतहैजबही ग्रेनारायानहोतहैजबही

अर्जुनकह्योद्वारकामाहि ग्रेसोकोउपज

षपरनाहि ३ जोतवसुतनकीरछ्याकरै अ

हतेसोयहदुषपाहै यहसपनसान्नेजानि

वाहै तोतनअपनेसोपावकजारै ४ विप्र

कह्योतमसमामकिराम केसवप्रद्युम्नअनिरुद्ध

अभिराम अर्जुनकह्योमेरोनिजनाम गां

डीवधनुषमेरोअभिराम तेनिहचितवैरि

गृहजाई समयहोइकह्योसोंआई ९ ५३

प्रसूतसमैंजवआयो विप्रअर्जुनसोंआइ

सुनायो अर्जुनतवसरपंजरकियो पवन

संचाररहननहीदियो ० गृहकोद्वारोगा।

सू छोनहो ग्रन्नेनसावधानभयोनहो ग्राल
२ णकयोमसैंग्रबभयो ग्रन्ननपनुषवान।
११५ नवलयो ८ वालकहूभयोग्रेनरष्णान ग्रा
७७५ न्नेनहूर्योचकितमसान विग्रनारितवग
रीर्हई कह्योग्रतिसाकहाहूगई ५ तैग्रह।
धास्यकहानेपायो मिथ्याहीकरवाद्व।
हायो हीसोंग्रवडुषकहिहोंजाइ ग्रन्नेन।
कह्योनासोंयाभाइ ६ तेग्रसनकोंसैग्रवसा
डे तेतोमवसंतापमिराडे ग्रन्नेनतिहूला।
कफिरिग्रायो पैसोवालककहूनपायो ॥
ग्रन्नेनविग्रस्यामपैग्राय हीग्रन्नेनसोंवच।
नसुनाय तुमवालककाहेनदीराखो सो।

वृत्तांतहरू मैंतमभाख्या ।१२ करोडजन्मैंमपनि
त्याकरी सोमोसोपुरीनहोपरी वालकहरू
नकोतलेगयो सोसोकोंकलुतानभयो ।१३
मैरैसानहिंत्रिभुवननाई पेलाकोकहरू
पितहिंपाई विप्रकातप्रभुप्रापहीकरो
नातरमोकोंत्यानोंमसो ।१४ ह्रीयापैप्रभुले
नवेठाई पद्रुवेलोकालोकहिनाई हरूहरू
नेपुनप्रागैपाप हारकहरिमोंवचनस्नना
प ।१५ ग्रंथकारमगानहीटरसाई तानैरथ
नहीजानवलाई चक्रहरूसबप्रागैंकि
यो कोटिकरविप्रकासतहांभयो ।१६ ता
वहीप्रजनपद्रुवेतहां गमनाहीकाहूंको

स्त जहां तहां नाउ रेषो इक रूप नाम सम और न
ट दुतिय सरूप १० नैन निरषत कृतन है गरे ।
२२५
मन माहीं रोउ घकिररे कहिवे नो गहो श
नौ कहूँ तहां कहु प्रकार नहिं लहै ११ मे
सनाग फन मुकट स्थान मनि प्रभा मजु को
टिक भान हरि प्रजैन कियौ निरष प्रनाम
सबैन तहां इक सहू प्रभिराम १२ हरि प्र
जैन कों निज जन जान लेगए तहां जहां स
सिभान नमो रहे न चरन परह कियौ वोरु:
श्यौ कोउ हरौ मयौ १३ प्राव हृतन सप्रवश
पने धाम सुर नभय सरनके काम रसौं ग
व्रज ता लुनके दिए हरि प्रजैन प्रनाम नवकि

775

प ॥ ११ ॥ नह्यन्ये पुनिहाणवति श्राप ज्ञासना
केवालकपङ्कजाप श्रन्ते दृष्टिवरित्रत्रन्
प विस्मयवह्नभयोहनिभूप ॥ १२ ॥ नहि
नामैमैकह्लिपायै श्रहयांङ्कानेकेसं
श्रायै निजसहृपश्रपनोदरसायै नोका
ह्वद्बनवहिपायै ॥ १३ ॥ श्रेसैदत्रिभुवनपते
गरु कह्लासकैरसनागुनगारु मैं सकन्
पसैकहिसश्रफायै सरदसनाहीविपि
णायै ॥ १४ ॥ इति श्रीभागवते महापुराणे
दशमस्कंधे परमहंसकुलोउनवार्धे श्रीकृष्ण
लीलावर्णने नाम नवतितमोऽध्यायः ९०
समाप्तोयं दशमस्कंधः ॥ ॥ शुभं

स
ए
११६
776

ॐ श्रीगणेशाय नमः

ॐ प्रथम एकादशस्कंधमहं कवर्णन गणवि-
लावल हरिहरिहरिहरिसुमरनकरो ह-
रिचरनारविंदउरधरौ सुकदेवहरिचरन-
निसरनाइ राजासोंबोलैयाभाइ । कहौं
सुकथासुनोचितलाइ सरनगौहरिकेग-
नगाइ ॥१॥ श्रीनारायनअवतारवरनन
हरिहरिहरिहरिसुमरनकरौ हरिचरना-
रविंदउरधरौ नारायणजोंभयोअवतार ।
कहौंसुकथासुनोचितधार । धर्मपिता
प्रकमूरतमाई भयेनारायणसुनतिहिठा-
ई बदरिकाश्रमरहेसुनजाई जोगाभ्याससमा

पलगाई २ मनमैंघोरकामननारी म॰
घपावैंनरयहमननमारी हरपतिरेषनग
यौरगाई काममैनसंगारियापटाई ३ गि
नमगंपफुलीफुलवाई मंरमगंपवयार
वहाई कौंगानगंपवेमहराप नृमभावष्ठ
फगारिखाप ४ कामवानपाचोमंथाने
नागपणनैमननहिगाने नवतिहिमवा
निमहाभयपायौ कयोरहरमैकरांपटा
यौ ५ नवनागपणग्रांषउजारी उनमवा
कोकीनीमनहारी नमकजुमननैमैमति
यौ ६ नहिरमारैंघ्राणमकौ ७ रामना
मारोहैकजुनारिं नमैपटायोहैमरनारिं

सु ५

777

पमगांहरारूप पकपकतैरूपग्ररूप ना
गगणतहांपरगरकरी इंद्रपमगासो॰
भारही ९ कामरेषिचकितहैकगयो रूप
रहिंकोरमरेष्योनयो गनतेतमवैरहि
मोहि रहिममंइलोककोउनाहि ९ त
वनागगणग्रानाकरी रनमैलरूपकसो॰
टरी नामउरवमीरकउनलीनी पुनिपना
मरहिकेंउनकीनी १४ सोमरपतिको॰
हीनीजार कसौमकलवृंमंतमनार यौंभ
योनागगणग्रवनार मरकसौभागौनश्च
गुमाव १४२ हेमग्रवनारवनैन गगवि॰
लावल हरिहरिहरिहरिमगानको २।

स्तु जोवै चित्तविषैसंतोगनवहोवै ऐसीभो।
प नरहैहेतुजोर निर्हिंसारेकरसकैनकोर
७७९
१ जोसुपनैंसैदुषसुषजोई जानिसमता।
779
ईंनवलोई नवनायेनवमिथ्याजानै ता
नीउनकोंनवयोंमानै ॥ विषयचित्तरो।
कुभ्रमजानो ध्यानमरूपममकरमानो ध्या
नरिकमैंचित्तलगावहु प्रेमसहितमम
रूपहिध्यावहु ॥२ पैसैंकरतविषैहूंहोई
ध्रुममचरनरहैचितगोई जोपमोविपि
मापनकैरे मोनिरहैवैममपरध्रुवमैरे ॥३
ध्रुनवीचहीतनछुटजाइ मोलैजनममभ
कुगूहजाइ होहूंप्रेमभक्तकोंदानि पावैमे

गेपारमस्थान ४५ सनकादिकसोकदि

यहलान परमहंसमपञ्चेतरथान जो

यहलीलासनैसनावै सारप्रेमभका

कोंपावै ७४३ इतिश्रीभागवतेमहापुरा

णेमहसदासकृतैापकादशस्कंधः समा

प्ता ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

भा ॐ श्रीगणेशायनमः अथद्वादशस्कंधःशु
द्वा कदेवेन बोयसुवनारदेन गगविलाव
२८०
ल हरिहरिहरिहरि सुमरनकरो हरिच।
रनारविंदहृदयधरो बोयसुपजेसहरिया।
हो धरितसुननिकोकाजसाहो ।
कहौंसकथासुनोचितधारि कहैंसुनै।
सुनैभवपार अमरहकसमैंसुकपेजा
इ कहौसुरनजीनोंकिहिंभार शुकक
हौनमजनविसनो कीकैजनसुरनि।
सौंलौ गाहीविपितमीजयहौई गावि
नभ्रौरउपावनकोई २ अमरसकुको।
भ्रातापाइ लागेकरनजतवक्कभार नव

हामबहूरिजैपैजाइ कहौहूंमोनसकं।
लमिरनाइ ४ हीरजनिनकोंउधितरेश्री
किपैताननसेवरेकोभेष प्रकटनिपा।
मबहूरिचलिगए तिनसोंबवनश्रेसीवि
धिकरे ५ जबमोंहिजमपरमैंमारा।
न दयानहीप्राबलसंघारन प्रगटोसोश्री
पमबकोजालि कौजैबहिजीवबकोंहा
नि ६ दयाधर्मपालैजोकोई मेरीमति।
ताकेजियहोई यहकलिप्रगटनिजता।
हिमापैपा दयाधर्ममारगप्रगटापैपा ७ या
विधिभयेबोधप्रवतार हारकहौभागौ
नप्रगटमार ८४४ श्रीकलकीप्रवतारवर्न

सू २ रागबिलावल हरिहरिहरिहरिसुमरा
दा नकरौ हरिचरनारविंदउरधरौ हरिका
२८१
रिहैंकलिकीअवतार जिहिंकारनसुक
78|
हौचितधार । कलिमैंनृपद्वैहैंअम्माई क
रमअग्रलैहैंबरिआई कर्हेनरसोंलेहिआ
कोर लाबैसोंचेनरकोंघोर २ प्रजाधर्मर
हितहोइनकोई बरनधरमनपलानैसोई
हातीर्थभ्रमकरनरजोंहि महोरहैंनहो।
कबहुंनरहोंहि ३ नाकेग्रहमैंप्रतिमाहो।
३ तितहितजिअहैंप्रननैसोइ ब्राम्हणरक्षे।
नामोजाई संन्यासीफिरैंगेहवनाई ४ गृही
नग्रपनोधर्मपलानैं अतिथअग्रपकेंनहो।

सनमानै दयासमसंतोषनसाई मायाधर्म
कीरीतनभलाई ५ फलधर्मकोचाहैलोर
पैसधर्मकोंचाहैंलोर पैसधर्मकोंकरैनको
र पापनिकोफलचाहैंनाहीं प्रहनिसपाप।
करतंहीनाहीं ६ वाधासमैंनवाधाहोई।
बिनाप्रबदुखपावैसोई हानदेहिंतोजसको।
काज कलिनहोइ इष्टीपतिशन ७ सनदे।
ईवसकौंनलोग मैंमैंकीलोचाहैंभोग
सनसेवतप्राणसकलहोइ सोउजीवैविरला
कोइ ८ नृपश्रेसीप्राधरतापाइ इष्टीदेहनि।
नकौंउपाइ इष्टीदेहिनिहिंहासीकरै पैसो
कैानतजमाकोंवै ९ सनैनरलोंकियोनिहिं।

स राज नेहुनृपतिगणसुहिमाज प्रभुसेपिर
हु थीपतिजगभए नेहुसंतन्हाहिसुहिगए ॥१॥
७८२
782
तेब्रह्मसुपापपन्हमकरात त्रापत्रापमैंल।
ग्लीमरत रैनैदैषिसुहिहांसीआवत रत
कोरतनीससुकनआवत ॥ ससतनुगमत
त्रेताजगकराते द्वापरभूजामननैमेंपराते ।
कलजुगगनकवहौउपकार मोहूरिकहैस
उतैरपार ॥२॥ कलमैपापकौनिजजोई का
हूलैंपुनस्थानकौसोई हीरहीकरहूनपा।
पयेंजाई पवनलागिजैौफरैउडाई ॥३॥ श्री
नामेलमनहितहरिभाषौ नमहूननितै।
हीतितिहराखौ कलिमैंनामकहैजोकोई

निष्वपभवननलनतिहैसोर ।४ नवकलि।
वहैय्यपरमय्यपार रहैविसजनमपर्मसंभा
र लागृहसंभलकल्कीहोर कौरसंवाङ।
ष्नरसोर ।५ श्थीय्यकासतहोरहिनार
राजरेहिसनजगटहशार समटरसीहोवें
मवलोर ङश्भावमनथपौरनकोर ।९ पोंहि
हैकल्कीय्यवतार कलमेरामनामप्राथार
स्कनृपसोकसौजापरकार स्वकसौना
हीय्यनुसार ।७४५ राजापरीक्षनहोपिरश
म विलावल हीहरिहोरहरि हेमरनका।
यौ हीव्वरनारविंदउरपरी विनुहरिभक्त।
शक्तिनहीहोर कोटउपावकौरलोकोर ।

स ररर बीमैंजनगड्यौहार उपजनविनस

हा नवारंवार उतपति प्रलय होत निहिं भा

२८३

२८३ ३ कहैं नृपनसोसनोचितलार २ राजा

प्रलय वनविविहोर भावनजानचहुंमैं

लार एक प्रलय जो नमसों कही नीनश्री

रकहिवेकोंरही ३ चनरनगीवीनेरक

हनार कैराजनवलोंमवेनार चौरहम

त्रवलाहिनमोंहि वीननतासोंकलप।

कहाहि ४ ननहोरजवपरलैहोर निस।

मरजाराहिनसमनोर पानभयेजवत्रला

नाये वहूरौरथिकारनमोलागै ५ हिन।

मोतीनमाटजवजाही मोत्रलाकोवार

करहेंही वाघपचामणगाशपकहिये पा

लयनीमकीयाविपिलहीये १ वङ्गोंव

लाकहिउपावे नवलेंपगाईहगीस्मावे

मनमेंवनभयेंब्रलामेरे महापलपनव

हरिजकेरे २ मायामोहिनवलेपावें मा

याहरिपरमोहिममावे हरिकोत्रणकेरा

नहिजाई ब्रलघब्रघेंरमहारकमाई ३ कि

रिजवहरिकीरछाहोर देखेंमायाकीरि

सिजोर मायामवनवहीउपजावे ब्रला

द्वेउनिरहिउपावे ४ उनपलिपलपमरा

यौहोर जनमेंमेरेमहायोंलोर हरिकोंमजे

महरिपरपावे ननममरननिहिनिकरन

सु गावै १ नमसमाहैंमैंपायोज्ञान सुहिता।
हा यौमिथ्याहेरअभिमान अवमैंगहिहरि।
१८४
पटअनुराग करिहौंमिथ्याननकोंमाग ॥
सकनामैंनृपकोंभयोज्ञान असलैका।
नकियोपयान नलुकनृपसरीरकोंउस्यो
नृपननननहरिपरमैंवस्यो १२ सनसान
कनककहिसअज्ञायो मैंहूंनाअतसारसना
यो अंनसमैंहरिपरचिनलावै सारास।
सोहरिपरपावै १३८ ननमेजयजनका।
यावर्नेन गनविलावल हरिहरिहरिहा।
रिसमरनकौ हरिचरनारविंदअपयौ।
ननमेजयजनपायोराज एककारनिजस

भाविराज १ पितावैरमनमांहिविचार
विप्रनसोंयोंकह्यौउचार मोकोंनवग्रव
नतकरावहू नछुककछुंवसमेतनगाव
हू २ विप्रनसमझलीनवजारी नवगाना
तिनसोंउचारी नछुकजलसमेतनसमता
यै गयौंईहतिनसरनउचारै ३ नृपकसैं
ईहसहितनमनायौ विप्रनईहयहमनोई
चारौ यालीकतिहिंप्रोसयपायौ एना
सोंयहवचनसुनायौ ४ कारनकरनहा
रभगवान नछुकउसनहारथितिजान १
विनहरिप्रतातुलैनपान कैंावसकेकाह
करिहान ५ हरिसोंचाहैमोंहीहोर नृप

सू केसवराहरिहैवैगायौ जनत्राहिहरिपा
हा दविनलायौ ५ सुनसौनकनकहिसा
२८५ मुकायौ सूरदासमौंहरिगुनगायौ ९
५ इतिश्रीभागवतेमहापुराणेसूरदा
सकृतेद्वादशस्कंधः समाप्तः ॥ श्रीसं
मंवत् १९१ मेघवदि९मावस्यांसोम
वासरान्वितायां ॥

यह सूरसागरका पुस्तक श्रीमन्महाराजा
साहिब रणवीरसिंह बहादुर जी सी एस
आइ इंद्र महेंद्र सिपर सलतनत जंमू का
श्मीर व तिब्बताधिपतिके पढनेकाहै ॥

185